धनबाद
शुक्रवार 14.08.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-173 पृष्ठ- 12
श्रावण शुक्ल पक्ष-1
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

खनिज अधिकारों पर केंद्र से भिड़े हेमंत सोरेन बोले- झारखंड करेगा बड़ा आंदोलन

नई दिल्ली (ईएमएस): झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खनिज अधिकारों से जुड़े केंद्र सरकार के नए विधेयक के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, २०२६ वापस नहीं लिया, तो झारखंड में व्यापक स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सोरेन ने कहा कि यह आंदोलन ऐसा होगा, जिसे पूरा देश देखेगा।

मुख्यमंत्री ने अपने बयान में सवाल उठाया कि जब खनिज और जमीन झारखंड की है, तो उनके अधिकारों से जुड़े फैसले दिल्ली में क्यों लिए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा में जल्दबाजी में विधेयक पारित कराकर झारखंड के अधिकारों को कमजोर करने का काम किया है। हेमंत सोरेन ने इसे झारखंड और झारखंडियों के साथ अन्याय बताते हुए इसका पुरजोर विरोध किया।

सोरेन के मुताबिक, नए कानून का असर राज्य की आर्थिक स्थिति और सामाजिक योजनाओं पर पड़ सकता है। उन्होंने दावा किया कि खनिज राजस्व प्रभावित होने से मईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, पेंशन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं पर भी असर पड़ने का खतरा है।

दरअसल, विधेयक का उद्देश्य राज्य सरकारों को खनिज अधिकारों पर कर, उपकर या अन्य शुल्क लगाने से रोकना है। इसमें कुछ खनिज-युक्त जमीनों के नियमन को केंद्र के नियंत्रण में लेने का प्रावधान भी है। केंद्र का तर्क है कि अलग-अलग राज्यों द्वारा लगाए जा रहे शुल्क से खनन क्षेत्र में अनिश्चितता पैदा होती है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि विधेयक के विरोध में हर जिले, प्रखंड, पंचायत और शहर में आंदोलन किया जाएगा।

दिल्ली दंगा केस में 13 आरोपी बरी

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने गुरुवार को २०२० के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने इस मामले में आरोपी बनाए गए १३ व्यक्तियों को बरी कर दिया है। न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष के मुख्य गवाह की गवाही संदेह के घेरे में थी। इस कारण आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप सिद्ध नहीं हो सके। अदालत ने कहा कि गवाह की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगे थे। ऐसे में किसी भी आरोपी को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा। दंगा मामलों में अक्सर गवाहों की पहचान और उनकी गवाही की सत्यता एक बड़ी चुनौती होती है। इस मामले में भी अभियोजन पक्ष पर्याप्त सबूत पेश करने में विफल रहा।

सुखबीर बादल पर गुरुद्वारे में हमला

नांदेड़ में निहंग ने कृपाण मारी; 2024 में भी गोल्डन टेंपल में सुखबीर पर हुई थी फायरिंग

लुधियाना/नांदेड़(ईएमएस): महाराष्ट्र के नांदेड़ में गुरुवार को शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। पुलिस ने बताया कि गुरुद्वारा माता साहिब कौर में एक निहंग ने उन पर कृपाण से हमला किया। बादल के हाथ पर चोट लगी है। उनकी सुरक्षा में तैनात एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। सुखबीर सिंह बादल परिवार के साथ नांदेड़ गुरुद्वारा में माथा टेकने गए थे। सुखबीर बादल को यशोसाई अस्पताल में भर्ती किया गया है।

महाराष्ट्र पुलिस ने हमले को लेकर कहा कि दोपहर करीब एक बजे ये हमला हुआ। हमलावर निहंग जसपाल सिंह को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुखबीर बादल पर ४ दिसंबर २०२४ को भी हमला हुआ था। गोल्डन टेंपल में सेवादार की धार्मिक सजा भुगतने के दौरान उन पर फायरिंग की गई थी।

महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने जांच के आदेश दिए

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नांदेड़ के पुलिस अधीक्षक से बात की और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम और शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर हुए हमले की ▶▶ 8

लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस की भव्य रिहर्सल देशभक्ति, सुरक्षा और विकास का संगम

नई दिल्ली (ईएमएस): स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली का लाल किला आज देशभक्ति, अनुशासन और सुरक्षा के एक भव्य संगम का साक्षी बना। १५ अगस्त की भव्य तैयारियों के तहत हुई फुल ड्रेस रिहर्सल में जवानों की कदमताल से लेकर आसमान से बरसते तिरंगे के रंगों तक, हर दृश्य ने देशप्रेम का अद्भुत नजारा पेश किया। रिहर्सल के मद्देनजर लाल किले और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रही। विभिन्न रास्तों पर बैरिकेडिंग कर वाहनों की जांच की गई और कुछ मार्ग बंद कर यातायात को डायवर्ट किया गया। यमुना रिवरफ्रंट और खादर में नावों से लगातार पेट्रोलिंग की गई। इन कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच भी परेड और देशभक्ति के शानदार नजारों ने राजधानी में १५ अगस्त के जश्न का माहौल बना दिया।

इस दौरान विकसित भारत २०४७ की थीम को हजारों लोगों की मौजूदगी ने एक भव्य रूप दिया, जो भारत के भविष्य की मजबूत तस्वीर को दिखाता था। आसमान में हेलिकॉप्टर ने तिरंगे के रंगों की बारिश कर और फूलों की बौछार कर वंदे मातरम के संदेश के साथ माहौल को और भी खास बना दिया।

काले रंग की वर्दी में जवानों की टुकड़ी ने पूरे जोश और तालमेल के साथ परेड में हिस्सा लिया। उनकी कदमताल और हथियारों के साथ एक जैसी चाल ने जहां अनुशासन का परिचय दिया, वहीं यह देश की मजबूत सुरक्षा तैयारियों का भी स्पष्ट संकेत था। लाल किले के आसपास गर्व से लहराता तिरंगा इस पूरे समारोह के देशभक्तिपूर्ण और गौरवशाली माहौल को और बढ़ा रहा था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर आपत्तिजनक टिप्पणी अनंत महाराज को पड़ी भारी

अपने ही सांसद से भाजपा ने वापस लिया बंग विभूषण सम्मान

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल सरकार ने बीजेपी के राज्यसभा सांसद अनंत महाराज उर्फ नागेंद्र रॉय से बंग विभूषण सम्मान वापस लेने का फैसला किया है। सामने आया है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर अनंत महाराज की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद राज्य सरकार ने यह कार्रवाई की है। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार ने इसी साल फरवरी में अनंत महाराज को बंग विभूषण से सम्मानित किया था।

जानकारी के मुताबिक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस को लेकर अनंत महाराज की टिप्पणी पर विवाद खड़ा होने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने कड़ा रुख अपनाया। इसके बाद उन्हें दिया गया बंग विभूषण सम्मान वापस लेने का फैसला किया गया। अनंत महाराज को नागेंद्र रॉय (नगेन रॉय) के नाम से भी जाना जाता है और वह भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। उन्हें २१ फरवरी २०२६ को बंग विभूषण सम्मान दिया गया था। यह सम्मान पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार की ओर से प्रदान किया गया था।

फरवरी में मिला था बंग विभूषण

बंग विभूषण पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से दिया जाने वाला प्रमुख नागरिक सम्मान है। अनंत महाराज को सम्मान दिए जाने के कुछ महीनों बाद ही अब राज्य सरकार ने इसे वापस लेने का फैसला किया है। सरकार की यह कार्रवाई अनंत महाराज की नेताजी को लेकर की गई टिप्पणी के बाद हुई है। राज्य सरकार ने उनकी टिप्पणी को नेताजी के प्रति अपमानजनक माना है। इसी के बाद बंग विभूषण वापस लेकर यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस के सम्मान से जुड़े मामलों में ऐसी टिप्पणियों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालांकि अनंत महाराज ने नेताजी को लेकर वास्तव में क्या कहा था और उनकी टिप्पणी किस संदर्भ में की गई थी, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।उधर, इस पूरे मामले पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दो टूक और कड़े शब्दों में अपनी बात रखी है। अपनी ही पार्टी के सांसद की विवादित टिप्पणी पर सीएम शुभेंदु ने साफ तौर पर कहा है कि कानून व्यवस्था देश और राज्य के हर नागरिक के लिए बिल्कुल बराबर है। चाहे कोई भी हो। अगर किसी ने हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी का अपमान करने की हिम्मत दिखाई है, तो उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मणिपुर आईईडी हमले का मुख्य आरोपी एस पालाल थाडोउ गिरफ्तार

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर के मोइरांग कस्बे में ७ अप्रैल को हुए आईईडी हमले के मामले में पहली गिरफ्तारी हुई है। इस विस्फोट में दो नाबालिगों की मौत हो गई थी और एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ था। पुलिस ने मुख्य आरोपी एस पालाल थाडोउ को गिरफ्तार कर विशेष एनआईए अदालत में पेश किया, जहाँ से १० दिन की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत में भेज दिया गया है। थाडोउ ने जांच के दौरान स्वीकार किया है कि वह प्रतिबंधित संगठन यूकेएनए का वित्त प्रमुख है। मणिपुर पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने गहन जांच, खुफिया जानकारी और डिजिटल फॉरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से थाडोउ और यूकेएनए के अन्य सदस्यों की विध्वंसकारी योजनाओं का पता लगाया। थाडोउ को पहले भी अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है।

कैंसर को 'नोटिफिएबल बीमारी' घोषित करें 19 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट के अहम निर्देश के बाद कैंसर को नोटिफिएबल डिजीज घोषित करने का मुद्दा देशभर में चर्चा का केंद बना है। सुप्रीम कोर्ट ने उन १९ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा है, जिन्होंने अभी तक कैंसर को इस श्रेणी में शामिल नहीं किया है। नोटिफिएबल डिजीज वे बीमारियां होती हैं जिनकी जानकारी डॉक्टरों, अस्पतालों और चिकित्सा प्रयोगशालाओं के लिए संबंधित स्वास्थ्य विभाग को देना कानूनी रूप से अनिवार्य होता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य किसी बीमारी के मामलों का समय पर रिकॉर्ड तैयार करना, उसके फैलाव पर नज़र रखना और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत रोकथाम तथा उपचार संबंधी उपाय करना है।

भारत में महामारी रोग अधिनियम, १८९७ सहित विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून संक्रामक रोगों की निगरानी करते हैं। स्वास्थ्य राज्य सूची का विषय होने के कारण, राज्यों में नोटिफिएबल बीमारियों की सूची थोड़ी भिन्न हो सकती है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) पूरे देश में बीमारियों के आंकड़ों की निगरानी करती है। देश में तपेदिक, मलेरिया, डेंगू, हैजा, टाइफाइड, हेपेटाइटिस, कोविड-१९, पोलियो, खसरा, डिप्थीरिया और रेबीज जैसी कई गंभीर बीमारियां पहले से ही इस श्रेणी में शामिल हैं। ▶▶ 8

हंगामे की भेंट चढ़ा संसद का मानसून सत्र, राज्यसभा में 39% तो लोकसभा में 19% ही हुआ काम

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद का मानसून सत्र लगातार हंगामे और सत्ता पक्ष-विपक्ष के टकराव के बीच गुरुवार को समाप्त हो गया। २० जुलाई से शुरू हुआ सत्र १३ अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। कुल २५ दिनों की अवधि में संसद की १९ बैठकें हुईं, लेकिन व्यवधान के कारण कामकाज बेहद सीमित रहा।

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सत्र के समापन पर सदन की कार्यवाही को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लगातार हंगामे और व्यवधान से सदन का महत्वपूर्ण समय बर्बाद हुआ और राष्ट्रीय महत्व के कई मुद्दों पर सार्थक चर्चा नहीं हो सकी।

राज्यसभा में केवल १२ विधेयकों पर विचार हुआ। सदन की कार्यवाही कुल ३७ घंटे ४९ मिनट चली और उत्पादकता ३९.१७ प्रतिशत रही। वहीं लोकसभा की उत्पादकता महज १९ प्रतिशत दर्ज की गई। सवाल पूछने और महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने के अवसर भी सीमित रहे। उपलब्ध २८५ तारांकित प्रश्नों में से सिर्फ १६ प्रश्न पूछे जा सके। पूरे सत्र में छात्र आंदोलन, प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चंदा चोरी जैसे मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने रहे। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर संसद का समय बर्बाद करने का आरोप लगाया।

चमोली की सुरंग में अचानक घुसा पानी 18 मजदूर फंसे; 7 सुरक्षित निकाले गए

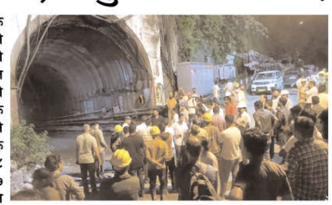

चमोली (ईएमएस): उत्तराखंड के चमोली जिले में गुरुवार को हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी की सुरंग में अचानक पानी का तेज बहाव आने से बड़ा हादसा हो गया। पानी भरने के बाद सुरंग के अंदर काम कर रहे मजदूरों के फंसने की स्थिति पैदा हो गई। घटना के समय सुरंग के भीतर कुल १८ मजदूर काम कर रहे थे। इनमें से ७ मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पवार ने बताया कि बाहर निकाले गए मजदूरों में से २ को जिला अस्पताल गोपेश्वर पहुंचाया गया है। अन्य प्रभावित मजदूरों को अस्पताल ले जाने के लिए अतिरिक्त एंबुलेंस भी मौके पर भेजी गई हैं। सुरंग में अचानक पानी आने के कारण बाकी मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका है।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। बचाव दल सुरंग के भीतर फंसे मजदूरों तक पहुंचने और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चला रहे हैं। जिला प्रशासन ▶▶ 8

अब सभी पायलटों का होगा ड्रग टेस्ट फुकेत-दिल्ली उड़ान के बाद लिया सबक

नई दिल्ली (ईएमएस): एयर इंडिया ने घोषणा की है कि वह अब उड़ान भरने से पहले अपने सभी पायलटों का नशीले पदार्थों के सेवन के लिए अनिवार्य रूप से परीक्षण करेगी। यह बड़ा फैसला बीते हफ्ते फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट-इन-कमांड के मारिजुआना टेस्ट में पॉजिटिव आने के बाद लिया गया है, जिसके कारण उड़ान की ऊंचाई में अचानक गिरावट आई थी।

दअरसल ४ अगस्त को हुई घटना ने केंद्र सरकार की चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसके बाद एयर इंडिया को अपनी परिचालन निगरानी मजबूत करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही, डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) को भी विमानन कर्मचारियों के ड्रग टेस्ट से जुड़े नियमों को तुरंत सख्त करने का आदेश दिया है।

सूत्रों ने पुष्टि की है कि फुकेत-दिल्ली उड़ान के पायलट-इन-कमांड का पुष्टिकरण डोप टेस्ट मारिजुआना (जिसे आमतौर पर वीड कहा जाता है) के लिए सकारात्मक आया है। यह तब हुआ जब पहले स्क्रीनिंग टेस्ट की रिपोर्ट नॉन-नेगेटिव आई थी, इसके बाद प्रक्रिया के तहत पुष्टिकरण परीक्षण किया। डीजीसीए अब डोप टेस्ट के नियमों को और अधिक प्रभावी बनाने पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है ताकि इसे एक निवारक उपाय के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

इस घटना के बाद, भारत के विमानन सचिव समीर सिन्हा ने एयर इंडिया के निवर्तमान सीईओ कैंपबेल विल्सन के साथ बैठक की थी, जिसमें डीजीसीए और एएआईबी (एयरक्राफ़्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो) के अधिकारी भी शामिल थे। उन्होंने एयरलाइन को हर तरह से ▶▶ 8

लाइबेरिया की विदेश मंत्री भारत में: यूएन डिप्लोमेसी और खनिज संसाधनों पर बात

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत, लाइबेरिया के साथ अपने कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। लाइबेरिया की विदेश मंत्री सारा बेसोलो न्यांती दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंची हैं, जो भारत की रणनीतिक योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ईरान-अमेरिका तनाव के वैश्विक प्रभावों के बीच, भारत चीन और अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए महत्वपूर्ण देशों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। लाइबेरिया, अपने क्रिटिकल मिनरल्स और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भूमिका के कारण भारत के लिए बेहद अहम है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नई दिल्ली आगमन पर लाइबेरियाई विदेश मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्होंने दोनों देशों के बीच करीबी संबंधों को और मजबूत करने का मौका बताया। हैदराबाद हाउस में उनकी मुलाकात विदेश मंत्री एस.जयशंकर से भी निर्धारित है, जो इस यात्रा के कूटनीतिक महत्व को रेखांकित करती है। भारत का मानना है कि लाइबेरिया की स्थिति संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कूटनीति से लेकर महत्वपूर्ण खनिजों तक कई मायनों में अहम है।

पश्चिम अफ्रीका का यह प्रमुख देश, लाइबेरिया (राजधानी मोनरोबिया), १८४७ में अफ्रीका का पहला लोकतांत्रिक गणराज्य बना था। आर्थिक रूप से यह क्रिटिकल मिनरल्स जैसे लौह अयस्क, हीरा, सोना और रबर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इन प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, यह एक विकासशील देश है। चीन पहले से ही इस क्षेत्र में सक्रिय है, जिससे भारत की दिलचस्पी भी लाइबेरिया में बढ़ गई है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में लाइबेरिया की भूमिका भी निर्णायक बन गई है। इस २०२६-२०२७ के लिए यूएनएससी में गैर-स्थायी सदस्य के रूप में चुना गया है, और दिसंबर २०२६ में यह परिषद की मासिक अध्यक्षता भी संभालेगा। भारत के लिए, जो यूएनएससी में सुधारों और स्थायी सदस्यता का प्रबल समर्थक है, लाइबेरिया के साथ संबंध गहरे करना अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी स्थिति को मजबूत कर सकता है।

भारत, अफ्रीका में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है और लाइबेरिया रणनीति में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। दिल्ली का दृष्टिकोण चीन से भिन्न है; इसका जोर क्षमता निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, शिक्षा, प्रशिक्षण, विकास सहयोग और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर है। यह यात्रा दर्शाती है कि भारत वैश्विक कूटनीति में एक नया रणनीतिक खेल खेल रहा है, जहाँ वह केवल खनिज संसाधनों या यूएन डिप्लोमेसी पर ही नहीं, बल्कि स्थायी साझेदारी पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

संपादकीय

ममता बनर्जी के काफिले पर हमला और मूकदर्शक पुलिस

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव और उसके नतीजे आने के बाद से ही आए दिन किसी बात पर हिंसा और अराजकता की जैसी स्थिति बनी हुई है, उसमें ऐसा लगता है कि सरकार और पुलिस मूकदर्शक की भूमिका में हैं और जो हो रहा है, उसे होने दिया जा रहा है। अन्यथा क्या कारण है कि किसी भी राजनीतिक पक्ष के कार्यकर्ता या फिर उनका समर्थन करने वाले लोग बिना किसी बड़ी वजह के अचानक ही आक्रामक या अराजक हो जाते हैं और पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने का इंतजाम करने के बजाय उदासीन दिखती है।

राज्य में 24 परगना जिले के हलिशहर में रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ जो हुआ, वह न केवल कानून व्यवस्था पर एक गहरा सवाल है, बल्कि इससे यह भी पता चलता है कि बदले की भावना जब राजनीति में जगह पाती है, तो किस तरह एक अफसोसनाक हिंसा की संस्कृति का विस्तार होता है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ममता बनर्जी उसके परिजनों से मिलने जा रही थीं। इस बीच उनकी गाड़ी पर हमला किया गया, कीचड़ और पत्थर फेंके गए, आक्रामक और अवांछित नारे लगाए गए। अफसोसनाक यह था कि वहां मौजूद पुलिस ने यह सब रोकने के लिए जरूरी सक्रियता नहीं दिखाई। हैरानी की बात यह है कि वहां की स्थिति एक तरह से बेलगाम हो जाने की आशंका के बावजूद पुलिस ने उपद्रवियों की भीड़ को जमा होने से नहीं रोका। यह बेवजह नहीं है कि इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने ही उनकी गाड़ी पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके गएउगाड़ी पर किया गया हमला इतना

गंभीर था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं, तो उनका सिर फट जाता। सवाल है कि राज्य में तीन बार मुख्यमंत्री रह चुकी एक महिला नेता को जब इस स्तर की अराजकता का सामना कर पड़ रहा है, तो राज्य में कानून व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर क्या होगी! हालांकि यह पहली बार नहीं है जब राज्य में असंतोष और नाराजगी के नाम पर चुनावों के बाद इस तरह की बेलगाम प्रतिक्रिया देखी गई हो।

ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब विधानसभा चुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस की हार हुई थी और भाजपा की सरकार बनी। उसके बाद राज्य के अलग-अलग इलाकों में अनेक जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं या समर्थकों पर हमले की घटना सामने आई। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे कद्दावर नेताओं पर घातक हमले किए गए। इसी तरह एक घटना में तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा पर भी अंडे फेंके गए। विचित्र यह है कि सत्ता में होने के नाते जहां भाजपा सरकार को ऐसी घटनाओं पर शर्मिंदा होना चाहिए, वहां इस पर अफसोसनाक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। क्या ऐसी घटनाओं को सिर्फ जनता की नाराजगी बता कर इनकी गंभीरता को खारिज किया जा सकता है? क्या इस तरह का रवैया कानून व्यवस्था को संभाल पाने में राज्य सरकार की नाकामी को नहीं दर्शाता है? पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा कोई नई बात नहीं है। मगर सवाल है कि जिन राजनीतिक दलों को इससे शिकायत रही, जिन्होंने इससे पहले की सरकारों और सत्ताधारी पार्टियों पर सवाल उठाए, वे जब खुद सत्ता में आए तब उन्हें राजनीतिक हिंसा की प्रवृत्ति को रोकना जरूरी क्यों नहीं लग रहा! केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू राहुल गांधी से मिलकर कहते हैं कि मान जाओ और संसद चलने दोज महत्त्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा करो, लेकिन राहुल हैं कि मानते ही नहीं। वे अड़े हैं कि जब तक केंद्रीय गृहमंत्री 'विद्यार्थियों पर पैलेट गन चलाने' की घटना पर वक्तव्य नहीं दे देते, तब तक संसद नहीं चलने देंगे।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की हालत पर सवाल

देश में सड़क परिवहन की बेहतर सुविधाएं विकसित करने के लिए राजमार्गों का विस्तार और नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। दावा किया जाता है कि उच्च तकनीक के इस्तेमाल से बनने वाले इन सड़क मार्गों पर सफर सुरक्षित होगा और वाहनों की तेज गति से समय की भी बचत होगी। मगर, हाल ही में बने कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की मौजूदा स्थिति सरकार के इन दावों की हकीकत बताती है। इस मार्ग को आधुनिक मशीनों, कृत्रिम मेधा आधारित निगरानी कैमरे और उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणाली जैसी उच्च तकनीक के इस्तेमाल से तैयार किया गया है, मगर हालत यह है कि पिछले कुछ दिनों में पैंतालीस किलोमीटर की दूरी में औसतन हर दो किलोमीटर पर सड़क धंस जाने की खबरें आई हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में गुणवत्ता के पैमाने को दरकिनार करके इस सड़क का निर्माण किया गया है? अगर ऐसा नहीं है, तो फिर क्या वजह है कि एक माह के भीतर ही सड़क की सतह जगह-जगह धंसने लगी है! किसी एक्सप्रेस-वे का निर्माण के कुछ समय बाद ही क्षतिग्रस्त हो जाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले माह प्रयागराज को मेरठ से जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेस-वे का लगभग साठ मीटर हिस्सा धंस गया था। इस सड़क मार्ग का उद्घाटन घटना के करीब तीन माह पूर्व हुआ था। जबकि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की आवाजाही शुरू हुए अभी एक माह भी नहीं हुआ है। इसके अलावा, निर्माणाधीन या लोकार्पण के कुछ दिन बाद ही पुलों के ढह जाने की खबरें भी आए दिन आती रहती हैं। इससे साफ है कि केवल आधुनिक तकनीक के आधार पर किसी निर्माण कार्य की गुणवत्ता तय नहीं की जा सकती। इंजीनियरों की निगरानी और निर्माण सामग्री की जांच में ढिलाई बरतने का परिणाम इसी तरह की क्षति के रूप में सामने आता है। सड़क निर्माण में खामियां कई बार वाहन दुर्घटनाओं का कारण भी बनती हैं। सच यही है कि जब तक किसी भी सार्वजनिक निर्माण कार्य की ईमानदारी से नियमित निगरानी नहीं जाएगी और संबंधित पक्षों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी, तब तक मानकों पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाएगा।

आज का कार्टून

माइक्रोप्लास्टिक पर क्यों बढ़ी चिंता?

वैज्ञानिकों का कहना है कि माइक्रोप्लास्टिक के इसके सूक्ष्म कण फेफड़ों, मस्तिष्क, हृदय और प्रजनन क्षमता पर गंभीर असर डाल सकते हैं। जानिए माइक्रोप्लास्टिक क्या है, यह शरीर में कैसे पहुंचता है और इससे बचाव के लिए क्या किया जा सकता है।आधुनिक विकास का पहिया जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे कई ऐसी समस्याएं पैदा हो रही हैं, जिनका निकट भविष्य में कोई समाधान नहीं दिखाई दे रहा है। ऐसी ही एक विकट समस्या है माइक्रोप्लास्टिक (प्लास्टिक के सूक्ष्म कण) की।

अखिलेश आर्येंदुश्च

यह हवा, ओस और बारिश के जरिए मनुष्य सहित तमाम जीव-जंतुओं की सेहत तथा जैव विविधता पर गहरा असर डाल रहा है। यह प्लास्टिक हमें दिखता नहीं है, लेकिन हमारे ऊपर लगातार वार कर रहा है। इस पर अमेरिका में हुआ शोध एक विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक, दुनिया की साफ मानी जानी वाली जगह 'दक्षिण नेशनल पार्क' की हवा में भी प्लास्टिक के महीन कण पाए गए हैं। इस इलाके में न तो वाहनों की भीड़भाड़ है और न ही यहां उद्योग हैं, इसके बावजूद यहां प्लास्टिक के सूक्ष्म कणों की बरसात होती रही है। इससे सैकड़ों टन प्लास्टिक के कण धरती पर बिछ चुके हैं। दूसरी तरफ यूनिवर्सिटी आफ आकलैंड (न्यूजीलैंड) के वैज्ञानिकों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रानिक सामान से पालिकार्बोनेट निकलता है, जो एक तरह का प्लास्टिक ही है। इससे भी मानव स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

वैज्ञानिकों ने माइक्रोप्लास्टिक के असर पर शोध के दौरान पाया कि हम रोज प्लास्टिक के लगभग सात हजार सूक्ष्मकण अपनी सांस के जरिए लेते हैं। अध्ययन के मुताबिक, इससे वैसा ही असर होता है जैसा तंबाकू खाना या सिगरेट पीना। यह एक गंभीर स्थिति है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे लोगों की सेहत पर ही असर नहीं हो रहा, बल्कि महिलाओं की प्रजनन क्षमता पर भी यह नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है।

वैज्ञानिकों का मानना है माइक्रोप्लास्टिक हमारी कुल क्षमता पर भी असर डाल रहा है। गौरतलब है माइक्रोप्लास्टिक एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक में खासतौर से पाया जाता है। इसके इस्तेमाल पर तुरंत रोक लगनी चाहिए, क्योंकि केवल एक बार उपयोग में आने वाले प्लास्टिक से महज हवा ही प्रदूषित नहीं हो रही, बल्कि मिट्टी और पानी भी प्रदूषित हो रहा है। माइक्रोप्लास्टिक से जलीय जीव-जंतुओं और पक्षियों पर भी असर हुआ है। इससे कई जीव-जंतु विलुप्त हो गए। जीव-जंतुओं में कई तरह की बीमारियां हो रही हैं और उनकी उम्र में भी कमी देखी जा रही है। इसके अतिरिक्त समुद्र, नदियों और झीलों का जल कई तरह के प्रदूषण से ग्रस्त हो गया है। कस्बों और गांवों के कुओं तथा नहरों का जल भी प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक के कारण प्रदूषित हो गया है। इससे ग्रामीण और कस्बाई लोग कई प्रकार की बीमारियों से ग्रस्त हो गए हैं। एक अनुमान के मुताबिक नदियों और समुद्र तटों पर अरबों टन प्लास्टिक कचरा मौजूद है। हालांकि इस कचरे का पुनर्चक्रण करने का कार्य दुनिया की कुछ कंपनियां कर रही हैं।

इस समस्या को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों ने एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के लिए राज्य स्तरीय नियम बना कर इसे प्रतिबंधित करने का कार्य किया, वहीं अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भी 2025 तक पैकेजिंग में सौ फीसद पुनर्चक्रित उत्पाद का उपयोग करने की घोषणा की थी, लेकिन अभी इस दिशा में कितना काम हुआ है, बता पाना मुश्किल है। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सहित देश के अनेक राज्यों में प्लास्टिक कचरे पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, लेकिन व्यावहारिक रूप से एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का चलन अब भी जारी है। यदि एक बार इस्तेमाल वाले प्लास्टिक को चलन से बाहर नहीं किया गया, तो माइक्रोप्लास्टिक से मानव सभ्यता का जो नुकसान होगा, वह हमारी कल्पना से भी अधिक हो सकता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार साधारण प्लास्टिक को सड़ने में भी लगभग पांच सौ वर्ष लग जाते हैं। मगर सहजता से उपलब्ध होने के कारण इसके जहरीलेपन को नजरअंदाज कर कर दिया जाता है। दुनिया में इसका महज पांच में से एक हिस्से का ही पुनर्चक्रण हो पाता है। इस तरह इसका 80 फीसद हिस्सा समुद्र में जा रहा है। इसमें माइक्रोप्लास्टिक का हिस्सा सबसे ज्यादा होता है। समुद्री पक्षी प्लास्टिक के कारण असमय मौत का शिकार बन रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक हर वर्ष करीब एक लाख समुद्री जीव मर जाते हैं। कई जीव-जंतु और पक्षी तो विलुप्त हो गए। इसके अतिरिक्त समुद्र, नदियों और झीलों का जल भी प्रदूषण का शिकार हो गया। कस्बों और गांवों के कुओं और नहरों का जल भी प्लास्टिक के कारण प्रदूषित हो गया है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक सत्तर के दशक के बाद प्लास्टिक का उपयोग शहरी, ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में बढ़ता गया। अब यह कई बीमारियों का कारण बन गया है। अब तो प्लास्टिक के बगैर काम नहीं चलता। जाहिर है, इसके असर से बचना नामुमकिन है।

उपयोग में आने वाले प्लास्टिक को जलाने से कई तरह की जहरीली गैसें पैदा होती हैं, जिनमें नाइट्रिक आक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड और कार्बन मोनोआक्साइड प्रमुख हैं। इन गैसों से फेफड़ों और आंखों की बीमारियां, कैंसर, मोटापा, मधुमेह, थायराइड, पेट और सिर दर्द तथा कब्ज जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। नए शोध के अनुसार, प्लास्टिक से बने बर्तनों के उपयोग से इसमें मौजूद नुकसानदेह रसायन खाद्य पदार्थों में घुलकर हमारे शरीर में पहुंच जाते हैं, जिससे पेट, सिर, फेफड़े और आंख से संबंधित समस्याएं पैदा हो जाती हैं। महिलाओं में प्लास्टिक के अधिक उपयोग के कारण बांझपन आ सकता है। नदियों, झीलों और समुद्र के किनारे उगी वनस्पतियों और पेड़ों पर इसका असर अधिक देखा गया है।

माइक्रोप्लास्टिक पर दुनियाभर में लगातार शोध जारी हैं। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के मुताबिक इंसानी शरीर खासकर मस्तिष्क पर माइक्रोप्लास्टिक का असर बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इससे मस्तिष्क की मूल संरचना में बदलाव आ रहा है। दिल का दौरा और मस्तिष्क आघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। जांच के सभी नमूनों में माइक्रोप्लास्टिक पाए जाने के प्रमाण मिले। गौरतलब है कि प्लास्टिक प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। शोध बताता है कि यह कैंसर और मनोभ्रंश का बहुत बड़ा कारण बन रहा है।

प्लास्टिक प्रदूषण जिस तरह गहरा होता जा रहा है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। पिछले पांच दशकों में प्लास्टिक प्रदूषण मानव सभ्यता के लिए खतरनाक बनता चला गया है। पहाड़ों से लेकर समुद्र की गहराइयों तक, धरती का कोई भी कोना शायद ही बचा हो जहां प्लास्टिक न पहुंचा हो। मनोभ्रंश से प्रभावित लोगों के मस्तिष्क में छह गुना ज्यादा माइक्रोप्लास्टिक मिलना चिंता की बात कही जा रही है। ऐसे मरीजों के मस्तिष्क में सामान्य लोगों की तुलना में छह गुना माइक्रोप्लास्टिक अधिक पाया गया है।

माइक्रोप्लास्टिक के खतरे और दुष्परिणामों से क्या मनुष्यों को बचाया जा सकता है? क्या इसके बढ़ते असर को रोक पाना संभव होगा? लोगों को इससे बचाने के लिए ऐसे क्या कदम उठाए जा रहे हैं और हर व्यक्ति किस तरह माइक्रोप्लास्टिक के असर से बच सकता है? इन मसलों पर भी लगातार शोध किए जाने चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले वक्त में माइक्रोप्लास्टिक से बचने-बचाने के बेहतर तरीके खोजे जा सकेंगे।

तपः धैर्य, साधना और श्रेष्ठता की अनदेखी ताकततप

भारतीय संस्कृति में तप एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण मूल्य रहा है। इसका संबंध केवल धार्मिक साधना से नहीं बल्कि अपनी गुणवत्ता में वृद्धि, परोपकार और किसी उच्च उद्देश्य की प्राप्ति के लिए स्वेच्छा से शारीरिक और मानसिक कष्ट सहने से है। भगीरथ, ध्रुव, दधीचि, महावीर और बुद्ध जैसे महापुरुषों से लेकर रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला तक अनेक व्यक्तित्व तप के आदर्श रहे हैं। ऐसे अनेक तपस्वी भी हुए हैं, जिन्हें व्यापक प्रसिद्धि नहीं मिली, पर जिन्होंने अपना जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया।

सदाशिव श्रोत्रिय

तप का अर्थ है स्वेच्छा और प्रसन्नतापूर्वक कष्ट स्वीकार करना। यही भावना साधारण कष्ट को आनंद और आत्म-विकास का माध्यम बना देती है। सोने को तपाने से जैसे उसकी चमक बढ़ती है, वैसे ही तप मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारता है। संगीत, योग, साहित्य, भक्ति और समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता का आधार भी दीर्घकालीन तप ही रहा है। पंडित रविशंकर ने अपनी आत्मकथा में अपने गुरु उस्ताद अलाउद्दीन खां के कठोर अभ्यास का जो वर्णन किया है, वह बताता है कि किसी क्षेत्र में सिद्धि बिना तप के संभव नहीं।

तप के ऐसे पक्ष जिन पर कम ध्यान दिया जाता

तप के दो ऐसे पक्ष हैं जिन पर आज कम ध्यान दिया जाता है। पहला, तप के लिए समय चाहिए, जबकि आज अधिकांश लोग शीघ्र परिणाम चाहते हैं। दूसरा, तप का सबसे बड़ा प्रभाव व्यक्ति के भीतर होता है, जो बाहर से तुरंत दिखाई नहीं देता। आज सफलता का मूल्यांकन लोकप्रियता, धन और बाजार की कसौटी पर होने लगा है। जबकि श्रेष्ठता और लोकप्रियता हमेशा एक-दूसरे की पर्याय नहीं होतीं। पतंजलि के योगसूत्र में तप को 'नियम' का आवश्यक अंग माना गया है और क्रियायोग के तीन प्रमुख तत्वों- तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान में उसको स्थान दिया गया है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय चिंतन में तप केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि आत्म-विकास का अनिवार्य साधन रहा है।

तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा

हमारे समाज में तप का भाव लंबे समय तक विविध रूपों में विद्यमान रहा। उपवास, व्रत, सेवा, अनुशासन और त्याग उसी के रूप हैं। माता-पिता बच्चों को दूसरों के लिए कष्ट उठाने की शिक्षा देते थे, शिक्षक अपने शिष्यों को विषय के गहन अध्ययन के लिए प्रेरित करते थे और विद्यार्थी आज की तरह किन्हीं दर्ज बिंदुओं पर आश्रित न रह कर मूल ग्रंथों का अध्ययन करते थे। सेवा को भी तप का रूप माना जाता था।

एक परिचित ने अपने वृद्ध माता-पिता की सेवा को जीवन का प्रमुख दायित्व माना जबकि उसके अन्य भाइयों ने उसमें विशेष रुचि नहीं ली। यह सेवा-तप का एक प्रेरक उदाहरण था। किसी उद्देश्य के प्रति समर्पण और उसके लिए धैर्य का धारण भी तप ही है। कई लोग किसी लक्ष्य का निर्धारण तो कर लेते हैं, लेकिन उसे प्राप्त करने के लिए जिस मार्ग पर चलना पड़ता है, उस पर चलने का धैर्य नहीं रखते। ऐसे में मन में जिस तरह की हड़बड़ी या जल्दी मचती है, उसके नतीजे में या तो लक्ष्य की ओर का यह सफर अधूरा रह जाता है या फिर व्यक्ति रास्ता भटक कर कहीं और पहुंच जाता है।

आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता जा रहा

इसके बाद एक समस्या और आती है। अपनी चूक पर गौर नहीं करने के बाद या तो लक्ष्य को या फिर रास्ते को कठघरे में खड़ा किया जाता है। जबकि सच यह है कि आज तप-भाव तेजी से क्षीण होता दिखाई देता है। आलस्य, आरामतलबी और त्वरित सफलता की इच्छा बढ़ रही है। विद्यार्थी गहन अध्ययन के स्थान पर संक्षिप्त रास्ता खोजते हैं। त्याग, सादगी, मितव्ययिता और तप जैसे मूल्य पहले जितने आदरणीय नहीं रहे। जीवन का आदर्श अधिक से अधिक सुविधा प्राप्त करना बनता जा रहा है। इस सुविधा-प्रधान जीवनशैली को ही प्रतिष्ठा का प्रतीक माना जाने लगा है। कुछ लोग तकनीकी प्रगति, उपभोक्तावाद और परिवार-संरचना में परिवर्तन को इसका कारण मानते हैं, लेकिन इसका सबसे बड़ा कारण पूंजीवादी अर्थव्यवस्था है। यह व्यवस्था व्यक्ति को इतना धन अर्जित करने के लिए प्रेरित करती है कि भविष्य में बिना श्रम के जीवनयापन संभव हो सके।परिणामस्वरूप सुखवाद और आरामतलबी बढ़ती है और तप का महत्त्व घटता जाता है। बिना परिश्रम अधिक आय प्राप्त करने के प्रलोभन देने वाली अनेक योजनाएं इसी मानसिकता का उदाहरण हैं।

गीता में क्या है राजसी तप?

आज अगर व्यक्ति कठिन परिश्रम भी करता है तो आमतौर पर उसका उद्देश्य धन, पद या सत्ता प्राप्त करना होता है। गीता की भाषा में इसे राजसी तप कहा जा सकता है, पर यह सात्विक तप नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में किया गया कठोर श्रम भी अक्सर भविष्य के व्यक्तिगत लाभ का निवेश होता है। उसमें आत्मिक उन्नति, चरित्र-निर्माण या लोक-कल्याण का भाव अनिवार्य रूप से उपस्थित नहीं होता। तप के अभाव में मनुष्य की गुणवत्ता का भी ह्रास होता है। केवल आर्थिक सफलता के लिए किया गया परिश्रम किसी व्यक्ति को संयमी, इंद्रियनिग्रही और निस्वार्थ नहीं बना सकता। जब समाज में तप का आदर्श कमजोर पड़ता है, तब मनुष्य स्वयं भी अधिक उपयोगी और संवेदनशील नहीं रह जाता। यह भी विचारणीय है कि कहीं हमारी दुनिया इतनी असंवेदनशील तो नहीं होती जा रही कि किसी के त्याग और कष्ट से न प्रेरणा मिलती है, न करुणा। अगर समाज को दीर्घकालीन नैतिक और मानवीय शक्ति चाहिए, तो तप को फिर से एक आदर्श मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित करना होगा। तप केवल कष्ट सहने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को श्रेष्ठ बनाने और व्यापक हित के लिए समर्पित करने की वह साधना है, जिसके बिना व्यक्ति और समाज दोनों का वास्तविक उत्थान संभव नहीं।

भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा, गूंजे भारत माता के जयकारे

धनबाद (कासं) : स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर धनबाद में भाजपा की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला परिषद मैदान से शुरू हुई यह यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए सिटी सेंटर पहुंची। हाथों में तिरंगा लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला परिषद मैदान से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा के वरिष्ठ नेता, नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर कार्यकर्ताओं ने पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ शहर के विभिन्न मार्गों से यात्रा निकाली। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से धनबाद की सड़कें गूंजती रहीं। रास्ते में स्थानीय लोगों ने भी यात्रा का स्वागत किया और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। भाजपा नेताओं ने बताया कि पार्टी की ओर से पिछले पांच वर्षों से लगातार तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इसका उद्देश्य देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को याद करना और नई पीढ़ी को उनके बलिदान से परिचित कराना है। नेताओं ने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, सम्मान और गौरव का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों में राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। यात्रा के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

सीआरपीएफ का तिरंगा यात्रा

बलियापुर(ससे) : स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सीआरपीएफ १५४ वाहिनी प्रधानखंटा की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

किया गया। कमांडेंट सुनील दत्त त्रिपाठी के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। बाइक रैली के साथ निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल वाहिनी के पदाधिकारी एवं जवानों ने अपने हाथों में तिरंगा लिए प्रधानखंटा, मोहनपुर होते हुए बलियापुर बाजार पहुंचे और विभिन्न सड़कों का भ्रमण किया। तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में बलियापुर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं जवान भी शामिल हुए। बलियापुर के लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी ओम प्रकाश सिंह, डिप्टी कमांडेंट अमित कुमार झा, सूबेदार एमएम उपाध्याय समेत अन्य पदाधिकारी एवं जवान शामिल थे।

न्यू टाउन हॉल में रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

धनबाद (कासं) : देश के ८०वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न में कोयलांचल धनबाद पूरी तरह से डूब चुका है। देशभक्ति के जज्बे, गूंजते नारों और तिरंगे के रंगों से शहर का कोनाकोना सराबोर होने को तैयार है। जिला प्रशासन ने इस राष्ट्रीय पर्व को यादगार बनाने के लिए अपनी सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मुख्य समारोह से ठीक एक दिन पहले, यानी १४ अगस्त की संध्या को न्यू टाउन हॉल में एक शाम देश के नाम समर्पित होगी। यहां रंगारंग और दिल छू लेने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

इस शाम को खास बनाने के लिए विभिन्न स्कूलों के बच्चों और स्थानीय कलाकारों ने दिन-रात एक करके रिहर्सल पूरी की है।मंच पर देशभक्ति से ओतप्रोत नाटक, लोकनृत्य और सुरीले गीतों की तान छेड़ी जाएगी, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। नन्हेंमुन्ने बच्चों के इस जज्बे, टाउन हॉल की चमचमाती तैयारियों और कलाकारों के धमाकेदार रिहर्सल की एक एक्सक्लूसिव और खूबसूरत झलक आप हमारे इस विशेष वीडियो में देख सकते हैं। आजादी के इस महापर्व के लिए धनबाद पूरी तरह से तैयार है।

एनसीसी कैडेट्स ने निकाली टीबी मुक्त भारत जागरूकता रैली

कतरास (ससे) : ५झारखंड बटालियन एनसीसी, कतरास कॉलेज परिसर से टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता रैली निकाली। नेतृत्व बटालियन के सीटीओ डॉ. मदन मोहन कर रहे थे। रैली में बड़ी संख्या में एनसीसी के जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली के माध्यम से एनसीसी कैडेट्स ने लोगों को टी.बी. के प्रति जागरुक, समय पर जांच एवं उपचार लेने के लिए सलाह दी। कैडेट्स ने विभिन्न जागरुकता अनुसंधान एवं नारियों के माध्यम से लोगों को टीबी मुक्त भारत के संकल्प से जुड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम लोगों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और टीबी मुक्त भारत अभियान का संदेश जनजन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुजल कुमार केशरी, अजित कुमार, मुकेश कुमार, लवली कुमारी, रिंकू मंडल एवं मेरी कुमारी समेत कई एनसीसी कैडेट्स शामिल रहे।

झरिया (ससे) : राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम के जज्बे के साथ झरिया में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। झरिया नगर अध्यक्ष अवधेश साव की अध्यक्षता में आयोजित इस यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में झरिया की लोकप्रिय विधायक रागिनी सिंह शामिल हुईं। यात्रा में झरिया नगर प्रभारी सुप्रभात कुमार समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया।

तिरंगा यात्रा लक्ष्मीनिया मोड़ से शुरू होकर इंद्रा चौक, ऊपरकुल्ही होते हुए कतरास मोड़ पहुंची, जहां यात्रा का समापन हुआ। पूरे मार्ग में भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के नारों से वातावरण गूंजता रहा। हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों ने झरिया को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया।

इस अवसर पर विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान है। यह देश के वीर जवानों के शौर्य, स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और करोड़ों देशवासियों की एकता का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम लोगों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता के प्रति अपने कर्तव्यों का स्मरण करा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि झरिया की धरती हमेशा राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत रही है। आज जिस उत्साह के साथ युवा, महिलाएं, कार्यकर्ता और आम नागरिक तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए, वह देश के प्रति उनके प्रेम को दर्शाता है। हर घर तिरंगा अभियान को जनजन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

रागिनी सिंह ने कहा कि तिरंगा किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव है। उन्होंने लोगों से तिरंगे का सम्मान करने और राष्ट्रहित में एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। झरिया नगर अध्यक्ष अवधेश साव ने कहा कि तिरंगा यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं और आम लोगों में जबरदस्त उत्साह रहा। उन्होंने कहा कि यात्रा का उद्देश्य लोगों के बीच राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है।

वहीं झरिया नगर प्रभारी सुप्रभात कुमार ने कहा कि तिरंगा देश की पहचान और गौरव का प्रतीक है। तिरंगे के सम्मान में निकली यह यात्रा झरिया की जनता को राष्ट्रप्रेम का संदेश देती है। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। बड़ी संख्या में महिला, युवा एवं भाजपा कार्यकर्ता हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हुए।

कतरास मोड़ पर यात्रा के समापन के अवसर पर झरिया नगर महामंत्री संजय वर्मा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों का आभार जताया और कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता और आम लोगों के उत्साह ने तिरंगा यात्रा को यादगार बना दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा झरिया क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के नारों और तिरंगे की छटा से सराबोर नजर आया।

बालियापुरमोहरीबांध सड़क निर्माण का कार्य शीघ्र होगा शुरू : रागिनी सिंह

धनबाद/झरिया (कासं) : विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से लंबित सड़क निर्माण कार्य को गति देने की दिशा में झरिया विधायक रागिनी सिंह ने पहल तेज कर दी है। बालियापुर से मोहरीबांध तक सड़क निर्माण का कार्य एनओसी के अभाव में रुका पड़ा है। इस मामले को लेकर विधायक रागिनी सिंह ने पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपा और सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग रखी। विधायक ने अपने पत्र में झरिया विधानसभा क्षेत्र के धनबाद अंतर्गत बालियापुरमोहरीबांध पथ के किलोमीटर एक एवं दो के बीच भूधंसान की स्थिति तथा आवागमन में हो रही परेशानी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को सड़क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक डायवर्सन रोड का निर्माण आवश्यक है।

बीसीसीएल की ओर से पोषित डायवर्सन रोड के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति एवं एनओसी उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्य आगे नहीं बढ़ पा रहा है। रागिनी सिंह ने प्रधान सचिव के समक्ष कहा कि सड़क की स्थिति और लगातार बढ़ रही लोगों की परेशानी को देखते हुए विभागीय स्तर पर तत्काल पहल जरूरी है। उन्होंने मांग की कि संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर आवश्यक एनओसी की प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराई जाए, ताकि सड़क निर्माण कार्य शुरू हो सके और लोगों को आवागमन की समस्या से राहत मिले। मामले पर पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने विधायक रागिनी सिंह को आश्वस्त किया कि सड़क निर्माण में आ रही तकनीकी एवं एनओसी संबंधी अड़चन को दूर करने के लिए चीफ इंजीनियर के माध्यम से स्थल का सर्वे कराया जाएगा। सर्वे के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर जेएमसी कंपनी को जल्द से जल्द एनओसी उपलब्ध कराकर सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण में किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब नहीं होने दिया जाएगा। संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर कार्य को जल्द धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। स्थानीय लोगों के लिए यह सड़क महत्वपूर्ण है। सड़क निर्माण शुरू होने से आवागमन सुगम होने के साथसाथ क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

भाजपा नेत्री ने कार्यकर्ताओं के बीच तिरंगा का वितरण किया

बलियापुर (ससे) : हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित

होने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर भाजपा की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तारा देवी ने बलियापुर पूर्वी मंडल कार्यालय में पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का वितरण किया।

इस अवसर पर तारा देवी ने कहा कि तिरंगा केवल देश का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है।

तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और हर घर में राष्ट्रभक्ति का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बलियापुर पूर्वी मंडल अध्यक्ष विद्युत चक्रवर्ती, बलियापुर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष सुनील मोदक समेत भाजपा के ज्येष्ठश्रेष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा को सफल बनाने और अभियान को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ने का आह्वान किया।

पुटकी (ससे) : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीबी एरिया सीआईएसएफ जवानों ने बाइक तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा

असिस्टेंट कमांडेंट बी.एन.पी. सिंह एवं इंस्पेक्टर/एग्जीक्यूटिव सुबोध कुमार के नेतृत्व में निकाली गयी। तिरंगा यात्रा पुटकी कैम्प से हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर मोटरसाइकिल से पुटकी प्रभु महतो चौक तक यात्रा निकला। इसके बाद यात्रा पुनः पुटकी कैंप पहुंचकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान सीआईएसएफ जवानों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। करीब ४० मिनट तक चली यात्रा से आम जनों में खासा उत्साह देखा गया।

आईसीएमएआई की अंतिम परीक्षा में सफल विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

धनबाद (कासं) : इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की अंतिम परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में सीएमए भवन, सरायढेला, धनबाद में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

समारोह की विशेष उपलब्धि रही भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के एचआरडी विभाग में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत देवांशी जैन की सफलता, जिन्होंने आईसीएमएआई की अंतिम परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर अपनी मेहनत, लगन और पेशेवर प्रतिबद्धता का परिचय दिया। उनकी इस उपलब्धि पर समारोह में विशेष रूप से प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी गई।

देवांशी जैन बीसीसीएल के एचआरडी विभाग में अपने दायित्वों का निर्वहन करने के साथसाथ कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी की अंतिम परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। कार्यस्थल की जिम्मेदारियों के साथ पेशेवर शिक्षा में सफलता हासिल करना उनकी अनुशासन, निरंतर मेहनत और सीखने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनकी उपलब्धि अन्य कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी उदाहरण है।

समारोह में उपस्थित वरिष्ठ सदस्यों ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन के साथसाथ मातापिता एवं शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी के क्षेत्र में प्रशिक्षित एवं दक्ष पेशेवर देश के आर्थिक और औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ सदस्यों ने उन्हें अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का

निर्वहन ईमानदारी, निष्ठा और दक्षता के साथ करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज एवं राष्ट्र के विकास के लिए करें। कार्यक्रम के अंत में सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की गई। समारोह उत्साहपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सीएमए बी. के. पारुई, सीएमए राजेश सिन्हा, सीएमए एम. डी. पांडा, सीएमए ए. पी. सिंह, सीएमए दीपक मंडल, सीएमए एच. पी. दीक्षित एवं सीएमए अजय भारतीया सहित बड़ी संख्या में आईसीएमएआई के सदस्य, सफल विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

धनबाद (कासं) : भाजपा की तिरंगा यात्रा के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच ही मारपीट हो गई। जिला परिषद मैदान से तिरंगा यात्रा शुरू होने के दौरान भाजपा कार्यकर्ता अमरजीत कुमार और रीता यादव के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और देखते ही देखते मामला हाथापाई तक पहुंच गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों के बीच मारपीट होती दिखाई दे रही है। वहीं, अमरजीत कुमार ने रीता यादव पर डंडे से हमला करने का आरोप लगाया है। हालांकि, विवाद के बाद कार्यकर्ताओं ने बीचबचाव कर दोनों को अलग करा दिया और तिरंगा यात्रा अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ती रही। दरअसल, भाजपा की ओर से धनबाद में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया था। जिला परिषद मैदान से शुरू हुई यह यात्रा रणधीर वर्मा चौक होते हुए सिटी सेंटर तक पहुंची। यात्रा का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण राय कर रहे थे। लेकिन यात्रा शुरू होते ही पार्टी के दो कार्यकर्ताओं के बीच विवाद ने माहौल गरमा दिया। बताया जा रहा है कि अमरजीत कुमार और रीता यादव के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। अमरजीत कुमार का आरोप है कि विवाद के दौरान रीता यादव ने पास में रखा डंडा उठाकर उन पर हमला किया। अमरजीत कुमार के मुताबिक, रीता यादव ने कहा कि उनके कहने पर रैली निकाली गई है। इस पर अमरजीत ने भाषा सुधारकर बात करने को कहा और बताया कि तिरंगा यात्रा भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण राय के नेतृत्व में निकाली जा रही है। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं ने दोनों को अलग कराया। हालांकि, इस विवाद का असर तिरंगा यात्रा पर नहीं पड़ा और यात्रा अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ती रही। वहीं, भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण राय ने पूरे मामले को कार्यकर्ताओं के बीच छोटीमोटी कहासुनी बताया है। उनका कहना है कि दोनों पक्षों को समझा दिया गया है और विवाद की वजह की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक वजह सामने आएगी। फिलहाल तिरंगा यात्रा के दौरान हुई इस मारपीट का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। अब देखना होगा कि पार्टी की जांच में विवाद की असली वजह क्या सामने आती है और मामले में आगे क्या कार्रवाई होती है।

बीएसएल द्वारा संविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की ऐतिहासिक पहल

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट ने अपनी सुदृढ़ एवं समावेशी सुरक्षा संस्कृति को और मजबूत करते हुए संविदा कर्मियों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत की है। इस पहल के तहत बीएसएल में कार्यरत संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक एवं गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराने की व्यवस्था शुरू की गई है।

ज्ञातव्य है कि इससे पहले संविदा कर्मियों को सुरक्षा उपकरण (पीपीई) सम्बंधित ठेकेदार द्वारा ही उपलब्ध कराई जाती थी। सेल सहित देश के इस्पात उद्योग में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा पहली बार की गई इस ऐतिहासिक पहल का शुभारंभ मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएल की यह विशेष पहल परिकल्पना पर आधारित है। इसका उद्देश्य संविदा कर्मियों को उच्च गुणवत्ता वाले पीपीई उपलब्ध कराने के साथ-साथ इनके इश्यू, डिस्ट्रीब्यूशन, रिकवरी एवं री-इश्यू की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी, व्यवस्थित एवं ट्रेसेबल बनाना है। इस पहल के माध्यम से बीएसएल कार्यस्थल पर सुरक्षा के समान मानक सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा रहा है।कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने इस पहल की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संविदा कर्मियों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बीएसएल द्वारा पहली बार व्यापक स्तर पर ऐसी व्यवस्था शुरू की गई है, जिसके तहत उन्हें नियमित कर्मचारियों के समान गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों वाले सुरक्षा पीपीई किट उपलब्ध कराए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित संविदा कर्मियों को बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन द्वारा सुरक्षा किट प्रदान कर इस पहल का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी ने कहा कि बीएसएल परिसर में कार्य करने वाला प्रत्येक कर्मी, चाहे वह नियमित कर्मचारी हो या संविदा कर्मी, उसे सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करना संगठन की प्राथमिक प्रतिबद्धता है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, बल्कि संगठन के मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक एवं गुणवत्ता वाले पीपीई किट उपलब्ध कराने की यह पहल एक मजबूत, समावेशी एवं उत्तरदायी सुरक्षा संस्कृति के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय है कि इस पहल के माध्यम से बीएसएल द्वारा संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान मानक एवं गुणवत्ता वाले पीपीई किट उपलब्ध कराने के साथ-साथ इनके इश्यू, डिस्ट्रीब्यूशन, रिकवरी एवं री-इश्यू की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा जा रहा है। इससे पीपीई किट की उपलब्धता, वितरण एवं उपयोग की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित होगी। साथ ही, आवश्यकता के अनुरूप समय पर पीपीई उपलब्ध कराने में भी सुविधा होगी। तकनीक के प्रभावी उपयोग से सुरक्षा प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी एवं प्रभावी बनाया जा रहा है।

संविदा कर्मियों को उपलब्ध कराए जाने वाले सुरक्षा पीपीई में सेफ़्टी हेलमेट, लाइट वेट पॉलीकार्बोनेट चश्मे, डिस्पोज़ेबल रेस्पिरेटर, सेफ़्टी शूज़, ऋठ सूट (जैकेट और ट्राउज़र), ईयर प्लग और कैनवस ग्लव्स शामिल हैं।यह पहल बीएसएल की उस दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है कि सुरक्षा सिर्फ़ एक ज़िम्मेदारी नहीं है, यह एक ऐसा मूल्य है जो हर किसी से जुड़ा है।

नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ संविदा कर्मियों की सुरक्षा के प्रति समान संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का परिचय देते हुए बीएसएल ने कार्यस्थल पर सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह पहल न केवल बीएसएल की सुरक्षा प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, बल्कि भारतीय इस्पात उद्योग में एक सुरक्षित एवं समावेशी कार्य संस्कृति के लिए नए मानक स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

गांडेय से दो अपहृत युवकों को पुलिस ने सकुशल बरामद किया दो आरोपी गिरफ्तार

गरिडीह (ससे): गांडेय थाना क्षेत्र से अपहरण किए गए दो युवकों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस के अनुसार, अपहरण की सूचना १२ अगस्त को मिली थी जिसके बाद पुलिस अधीक्षक गिरिडीह के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया

पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के हरसिंह रायडीह स्थित उसरी नदी श्मशान घाट के पास छापेमारी कर दोनों अपहृतों को सकुशल बरामद किया। मामले में गांडेय थाना क्षेत्र के डांडीदाह निवासी मो. रिजवान अंसारी और मो. अफसर अंसारी को गिरफ्तार किया गया है पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है इस संबंध में गांडेय थाना कांड संख्या ४५/२६ दर्ज किया गया है। पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो मोटरसाइकिल एक ई रिक्शा और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अपहृतों की सकुशल बरामदगी में गांडेय एवं मुफ्फसिल थाना की पुलिस टीम की भूमिका रही छापामारी दल में एसडीपीओ गिरिडीह गांडेय एवं मुफ्फसिल थाना के पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे पुलिस का कहना है कि मामले से जुड़े अन्य बिंदुओं की जांच जारी है

युवा मतदाताओं की लोकतांत्रिक भागीदारी सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने आज एचई हाई स्कूल का निरीक्षण कर छात्र-छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को एसआईआर-२०२६ (विशेष गहन पुनरीक्षण) की पूरी प्रक्रिया, मतदाता पंजीकरण तथा युवा मतदाताओं के शत-प्रतिशत पंजीकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त, रामनिवास यादव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे स्वयं मतदाता के रूप में पंजीकृत होने के साथ-साथ अपने परिवार, आसपास के युवाओं एवं पात्र नागरिकों को भी मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी और सक्रिय नागरिक भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि ०५ अगस्त २०२६ को प्रकाशित प्रारूप मतदाता सूची का व्यापक स्तर पर अवलोकन कराया जा रहा है। जिन विद्यार्थियों का नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है तथा जो ०१ अक्टूबर २०२६ तक १८ वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे नियमानुसार अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की प्रक्रिया पूरी करें। इस दौरान छात्र-छात्राओं को मतदाता पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज, संबंधित प्रपत्रों, दावा-आपत्ति की प्रक्रिया एवं निर्धारित समय-सीमा के संबंध में भी जानकारी दी गई।

उपायुक्त ने कहा कि केवल मतदाता जागरूकता का मंच नहीं, बल्कि युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक दायित्वों एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विद्यालय स्तर पर गतिविधियों को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया कि संस्थानों में नियमित रूप से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, संवाद एवं विशेष अभियान आयोजित किए जाएं तथा सभी पात्र छात्र-छात्राओं का शत-प्रतिशत मतदाता पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा ही सशक्त लोकतंत्र की मजबूत नींव हैं। मौके पर सहायक समाहर्ता, यश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

पंडित कृष्ण मोहन पाठक को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

बोकारो (ससे) : हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्राचीन और आध्यात्मिक ध्रुपद परंपरा के अनन्य साधक पंडित कृष्ण मोहन पाठक को वर्ष २०२५ के प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुरुवार, १३ अगस्त २०२६ को देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य और गरिमामयी समारोह के दौरान, देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया। हिन्दुस्तानी संगीत के ध्रुपद क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक और अमूल्य योगदान तथा अनथक संगीत साधना को राष्ट्रीय फलक पर मिली इस स्वीकृति से संपूर्ण कला और संगीत जगत में अपार हर्ष एवं गौरव का माहौल है।

विदित हो कि गया घराना के वरिष्ठ ध्रुपद गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक बोकारो के वरिष्ठ तबला वादक पंडित बच्चन जी महाराज के बड़े भाई हैं। उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित होने पर बोकारो के संगीतज्ञों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी है। वरिष्ठ संगीतज्ञ पं राणा झा, डॉ राकेश रंजन, पं शिव पूजन मिश्र, पंडित बच्चन महाराज, श्याम गोस्वामी, अरुण पाठक, चंद्र कांत शर्मा, विक्की आनंद पाठक, प्रसेनजीत शर्मा, विभु शंकर मिश्र, रुपक कुमार झा, लिपि बोस, नरेश कुमार सिन्हा, अमरजी सिन्हा, अंकिता चक्रवर्ती, हरेक नाथ गोस्वामी, उमेश कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी, रंजू सिंह आदि ने गौरवपूर्ण सम्मान हेतु उन्हें बधाई दी है।

मेहंदी एवं वेस्ट मटेरियल प्रतियोगिता का आयोजन

डुमरी (ससे): पारसनाथ महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को आर्ट एंड क्राफ्ट के अंतर्गत मेहंदी एवं वेस्ट मटेरियल से उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुएं बनाने से संबंधित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा एवं सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था।संचालन प्रो प्रियंका कुमारी अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया।कार्यक्रम के आयोजन में प्रो रजनी कुमारी,प्रो संगीता कुमारी,डॉ उमा पांडे,प्रो संगीता कुमारी,प्रो दिव्या रानी,सपना सिन्हा आदि की सराहनीय भूमिका रही।प्रतिभागियों में सिमरन कुमारी,आरोही कुमारी,चंदा कुमारी,लक्ष्मी कुमारी,काजल कुमारी,ज्योति कुमारी,सुमन कुमारी प्रमुख रूप से शामिल रहीं।विद्यार्थियों ने मेहंदी कला तथा वेस्ट मटेरियल के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी कला एवं हुनर का आकर्षक प्रदर्शन किया।मेहंदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न सुंदर एवं रचनात्मक डिजाइनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया वहीं वेस्ट मटेरियल से उपयोगी एवं सजावटी वस्तुओं का निर्माण कर पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्चक्रण का संदेश भी दिया।

कॉलेज में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

डुमरी (ससे): झारखंड महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता (एसआइआर) कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया।मौके पर कॉलेज प्राचार्य डॉ सुजीत माथुर एनएसएस पीओ प्रो मनोज कुमार सिंह व प्रो शंकर ठाकुर आइक्यूएसी समन्वयक प्रो राजेश प्रसाद ईएलसी क्लब के नोडल अधिकारी प्रो मनोज तिवारी एचडीएम विराट तिवारी उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को प्रपत्र ६,७ एवं ८ के उपयोग, दावा एवं आपत्ति की प्रक्रिया तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने,संशोधन,विलोपन संबंधी आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया गया। साथ ही सभी छात्र-छात्राओं को चुनाव आयोग द्वारा जारी एप को डाउनलोड कराकर उसके उपयोग एवं ऑनलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित करना तथा निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति युवाओं में जागरूकता एवं सहभागिता बढ़ाना था।

संयुक्त अभिभावक संघ ने डीएवी ढोरी के प्राचार्य को किया सम्मानित

नावाडीह (बेरमो) : डीएवी पब्लिक स्कूल ढोरी के प्राचार्य निशिकांत कर से गुरुवार को संयुक्त अभिभावक संघ के पदाधिकारी ने संघ के अध्यक्ष संतोष भगत के नेतृत्व में शिष्टाचार मुलाकात की । इस दौरान संघ के संतोष ठाकुर ने संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारी से प्राचार्य को अवगत कराते हुए उन्हें बुके, अंगवस्त्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया । यहां अध्यक्ष संतोष भगत ने विद्यालय के शिक्षा, स्वच्छता व अनुशासन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की । संघ ने प्राचार्य को आश्वस्त किया कि संघ विद्यालय के हर सुख दुःख में मजबूती के साथ खड़ा रहेगा । सचिव फुलचंद किस्कु ने विद्यालय में व्याप्त समस्या से प्राचार्य को अवगत कराते हुए समस्या समाधान करने की बात कही । यह भी कहा कि छुट्टी के समय अचानक सड़क में भीड़ बढ़ जाने से दुर्घटना होने की प्रबल संभावना बनी रहती है, ऐसे में छुट्टी के समय सुरक्षा के प्रति विशेष ध्यान देने की जरुरत है । संघ की बातों को सुनने के बाद प्राचार्य निशिकांत कर से कहा कि विद्यालय में जो भी समस्याएं है, उन पर काम किया जा रहा है । सड़क पर भीड़ कम करने के दिशा में भी प्रबंधन का ध्यान है । उन्होंने आश्वस्त किया कि पढ़ाई में कोताही नहीं होगा और शिक्षकों को ईमानदारी पूर्वक काम करने की बात बताई गई है । बातचीत में प्राचार्य ने कहा कि बच्चे भगवान के रुप होते है और बच्चों को बेहतर परिवेश देना उनका कर्तव्य है । बच्चों को बेहतर शिक्षा व संस्कार देना भगवान की सेवा करने के बराबर है । यहां संघ के संरक्षक गणेश यादव, भीम रवानी, दिनेश यादव, कार्यकारी अध्यक्ष डेगन दास, उपाध्यक्ष भरत भूषण सिंह, आशुतोष सिंह, उप सचिव सरयू मीडिया प्रभारी रवि कुमार आदि उपस्थित थे ।

ज्ञान के प्रति भूख जरूरी, विद्यार्थी अपनी क्षमता निखारें : निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन

बोकारो (ससे): भारत आविष्कारकों की धरती रही है, जहां आर्यभट्ट जैसे महान गणितज्ञ व ज्योतिषविद हुए हैं। प्राचीन ज्योतिष व गणित विज्ञान आज की तुलना में काफी आगे था। उस दौर में आज की तरह मोबाइल, गूगल जैसी कोई सहायक तकनीक या सुविधा नहीं थी, फिर भी हमारे हमारे पुरोधा सोचते थे, खोज करते थे और लिखते थे। उनमें युवा ही सबसे अधिक थे। आज के विद्यार्थियों में भी उन्हीं की तरह वास्तविक ज्ञान के प्रति भूख जरूरी है। बच्चे अपनी क्षमता को पहचानें और उसे निखारकर आर्यभट्ट की तरह बनें, जिससे कि पूरा संसार उन पर गर्व कर सके। ये बातें बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने गुरुवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो में आयोजित आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने दशमलव एवं बाइनरी सिस्टम की खोज सहित आर्यभट्ट के अन्य योगदानों तथा सभ्यतावार गणित के क्रमिक विकास की यात्रा पर भी प्रकाश डाला। पुरस्कृत विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने डीपीएस बोकारो द्वारा वर्ष १९८८ से लगातार आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता के सफल आयोजन की सराहना की।

उक्त सम्मान समारोह के तहत डीपीएस बोकारो द्वारा विगत ३७ वर्षों से आयोजित की जा रही आर्यभट्ट गणित प्रतियोगिता (एएमसी) के विद्यालयवार एवं ओवरऑल ४५ विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इनमें झारखंड-बिहार सहित पश्चिम बंगाल और ओडिशा के प्रतिभागी भी शामिल रहे। इन राज्यों के विभिन्न विद्यालयों से लगभग १४०० विद्यार्थियों ने जूनियर, मिडिल और सीनियर कैटेगरी में भाग लिया था।

महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार जागरूकता कार्यक्रम

डुमरी (ससे): भारतीय वाणिज्य मंडल एवं झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार जागरूकता के तहत गुरुवार को बैठक आयोजित की गई।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश संगठन सचिव सह झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो तथा भारतीय वाणिज्य मंडल के प्रदेश महासचिव सह यूनियन के केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। महिलाओं को संबोधित करते हुए गंगाधर महतो ने कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।जरूरत है उन्हें उचित मार्गदर्शन,प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने की है।कहा कि अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति एवं महिला उद्यमियों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

गिरिडीह में भाजपा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा शहर

गिरिडीह (ससे): स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गिरिडीह शहरी क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय तथा वंदे मातरम् के नारों से शहर को देशभक्ति के रंग में रंग दिया तिरंगा यात्रा झंडा मैदान से शुरू होकर टावर चौक कालीबाड़ी मौलाना आजाद चौक और शिव मोहल्ला होते हुए बड़ा चौक पहुंचकर समाप्त हुई पूरे मार्ग में कार्यकर्ताओं और आम लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला इस मौके पर गिरिडीह महानगर भाजपा अध्यक्ष रंजीत राय ने कहा कि तिरंगा महज एक कपड़ा नहीं बल्कि देश की आन बान और शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा वीर जवानों और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है

जिन्होंने देश की रक्षा और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया उन्होंने लोगों से राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया भाजपा नेता एवं पार्षद संजीव कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता को मिली मजबूती का उल्लेख किया उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखता है वहीं भाजपा नेता दिनेश यादव ने कहा कि समाज के हर वर्ग को एकजुट करने के लिए पार्टी प्रतिबद्ध है और तिरंगा यात्रा इसी भावना का प्रदर्शन है आयोजकों ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य युवाओं और आम नागरिकों में देश के प्रति प्रेम सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है यात्रा में भाजपा प्रदेश मंत्री शालिनी बैसखियार दिलीप वर्मा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश साव विनय सिंह महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. विनीता कुमारी गिरिडीह महानगर प्रभारी संजय सिंह नवीन सिन्हा देवराज अमर सिन्हा सुरेश मंडल सुनील पासवान संजीत सिंह पप्पू मनोज संगई सहित बड़ी संख्या में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जल अर्पण कार्यक्रम के तहत निकला प्रभात फेरी

डुमरी (ससे): जामतारा पंचायत भवन में गुरुवार को जल जीवन मिशन के अंतर्गत गुरुवार को जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन कनीय अभियंता जयप्रकाश यादव के अध्यक्षता में किया गया।कार्यक्रम में प्रखंड के सभी जल सहिया में बढ़-चढ़कर भाग लिया।जल जीवन मिशन के जिला समन्वयक ने कहा कि पेयजल व्यवस्था केवल सरकार की नहीं है बल्कि ग्रामीण की संपत्ति है,इसलिए इसका संरक्षण भी हम सभी की जिम्मेवारी है।वहीं जेई ने लोगों से पानी का दुरूपयोग रोकने की अपील की।कार्यक्रम के अंत में जल अर्पण को लेकर प्रभात फेरी निकाली गई जो अनुमंडल कार्यालय सभागार से निकल कर जामतारा रोड के कुछ दूरी तक गया।इस दौरान पीएचईडी के जेई जयप्रकाश यादव,विवेक कुमार शर्मा ट्रेनर अभय कुमार,निर्भय कुमार मोदी,प्रवीण कुमार कंप्यूटर ऑपरेटर प्रभाकर कुमार मास्टर जलसहिया किरण रजक,देवंती देवी,मनोरमा देवी,रूपाली देवी,शाहीन प्रवीण,निशा देवी,माला पाण्डेय जल सहिया चमेली देवी,चांदो देवी,लीलावती देवी,सुनीता देवी,रईसा बानो, ललिता देवी,डेगनी देवी,देवंती देवी,सबीना खातुन, पार्वती देवी,नमिता मुर्मू,खगेश्वरी देवी आदि उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. ✱ पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

डीसी व एसएसपी ने किया फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन एवं वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से मुख्य समारोह स्थल, रणधीर वर्मा स्टेडियम में फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, झारखंड सशस्त्र पुलिस बल - ३, जिला सशस्त्र बल पुरुष, जिला सशस्त्र बल महिला, होमगार्ड, ग्रामीण पुलिस, एनसीसी बॉयज, एनसीसी गर्ल्स, भारतीय स्काउड एवं गाईड के प्लाटून का निरीक्षण किया। इसके बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का गायन हुआ।

तत्पश्चात उपायुक्त ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद स्कूली बच्चों ने राष्ट्रगान गाया। वहीं निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और सटीक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, मंच सज्जा और अतिथियों के स्वागत से संबंधित सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तर की होनी चाहिए। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल एवं यातायात कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि समारोह के दिन किसी भी प्रकार की भीड़भाड़ या अव्यवस्था न हो तथा सभी आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाए। उल्लेखनीय है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में पूर्वाह्न ९ बजे उपायुक्त द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा।

इसके बाद धनबाद समाहरणालय में १० बजे पूर्वाह्न, मिश्रित भवन में १०:२० बजे पूर्वाह्न, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में १०:३० बजे पूर्वाह्न, गांधी सेवा सदन १०:४० बजे पूर्वाह्न, रेड क्रॉस सोसाइटी में १०:५० बजे पूर्वाह्न तथा पुलिस लाइन धनबाद में ११ बजे पूर्वाह्न में झंडोत्तोलन किया जाएगा। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान किड्स गार्डन स्कूल झरिया की छात्राओं ने बैंड, सरस्वती शिशु मंदिर कतरास की छात्राओं ने राष्ट्रगान तथा पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय झरिया की छात्राओं ने बैंड डिस्प्ले किया।

मौके पर अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी पंकज कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, मुख्य परेड कमांडर सार्जेंट मेजर अवधेश कुमार, द्वितीय परेड कमांडर सार्जेंट लक्ष्मण प्रसाद मेहता, बिगुलर विकास कुमार प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

कोयला चोरी व अवैध परिवहन पर बीसीसीएल की सतर्क निगरानी

धनबाद (कासं) : भारत सरकार की प्रभावी क्रियान्वयन एवं राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा के उद्देश्य से भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा सीआईएसएफ एवं स्थानीय प्रशासन के समन्वय से धनबाद कोयलांचल के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध खनन, कोयला चोरी, अवैध भंडारण एवं अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए सघन निगरानी एवं सुरक्षा अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत आसूचनाआधारित छापेमारी, ड्रोन सर्विलांस, एरिया डोमिनेशन एवं एस्केप रूट की निगरानी की गई। विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर १७ स्थानों पर छापेमारी एवं सघन तलाशी की गई, जहां अवैध खनन, कोयला चोरी अथवा अवैध भंडारण की कोई गतिविधि नहीं मिली। सीवी एरिया में चिन्हित अवैध मुहानों एवं रैट होल की भराई के लिए कार्रवाई प्रगति पर है। वहीं, न्यू कुजामा कोल डंप के पीछे स्थित एस्केप रूट को व्ठ डालकर बंद कराया गया तथा ईजे एरिया में सीर एस्केप रूट का औचक निरीक्षण किया गया।

सिजुआ क्षेत्र, १० ए एवं सीवी एरिया सहित विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में ड्रोन सर्विलांस के माध्यम से माइंस, कोल डंप, वर्कशॉप एवं रेलवे साइडिंग की निगरानी की गई। जहां अवैध मुहाने, रैट होल अथवा भूधंसान जैसी स्थितियां पाई गईं, वहां बीसीसीएल प्रबंधन को सूचित कर आवश्यक कार्रवाई के लिए समन्वय किया गया।

कोयला परिवहन की निगरानी के तहत विभिन्न चेक पोस्ट, रेलवे साइडिंग, कोल डंप एवं परिवहन मार्गों पर १०८ वाहनों की जांच की गई, जिनमें से ९० वाहनों का सत्यापन किया गया। जांच में किसी वाहन अथवा दस्तावेज में कोई संदिग्ध गतिविधि या विसंगति नहीं पाई गई। प्रमुख जांच स्थलों में मुराईडीह ट्रांसपोर्टिंग रूट राजापुर, भागा, कुजामा वेटब्रिज, जमुनिया कोल डंप शामिल रहे।

गोविन्दपुर एरिया के सालनपुर माइंस में ३७ बल सदस्यों के साथ मोबिलाइजेशन ड्रिल एवं एरिया डोमिनेशन किया गया। बरोरा एरिया में शताब्दी माइंस का कार्य बाधित होने पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई। सीवी एरिया के जामदेही एवं पलासिया जंगल में भूधंसान की सूचना पर निगरानी जारी है।

बीसीएल द्वारा सीआईएसएफ एवं स्थानीय प्रशासन के समन्वय से ड्रोन सर्विलांस, एरिया डोमिनेशन, विशेष वाहन जांच एवं संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी जारी रखी जा रही है। कंपनी राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा एवं लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

बीसीसीएल ने आम नागरिकों से अपील की है कि कोयला चोरी, अवैध खनन, अवैध परिवहन, अवैध भंडारण अथवा किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना सीआईएसएफ यूनिट, बीसीसीएल, कोयला नगर, धनबाद के व्हाट्सऐप नंबर ९३४१५२८४०६ पर केवल संदेश के माध्यम से दें। प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित एवं गोपनीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सड़क बदहाल, हादसे से पहले जागे पथ निर्माण विभाग

धनबाद (कासं) : शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु

बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर वनबे व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन इन सड़कों की बदहाल स्थिति अब आम लोगों के लिए परेशानी के साथसाथ गंभीर खतरे का कारण बनती जा रही है। जोड़ाफाटक से हावड़ा मोटर होते हुए बैंक मोड़ आने वाले वनबे मार्ग की स्थिति बेहद खराब है।

सड़क पर जगहजगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिसके कारण वाहन चालकों को सड़क पर चलने के बजाय गड्ढों के बीच रास्ता तलाशना पड़ रहा है। विशेषकर टोटो, ऑटो और बाइक चालकों के लिए यह सड़क किसी बड़े खतरे से कम नहीं है। गड्ढों के कारण वाहन कभी भी अनियंत्रित होकर पलट सकते हैं, जिससे गंभीर दुर्घटना में जानमाल के नुकसान की आशंका बनी हुई है। बरसात के दौरान स्थिति और भी विकट हो गई है, क्योंकि पानी जमा होने के कारण कई गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह बैंक मोड़ से पुराना बाजार जाने वाले मार्ग की स्थिति भी बेहद चिंताजनक है। सड़क की जर्जर हालत के कारण प्रतिदिन हजारों लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। व्यापारिक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण इस मार्ग की बदहाली से स्थानीय व्यवसायियों, वाहन चालकों और आम राहगीरों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र अरोड़ा ने उपायुक्त एवं पथ निर्माण विभाग से तत्काल संज्ञान लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को किसी बड़ी घटना या दुर्घटना का इंतजार नहीं करना चाहिए। समय रहते सड़कों की मरम्मत कराकर आम लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई घटनादुर्घटना होने से पहले संबंधित विभाग जागे और इन जर्जर सड़कों की अविलंब मरम्मत कराने का कष्ट करें। श्री अरोड़ा ने यह भी कहा कि आम लोगों की सुरक्षा और शहर की यातायात व्यवस्था को देखते हुए अब जरूरत है कि प्रशासन एवं संबंधित विभाग इन दोनों महत्वपूर्ण मार्गों का स्थल निरीक्षण कर युद्धस्तर पर गड्ढों की मरम्मत और सड़क सुदृढ़ीकरण का कार्य शुरू कराएं।

रंगदारी वसूलने वाले आरोपी को भेजा जेल

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बाजार में दुर्गामंदिर के समीप टेंपो वालों से रंगदारी वसूलने का विरोध करने पर सिटी हॉक्स ३० नंबर के आरक्षी राजेश कुमार महतो पर जानलेवा हमला करने के आरोपी विलेज रोड निवासी सुकुमार बाउरी उर्फ नरेश बाउरी को गोविंदपुर पुलिस ने जेल भेज दिया।

इस संबंध में आरक्षी राजेश कुमार महतो के आवेदन पर गोविंदपुर पुलिस ने बीएनएस की धारा १२६(२), १२७(२), ११५(२), १०९, ३(५) के तहत कांड अंकित किया है। श्री महतो ने प्राथमिकी में लिखा है कि वह गोविंदपुर बाजार में ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान नरेश बाउरी टेंपो वालों से रंगदारी वसूली कर रहा था। जब उन्होंने श्री बाउरी का विरोध किया तो जान मारने की नीयत से उनके माथे पर रड से प्रहार कर दिया व सरकारी काम में बाधा डाला।

इस बीच उन्होंने सिटी एएसआई ठाकुर आजाद सिंह को बुलाया तो बाउरी उनके साथ भी मारपीट करने लगा। इस संबंध में सरकारी काम में बाधा डालने, टेंपो वालों से रंगदारी वसूलने और जानलेवा हमला करने की प्राथमिकी दर्ज की गई है। श्री महतो ने शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में अपना इलाज कराया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बैंक ऑफ इंडिया ने किया ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन

गोविंदपुर (ससे) : बैंक ऑफ इंडिया जोनल ऑफिस के मुख्य प्रबंधक रंजन कुमार रजक ने आमाघाटा शाखा में आयोजित ग्राहक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सभी ग्राहकों से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना का लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक ऑफ इंडिया की विभिन्न लाभकारी योजनाओं का संचालन हो रहा है। शाखा प्रबंधक अंकुर घोष ने सभी का स्वागत किया और कहा कि ग्राहकों को अधिक से अधिक सुविधा और सेवा देना लक्ष्य है। मौके पर प्रबंधक अमित कुमार, मुखिया गयासुद्दीन अंसारी, गौतम गोप, रामप्रसाद कुमार, एलपी वर्मा, कृष्णा प्रसाद गिरि, विक्रांत उपाध्याय, राजेश अग्रवाल, अशोक कुमार, नेहा कुमारी, रविदेव सिंह, संजय कुमार, मनोहर मुदी, राहुल देव, शंभू गुप्ता, मनु तुरी, पवन विश्वकर्मा, मुन्ना श्रीवास्तव, राधिका खत्री, सुशीला देवी आदि शामिल थे।

रिसर्चर्स ने तैयार किया अंडरग्राउंड माइंस के लिए सैंड का इकोफ्रेंडली विकल्प

धनबाद (कासं) : आईआईटी-आईएसएम धनबाद के माइनिंग इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के हेड प्रो. भंवर सिंह चौधरी के नेतृत्व में रिसर्चर्स की टीम ने अंडरग्राउंड माइंस में बैकफिलिंग के लिए नेचुरल सैंड का एक इकोफ्रेंडली विकल्प तैयार किया है। पोलैंड के एक्सपर्ट्स के साथ मिलकर की गई इस रिसर्च में फ्लाई ऐश और प्लास्टिक वेस्ट का इस्तेमाल कर फ्लाई ऐशप्लास्टिक एग्रीगेट्स (एफपीए) तैयार किया गया है।

अंडरग्राउंड माइंस में माइनिंग के बाद खाली जगहों को भरने के लिए बड़ी मात्रा में नेचुरल सैंड का इस्तेमाल होता है। माइनिंग और कंस्ट्रक्शन एक्टिविटीज बढ़ने के साथ नेचुरल सैंड की डिमांड भी लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर, कोल बेस्ड पावर प्लांट्स से निकलने वाली फ्लाई ऐश और प्लास्टिक वेस्ट पर्यावरण के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। रिसर्च टीम ने इन दोनों समस्याओं का एक साथ सॉल्यूशन निकालने की कोशिश की है। यह रिसर्च मिनिस्ट्री ऑफ कोल से फंडेड प्रोजेक्ट के तहत प्रो. चौधरी और उनके रिसर्च स्कॉलर डॉ. मुनिपाला मनोहर ने की है। टीम ने ८० प्रतिशत फ्लाई ऐश और २० प्रतिशत हाईडेंसिटी पॉलीएथिलीन (एचडीपीई) प्लास्टिक वेस्ट को थर्मल प्रोसेस के जरिए मिलाकर एफपीए तैयार किया। प्रो. चौधरी ने कहा, हमारा उद्देश्य वेस्ट को बोझ मानने के बजाय उसे सस्टेनेबल माइनिंग के लिए एक उपयोगी रिसोर्स में बदलना था। लैब टेस्ट में एफपीए में कई ऐसे गुण पाए गए जो इसे माइंस में बैकफिलिंग के लिए उपयोगी बनाते हैं। यह मटेरियल ड्यूरेबल और मजबूत होने के साथ पानी की बेहतर ड्रेनेज में मदद करता है। इसका वजन नेचुरल सैंड की तुलना में कम होने के कारण इसे स्लरी पाइपलाइन के जरिए माइंस के अंदर पहुंचाना भी आसान हो सकता है। रिसर्च में यह भी सामने आया कि एफपीए के पार्टिकल्स की सतह रफ और एंगुलर होती है, जिससे वे आपस में बेहतर तरीके से लॉक हो जाते हैं। इससे अंडरग्राउंड माइन में बैकफिलिंग के बाद स्टेबिलिटी बढ़ाने में मदद मिल सकती है। टेस्ट में मटेरियल ने दबाव के दौरान बेहतर रेजिस्टेंस भी दिखाया। यह एफपीए भविष्य में हाइड्रोलिक स्टोइंग में नेचुरल सैंड और अनमॉडिफाइड फ्लाई ऐश के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। हाइड्रोलिक स्टोइंग में माइनिंग के बाद खाली हुए अंडरग्राउंड एरिया में मटेरियल को पंप कर भर दिया जाता है, जिससे जमीन के नीचे की स्टेबिलिटी और माइन सेफ्टी बेहतर करने में मदद मिलती है। इस रिसर्च में पोलैंड के डॉ. क्रिजिस्तोफ स्क्रिप्कोव्स्की, फैकल्टी ऑफ सिविल इंजीनियरिंग एंड रिसोर्स मैनेजमेंट, मिकिविचा; डॉ. क्रिजिस्तोफ ज़ागोर्स्की, फैकल्टी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग एंड रोबोटिक्स, एजीएच यूनिवर्सिटी ऑफ क्राकोव; और डॉ. अन्ना ज़ागोर्स्का, इंस्टीट्यूट ऑफ जियोलॉजिकल साइंसेज, पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज, क्राकोव ने सहयोग किया।

मध्य विद्यालय मुनीडीह प्रोजेक्ट का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

पुटकी (ससे) : धनबाद विद्यालय शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के अवर सचिव सुरेश रजक एवं एडीपीओ आशीष कुमार ने पीएम श्री राजकीयकृत मध्य विद्यालय, मुनीडीह प्रोजेक्ट, धनबाद१ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय में संचालित इको क्लब, विज्ञान प्रयोगशाला, गणित प्रयोगशाला, टीएलएम के उपयोग, विद्यालय स्वच्छता, कक्षा मॉनिटरिंग, हर्बल गार्डन एवं किचन गार्डन सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ ही विद्यार्थियों के सीखनेसिखाने की प्रक्रिया तथा विद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के प्रभावी उपयोग का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने विद्यालय की गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए शैक्षणिक और सहशैक्षणिक गतिविधियों को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक चंद्रदेव प्रसाद, शिक्षक देवानंद सिंह, उमेश प्रसाद शर्मा, पिंकी कुमारी, सलोमी चैंपी, वीरेंद्र कुमार, सीआरपी गणेश महतो तथा बाल संसद के सदस्य उपस्थित थे।

राजद ने लिया भू धंसान सड़क का जायजा

केंदुआ (ससे) : धनबाद जिला राष्ट्रीय जनता दल की एक बैठक श्री लेखा सिनेमा हॉल परिसर केन्दुआ में मो० अनीस की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। संचालन युवा राजद के जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने किया। राजद जिलाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप ने कहा कि केन्दुआडीह में भू-धंसान और गैस रिसाव से क्षतिग्रस्त हुई धनबादबोकारो सड़क को जनहित मे पुनः शुरू करने की प्रक्रिया को गति देने में राष्ट्रीय जनता दल केन्दुआा वासियो के साथ मजबूती से खड़ी है। उदय शर्मा ने पिछले कई दिनों से केन्दुआ क्षेत्र में गहराता पेयजल संकट पर उन्होंने उपायुक्त से नियमित जलापूर्ति करने की मांग की। वहीं राजद अध्यक्ष ने संगठन सशक्तिकरण एवं विस्तार करते हुए केन्दुआ निवासी मो० अनीस को धनबाद जिला राष्ट्रीय जनता दल का सचिव मनोनीत किया। बैठक के बाद राजद नेताओ ने भूधंसान क्षेत्र का दौरा कर खुदाई कार्य का जायजा लिया। बैठक में मुख्य रूप से राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव उदय शर्मा, सुखदेव विद्रोही, वरिष्ठ नेता गोपाल यादव, युवा राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष अधिवक्ता गुलशन खातून, अधिवक्ता रामबाबू यादव, वरीय उपाध्यक्ष विशाल यादव, युवा राजद के महानगर अध्यक्ष रंगसाज, अवधेश यादव, मुमताज अंसारी के अलावे दर्जनों लोग उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों ने बाबा साहेब की प्रतिमा को किया क्षतिग्रस्त

धनबाद (कासं) : धनबाद के भूली नगर स्थित बीब्लॉक अम्बेडकर चौक पर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला

सामने आया है। प्रतिमा की उंगली तोड़े जाने से स्थानीय लोगों और अम्बेडकर विचार मंच के सदस्यों में आक्रोश है। अम्बेडकर विचार मंच, भूली ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह महज प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने की घटना नहीं, बल्कि संविधान निर्माता बाबा साहेब और उनके विचारों में आस्था रखने वाले करोड़ों लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य है। मंच ने प्रशासन एवं झारखंड सरकार से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कर दोषियों की पहचान की जाए और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त प्रतिमा की सम्मानपूर्वक मरम्मत कराकर उसे पूर्व स्वरूप में स्थापित करने की मांग की गई है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

बीसीसीएल ने पुनर्वासित परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड मुख्यालय, कोयला भवन के लेवल३ कॉन्फ्रेंस हॉल में हायर किए गए, परिवहन एवं ऑपरेटरों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीसीसीएल के अध्यक्ष-सहप्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल ने की।

बैठक में झरिया कोलफील्ड्स से पुनर्वासित गैर परियोजना प्रभावित परिवारों को बीसीसीएल के चल रहे कॉन्ट्रैक्ट एवं आउटसोर्सिंग कार्यों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने के विषय पर विशेष रूप से चर्चा की गई। इस दौरान संबंधित आउटसोर्सिंग कंपनियों एवं ऑपरेटरों से बेलगड़िया में पुनर्वासित पात्र गैर परिवारों के लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को कहा

गया।

समीक्षा के दौरान सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने विभिन्न क्षेत्रों के महाप्रबंधकों से क्षेत्रवार जानकारी ली। उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में चल रहे परिवहन एवं कार्यों की स्थिति, ऑपरेटरों के प्रदर्शन तथा चालू वित्तीय वर्ष में अपेक्षित कोयला उत्पादन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, निर्धारित उत्पादन लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में की जा रही तैयारियों की भी जानकारी ली। बैठक में मानसून को लेकर तैयारियों की भी जानकारी ली गई तथा बारिश के दौरान खनन एवं परिवहन गतिविधियों को सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा, हायर किए गए, परिवहन एवं ऑपरेटरों के कार्य निष्पादन, कार्यों की प्रगति तथा निर्धारित दायित्वों के अनुरूप प्रदर्शन की समीक्षा की गई। संबंधित क्षेत्रों को ऑपरेटरों के कार्यों की नियमित निगरानी एवं आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

गैर को रोजगार उपलब्ध कराने के संबंध में क्षेत्रवार स्थिति की भी जानकारी ली गई। संबंधित अधिकारियों एवं आउटसोर्सिंग एजेंसियों के समन्वय से पात्र पुनर्वासित परिवारों को उपलब्ध रोजगार अवसरों से जोड़ने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई आगे बढ़ाने पर बल दिया गया। बैठक में क्षेत्रवार जानकारी के आधार पर उत्पादन, परिचालन एवं परिवहन कार्यों तथा गैर के रोजगार से जुड़े विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) राजीव कुमार सिन्हा सहित सभी क्षेत्रों के महाप्रबंधक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, हायर किए गए एवं परिवहन ऑपरेटरों से जुड़े प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

गोविंदपुर (ससे) : तैयब मेमोरियल संध्याकालीन डिग्री कॉलेज सरकारडीह गोविंदपुर में स्वच्छता पखवाड़ा २०२६ का आयोजन किया गया। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में संगोष्ठी हुई एवं पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नसीम अहमद ने की। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्र में सफाई के लिए जागरूकता अभियान की शुरुआत भी की गई। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरे अगस्त तक जारी रहेगा। महाविद्यालय परिवार तथा ग्रामीणों के सहयोग से पूरे क्षेत्र में सफाई अभियान चलाते हुए स्वच्छता का संदेश फैलाया जाएगा। इस अभियान में निदेशक डॉ अब्दुस समद, डॉ जुईन बनर्जी, डॉ रीना भारती, मनोज कुमार महतो आदि शामिल थे।

दंतेवाड़ा में एक अनोखा स्कूल सक्षम, जो दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बना रहा है

दंतेवाड़ा (छत्तीसगढ़): छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा मान्यता प्राप्त यह आवासीय स्कूल अपनी तरह का पहला मॉडल है, जो दिव्यांगता की सभी २१ श्रेणियों के बच्चों को एक ही छत तले शिक्षा के साथ-साथ विशेष थेरेपी, पुनर्वास, खेल और व्यावसायिक प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान कर रहा है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी एजुकेशन सिटी, जावंगा में स्थित यह 'सक्षम' स्कूल न केवल जन्मजात दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की बाधाओं को दूर करने में मदद कर रहा है, बल्कि माओवादी हिंसा के शिकार लोगों सहित उन बच्चों का भी पुनर्वास कर रहा है, जो बाद में दिव्यांगता का शिकार हुए हैं।

वर्ष २०१४ में स्थापित इस संस्थान का संचालन दंतेवाड़ा जिला प्रशासन द्वारा एनएमडीसी के नैगम सामाजिक दायित्व (उडठ) कार्यक्रम के तहत वित्तीय सहायता से किया जाता है। वर्तमान में सक्षम के दोनों स्कूलों - लड़कों के लिए सक्षम और लड़कियों के लिए सक्षम - में कुल २०० छात्र हैं, जिनमें १०० लड़के और १०० लड़कियां शामिल हैं। यह संस्थान पहली कक्षा से लेकर बारहवीं कक्षा तक दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, भोजन, आवास, थेरेपी और पुनर्वास की सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क प्रदान करता है।

संस्थान के अधीक्षक प्रमोद कर्मा के अनुसार, सक्षम भारतीय पुनर्वास परिषद के दिशानिर्देशों के तहत दिव्यांगता की सभी २१ श्रेणियों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है। यही विशेषता इसे एक अनूठा संस्थान बनाती है, जहां विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं वाले बच्चों को एक ही परिसर में शिक्षित और प्रशिक्षित किया जाता है।

कर्मा ने कहा, मेरा मानना है कि यह न केवल छत्तीसगढ़ में, बल्कि पूरे देश में पहला ऐसा संस्थान है, जहां सभी २१ प्रकार की दिव्यांगताओं वाले बच्चों को एक ही परिसर और एक ही स्कूल के भीतर शिक्षा की विभिन्न विधाओं से जोड़ा जाता है। स्कूल का दृष्टिकोण इसे पारंपरिक शिक्षा से कहीं आगे ले जाता है। इसके सहायता तंत्र में फिजियोथेरेपिस्ट, ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, ऑडियोलॉजिस्ट, विशेष शिक्षक और शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रशिक्षक शामिल हैं, जिससे छात्रों को उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार सहायता मिलती है।

इस संस्थान में हाथ की कमजोर पकड़, न्यूरोलॉजिकल समस्याओं और टांगों की लंबाई में अंतर जैसी स्थितियों से जूझ रहे बच्चों को फिजियोथेरेपी दी जाती है। रोजमर्रा के कौशल विकसित करने और आत्मनिर्भरता पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए ऑक्यूपेशनल थेरेपी प्रदान की जाती है। ऐसे छात्रों, जिन्हें सुनने और बोलने में समस्या आती है, उन्हें उनकी जरूरत के अनुरूप विशेष उपकरणों का उपयोग करके स्पीच थेरेपी दी जाती है। इसके अलावा, सक्षम उन बच्चों को भी सहायता प्रदान करता है जिनकी दिव्यांगता उस हिंसा का परिणाम है, जिसने दशकों से बस्तर को प्रभावित किया है।

बीजापुर जिले के कमलेश ने एक आईईडी विस्फोट में अपना दाहिना पैर खो दिया था। सक्षम में उन्हें एक कृत्रिम अंग (प्रोस्थेटिक लिम्ब) के साथ-साथ पुनर्वास सहायता भी प्रदान की गई, जिससे उन्हें अपनी दिव्यांगता के साथ तालमेल बिठाने और अपनी शिक्षा जारी रखने में मदद मिली।

संस्थान का पुनर्वास पर जितना जोर है, उतना ही ध्यान वह उन छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने पर भी देता है, जो अन्यथा सामने नहीं आ पातीं।

ग्रोथ हार्मोन की कमी से जूझ रहे छात्र प्रिंस यहां घुड़सवारी के शौकीन बनकर उभरे हैं और अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। उन्होंने पिछले दो वर्षों से सक्षम में घुड़सवारी का प्रशिक्षण लिया है और राज्य तथा राष्ट्रीय दोनों स्तर की प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। सक्षम की खेल गतिविधियों में घुड़सवारी भी शामिल है। यहां के छात्र टेबल टेनिस, वॉलीबॉल और कई तरह के इनडोर तथा आउटडोर खेलों में भी भाग लेते हैं। स्कूल बच्चों की रुचि और उनकी क्षमताओं के आधार पर उन्हें अलग-अलग खेलों से जोड़ता है। कई छात्र राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

कर्मा के अनुसार, स्कूल की सफलता की असली कसौटी यह है कि यहां से पढ़ाई पूरी कर निकलने के बाद छात्र अपने जीवन में किस प्रकार सफलता हासिल करते हैं और अपने लिए एक स्वतंत्र भविष्य बनाते हैं।

सक्षम के पूर्व छात्रों में किशन मंडावी भी शामिल हैं, जो सिविल इंजीनियर बने हैं। रोहित पेंगर ने मेडिकल की पढ़ाई के लिए क्वालीफाई किया, जबकि रूपेश मरकाम ने हाल ही में नीट परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया। सक्षम से कक्षा १२ पूरी करने वाले एक दिव्यांग छात्र आकाश सुकमा में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। कर्मा के अनुसार, अब तक कुल ३७ पूर्व छात्र सरकारी नौकरियों सहित विभिन्न व्यवसायों और पेशों में प्रवेश कर चुके हैं।

राहुल गांधी की उद्दंडता से ये देश नहीं चलेगा : बीजेपी

नई दिल्ली (ईएमएस) : संसद के मानसून सत्र का समापन हंगामेदार रहा, इस कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने सत्र बाधित होने का पूरा दोष विपक्षी दलों, विशेषकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर मढ़ा है। बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर जोरदार वार कर कहा कि उनकी उद्दंडता से देश नहीं चलेगा और वह लगातार अपनी गोल पोस्ट बदलते रहे हैं।

बीजेपी सांसद प्रसाद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक ओर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब की मांग की, लेकिन जब गृह मंत्री ने सदन में अपनी बात रखने की इच्छा जाहिर की, तब कांग्रेस ने सदन को चलने ही नहीं दिया।

प्रशांत किशोर सरकारी बंगले में नहीं रहेंगे

पटना (एजेंसी): बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव जीतने के बाद जन सुराज के संस्थापक और नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर (झीरीहरपीं घळीहीं) ने जनता के हित में एक और बड़ा ऐलान कर दिया है. वे अपने आवंटित सरकारी आवास का इस्तेमाल निजी घर के तौर पर नहीं करेंगे. प्रशांत किशोर का कहना है कि वे पटना के वीआईपी एमएलए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूद दो मंजिला डुप्लेक्स, यानी विधानसभा आवास नंबर १८२ को बांकीपुर के लोगों के लिए एक पब्लिक ऑफिस में बदलना चाहते हैं.

प्रशांत किशोर ने कहा, यह आवास एक ऐसी जगह होनी चाहिए जहां लोग अपनी समस्याओं, शिकायतों और सुझावों के साथ सीधे अपने चुने हुए प्रतिनिधि से मिल सकें. उन्होंने कहा कि यह ऑफिस आम जनता के लिए खुला रहेगा ताकि उन्हें अपनी समस्याओं के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े.

लोगों से होगा सीधा संवाद

उनके मुताबिक, इस पहल का मकसद विधायक और उनके क्षेत्र के लोगों के बीच सीधा संवाद कायम करना है. बांकीपुर के लोग स्थानीय विकास, सरकारी सेवाओं और जनता से जुड़े अन्य मुद्दों को उठाने के लिए इस आवास पर आ सकेंगे.बांकीपुर के लिए प्रशांत किशोर की योजनाओं में रोजगार एक और अहम हिस्सा है. उन्होंने क्षेत्र के १०,००० युवाओं को प्राइवेट सेक्टर में नौकरी दिलाने में मदद करने का लक्ष्य रखा है. आवास नंबर १८२ पर एक ऐसा सिस्टम बनाया जा रहा है जहां पढ़े-लिखे बेरोजगार युवा अपना बायोडाटा जमा कर सकें. इसके बाद एक खास टीम उम्मीदवारों की योग्यता और प्रोफाइल के आधार पर उन्हें सही मौकों से जोड़ने का काम करेगी. यह सरकारी आवास पटना के वीआईपी एमएलए हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में स्थित है. कैबिनेट मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राम कृपाल यादव का आवास भी बगल में ही है. सरकारी आवास को निजी घर के बजाय जनता के लिए खुले ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल करने के फैसले ने काफी ध्यान खींचा है.

इस कदम को प्रशांत किशोर की राजनीतिक सोच को असलियत में बदलने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है. सरकार से मिले आवास को मुख्य रूप से निजी सुविधा के तौर पर इस्तेमाल करने के बजाय, वे चाहते हैं कि यह विधायक और जनता के बीच संपर्क का एक सुलभ जरिया बने.

संसद में शाह की गैरमौजूदगी पर गोगोई का तीखा हमलाः कुंभकर्ण जैसी नींद में थे गृह मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस): कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने १३ अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मॉनसून सत्र के दौरान संसद से उनकी अनुपस्थिति और बहसों से टालमटोल को लेकर कड़ी आलोचना की। कांग्रेस नेता गोगोई ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री शाह सत्र समाप्त होने से ठीक दो दिन पहले अपनी कुंभकर्ण जैसी नींद से जागे। उन्होंने सवाल किया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने पुलिस कार्रवाई जैसे गंभीर मुद्दों पर बहस में हिस्सा क्यों नहीं लिया, जबकि विपक्ष उनके बयान की मांग कर रहा था।

कांग्रेस सांसद गोगोई ने कहा कि गृह मंत्री १५ दिनों तक सदन से गायब रहे और सत्र समाप्ति से ठीक दो दिन पहले अपनी कुंभकर्ण जैसी नींद से जागे, तब चर्चा की बात की। उन्होंने पूछा, जब असली चर्चा हो रही थी, तब आप कहाँ थे? उन्होंने सरकार पर गृह मंत्री को विपक्ष की मांगों का जवाब देने से रोकने के लिए और बातचीत का बहाना बनाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता गोगोई ने दावा किया कि शाह ने बयान देने से टाल-मटोल की और

बार-बार बातचीत की मांग की, जो उनकी जिम्मेदारियों से बचने का बहाना था। उन्होंने बताया कि लोकसभा की कार्यवाही स्थगित होने पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह सदन में पहुँचे और स्पीकर का संबोधन तक नहीं सुना।

कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि मॉनसून सत्र के दौरान केंद्र डरी और सहमी हुई थी, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री शाह संसदीय कार्यवाही से पूरी तरह नदारद रहे। उन्होंने कहा, हमने कई सत्र दिखाई दिए हैं, लेकिन सत्ताधारी सरकार को इतना डरा और सहमा हुआ कभी नहीं देखा। उनके अनुसार, सरकार पूरे सत्र में बैकफुट पर रही और मुद्दों से बचने की कोशिश करती रही, ऐसा लगा जैसे वह सदन से भाग रही थी। गोगोई की ये टिप्पणियाँ १२ अगस्त को शाह के उस बयान के बाद आई हैं, जिसमें उन्होंने नीट पेपर लीक से जुड़े छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर संसद में सभी सवालों के जवाब देने की इच्छा जाहिर की थी।

कांग्रेस, टीएमसी-सपा ने स्पीकर की चाय पार्टी छोड़ी

नई दिल्ली(ईएमएस) : नई दिल्ली में गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद चाय पार्टी हुई। लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला की ओर से आयोजित पार्टी में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सांसद शामिल नहीं हुए। कांग्रेस नेता ने बताया कि कांग्रेस, सपा, टीएमसी और इंडिया ब्लॉक के कई अन्य दलों के नेता कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। हालांकि, डीएमके नेता कनिमोझी लोकसभा स्पीकर की पारंपरिक चाय पार्टी में शामिल हुईं। वहीं, राज्यसभा में विपक्षी नेताओं ने सभापति सीपी राधाकृष्णन की ओर से आयोजित चाय पार्टी में हिस्सा लिया। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी भी शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य वरिष्ठ नेता और मंत्री लोकसभा स्पीकर के कक्ष में हुई चाय पार्टी में मौजूद थे।

सीएम मान ने हवारा की पैरोल पर राज्यपाल से की गुहार

चंडीगढ़,(ईएमएस): पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर १९९५ के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी जगतार सिंह हवारा को पैरोल देने के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध किया। आजीवन कारावास की सजा काट रहे हवारा ने अपनी बीमार मां से मिलने का हवाला देकर पैरोल की गुहार लगाई है।

मुख्यमंत्री मान ने मानवीय आधार पर हवारा की पैरोल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ३१ साल बाद उनकी बीमार मां को अपने बेटे से मिलने की नई उम्मीद जगी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बेअंत सिंह के पोते, भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने भी मानवीय आधार पर याचिका का समर्थन किया, यह कहते हुए कि हवारा की बुजुर्ग और बीमार मां को उनके बेटे के कृत्यों की सजा नहीं मिलनी चाहिए। राज्यपाल कटारिया ने मान को आश्वासन दिया कि वे इस मामले को केंद्रीय गृह सचिव के समक्ष उठाएंगे। सीएम मान ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल केवल सिफारिश कर सकते है। जबकि अंतिम निर्णय केंद्रीय गृह मंत्रालय लेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने १० दिन की पैरोल का अनुरोध किया है, हालांकि इसकी अवधि केंद्र सरकार तय करेगी।

कंगना रनौत का नसीरुद्दीन शाह पर निशाना पीएम को धमकी और पाकिस्तान प्रेम

मुंबई,(ईएमएस): अभिनेता नसीरुद्दीन शाह द्वारा शिक्षा सुधारों को लेकर हो रहे छात्र विरोध प्रदर्शनों पर बॉलीवुड की चुप्पी पर सवाल उठाने के बाद, बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने उन पर पलटवार किया है। बीजेपी सांसद कंगना ने पहले शाह को सोशल मीडिया पर लोमड़ी कहा था, अब उन्होंने अपनी तीखी टिप्पणी का कारण स्पष्ट किया है। उन्होंने इस दौरान झारखंड में हुए विरोध प्रदर्शनों, संसद की सुरक्षा में सेंध और फिल्म इंडस्ट्री के पाखंड का जिक्र किया। सांसद और अभिनेत्री कंगना ने बताया कि उन्होंने दिग्गज अभिनेता की आलोचना इसलिए की क्योंकि उन्होंने अत्यंत आपत्तिजनक वीडियो बनाया था, जिसमें वे सर्वोच्च प्रतिनिधि और पूरी दुनिया में कई पुरस्कारों से सम्मानित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकियां दे रहे थे। कंगना ने आरोप लगाया कि शाह ने ऐसी बातें कही थीं जो देश के शीर्ष नेता के प्रति अपमानजनक थीं और लोकतांत्रिक मर्यादा के खिलाफ थीं।

अपनी कई राजनीतिक और फिल्म इंडस्ट्री-संबंधी टिप्पणियों की तर्ज पर, कंगना ने बॉलीवुड के एक वर्ग पर पाकिस्तान के प्रति अत्यधिक सहानुभूति रखने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया, फिल्म इंडस्ट्री की पाकिस्तान के लिए यह प्रेम कथा कब खत्म होगी? चाहे उनकी फिल्में हों, बयान हों या इंटरव्यू, वे हमेशा पाकिस्तान के प्रेम में डूबे दिखाई देते हैं। उन्होंने विभाजन के इतने साल बाद भी प्रेम कहानी के खत्म न होने पर हैरानी जताकर अस्वीकार्य बताया। कंगना ने फिल्म इंडस्ट्री के पाखंड पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब दिल्ली में कुछ घटनाएं होती हैं, तब ये सेलेब्रिटीज घड़ियाली आंसू बहाने जंतर-मंतर पर आते हैं, लेकिन झारखंड में बच्चों पर हो रहे जुल्म या हाल ही में संसद की सुरक्षा में सेंध जैसे गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर चुप रहते हैं।

महिला का बिगड़ा संतुलन, कार तालाब में गिरने से मौत

कोलकाता,(ईएमएस) : कोलकाता में कार चलाना सीख रही एक महिला की कार अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक बेहेपुर की रहने वाली सुमित्रा दास कार चलाते समय तालाब में गिर गई। तालाब की गहराई १० से १२ फिट थी, इसलिए पूरी कार पानी में डूब गई। लोग तुरंत तालाब में कूदे और महिला को कार से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन उनकी सारी कोशिशें नाकाम रहीं।

कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, धनबाद

कृषक बन्धुओं के लिए अति आवश्यक सूचना

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2026

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग(सहकारिता प्रभाग) झारखण्ड राँची का अधिसूचना सं0 977 दिनांक 20.07.2026 के द्वारा बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2026 योजना अन्तर्गत धनबाद जिले में एस0बी0आई0 जेनेरल इंश्युरेंस का चयन किया गया है। गैर ऋणी किसान अपने नजदीक के प्रज्ञा केन्द्र अथवा https://pmfby.gov.in पर स्वहपद पर स्वय व्दसपदम आवेदन कर सकते है।

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2026 का मुख्य बिन्दु

1. अधिसूचित फसल– अगहनी धान एवं भदई मकई अगहनी धान बीमित राशि प्रतिहेक्टेयर 76228.00 रूपये भदई मकई बीमित राशि प्रतिहेक्टेयर 53467.00 रूपये
2. प्रीमियम राशि– किसानों का प्रीमियम का हिस्सा राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। किसान मात्र 1.00(एक) रूपये टोकन मनी के रूप में ऑनलाईन भुगतान किया जाना है।
3. गौर ऋणी किसानों का फसल बीमा कराने हेतु आवश्यक दस्तावेज
   (क) किसान का आधार कार्ड ।
   (ख) किसान का बैंक पास बुक की छाया प्रति ।
   (ग) भुमि स्वामित्व संबंधित प्रपत्र अथवा वंशावली प्रमाण पत्र।
   (घ) फसल बुआई का स्वसत्यापित प्रमाण पत्र।
   (ङ) बटाई प्रमाण पत्र (बटाईदार कृशक होने के लिए)।
   (च) मोबाईल नं0।
4. कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाईन नं0 14447।
5. किसान सुविधा– SBI General Insurance के व्हाट्सएप नं0 7065514447 पर योजना संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है।
6. बीमा कराने की अंतिम तिथि–31.08.2026।
7. अधिक जानकारी के लिए सभी प्रखण्ड के सहकारिता प्रसार पदाधिकारी/प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी/BTM/ATM/कृषक मित्र से जानकारी प्राप्त कर सकतें है।

निवेदक
जिला सहकारिता पदाधिकारी,
धनबाद

PR 387462 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(26-27)#D

जिला परिषद कार्यालय, जामताड़ा

वाहन नीलामी की सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला परिषद जामताड़ा के रद्दीकृत वाहन की नीलामी दिनांक **25.08.2026** को पूर्वाह्न/**अपराह्न 12:30** बजे अधोहस्ताक्षरी के द्वारा जिला परिषद कार्यालय, जामताडा में की जायेगी। वाहनों की विवरणी निम्न प्रकार है:–

क्र0 सं0	पंजीयन सं0	प्रकार	मेक	मॉडल	क्रय वर्ष	न्यूनतम डाक राशि
1	2	3	4	5	6	7
1	JH21E-0109	NT TAVERA	GENERAL MOTERS INDIA PVT LTD.	CHEVROLET TAVERA NEO - 3 LS(PTA-BS III)	2015	95380.00

नीलामी की आवश्यक शर्तें :–

1. नीलामी के पूर्व 10,000.00 (दस हजार रूपये) प्रतिभूति राशि (अर्नेस्ट मनी) के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा। अन्यथा नीलामी में भाग लेना संभव नहीं होगा।
2. डाक में सफल होने पर यह राशि वाहन के मूल्य में समायोजित कर ली जाएगी।
3. असफल डाक वक्ता का प्रतिभूति राशि उसी दिन नीलामी के पश्चात् वापस कर दी जाएगी।
4. अर्नेस्ट मनी नगद या बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से जमा कर सकते हैं।
5. बैंक ड्राफ्ट DDC cum C.E.O ZILA PARISHAD, JAMTARA के नाम से देय होगा।
6. उच्चतम डाकवक्ता द्वारा एक सप्ताह के अन्दर नीलामी राशि पूर्ण रूप से नगद या बैंक ड्राफ्ट द्वारा जमा करनी होगी।
7. यदि निर्धारित समय सीमा में नीलामी राशि जमा नहीं की जाती है, तो प्रतिभूति राशि के रूप में जमा की गई राशि जप्त कर ली जाएगी।
8. नीलामी का आधार **"वाहन, जो जहाँ है जैसे है"** होगा।
9. भौतिक रूप से वाहन की स्थिति या वाहन का कागजात जिस स्थिति में होगा उसी स्थिति में डाक वक्ता को लेना होगा, इसके विरूद्ध किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
10. वाहन जिला परिषद कार्यालय परिसर जामताड़ा में भौतिक रूप से उपलब्ध है, जिसका अवलोकन अनुमति प्राप्त कर किसी भी कार्य दिवस में किया जा सकता है।
11. नीलामी की तिथि अद्योहस्ताक्षरी के द्वारा रद्द/स्थगित या फेरबदल की जा सकती है।

ह/0 उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद, जामताड़ा

PR 387406 (District)26-27*D

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
CIN: U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY AREA: DHANBAD
Combined Building, Dhanbad-Email gm_dhnjseb@yahoo.co.in

NOTIC INVITING TENDER

Complete electrical works of establishment of 2X10MVA33/11kV PSS in coordination with separately awarded civil contract, including procurement, assembly commissioning, testing, complete electrical equipment (PTr, Stn Structure, Bus, VCB, StnDTr, AC & DC Panels, Capacitor Bank etc.) providing proper foundation, proper earthing for the system, proper and coordinated protection system for lines and all electrical equipments of PSS and all allied electrical items and works (Excluding civil works awarded separately for boundary wall, control room construction, outer cable trench, approach road and fencing etc. works)and connecting33kV lines on single source responsibility basis for Development of Distribution Infrastructure atBelgaria under Electric Supply Area, Dhanbad.

Sl. No.	NIT No.	Nature of Work	Bid processing fees	Last Date of Bid Submission
1.	213/PR/JBVNL/ 2026-27	Construction 2x10 MVA capacity PSS and erection of new 33kV connecting lines.	11,800.00 (Including GST)	01.09.2026 17.00 Hrs.
1	Availability of tender document on website		From 14.08.2026 www.jharkhandtenders.gov.in	

Note- For complete e-procurement NIT including all other details in respect of above, please visit our official website jbvnl.co.in or www.jharkhandtenders.gov.in
All tender fees towards cost of BOQ and EMD and offers should be submitted online only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager -Cum-Chief Engineer
JBVNL

PR 387449 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(26-27)#D

ई० प्रोक्यूरमेंट सेल
कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल धनबाद

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0 07/2026–27/EE/BCD/DHANBAD

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation and Construction of Primary School Kumharpatti, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	51,71,500.00	1,03,500.00	10,000.00	04 माह।
2	Renovation and Construction of Urdu UPG MS Wasepur, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	63,61,600.00	1,27,300.00	10,000.00	05 माह।
3	Renovation and Construction of UMS Adiwashi Matkuria, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	93,03,100.00	1,86,100.00	10,000.00	08 माह।
4	Renovation and Construction of Middle School Putki No. 10, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	99,71,900.00	1,99,500.00	10,000.00	08 माह।
5	Renovation and Construction of Middle School Saraidhela Coal Washery CCWO, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	73,57,600.00	1,47,200.00	10,000.00	07 माह।
6	Renovation and Construction of UMS Laxmipur, Block Topchanchi, Dist. Dhanbad.	99,99,700.00	2,00,000.00	10,000.00	08 माह।
7	Construction and Renovation of MS Yadavpur, Block Govindpur, Dist. Dhanbad.	97,28,500.00	1,94,600.00	10,000.00	08 माह।
8	Renovation and Construction of Middle School Kachhibalihari, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	98,54,300.00	1,97,100.00	10,000.00	08 माह।
9	Renovation and Construction of Middle School Chirudih, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	65,85,800.00	1,31,800.00	10,000.00	05 माह।
10	Renovation and Construction of Primary School Mathatand, Block Topchanchi, Dist. Dhanbad.	70,70,000.00	1,41,400.00	10,000.00	06 माह।
11	Renovation and Construction of Urdu UMS Mayuranchan, Block Govindpur, Dist. Dhanbad.	89,10,200.00	1,78,300.00	10,000.00	07 माह।
12	Construction and Renovation of MS Panduki, Block Govindpur, Dist. Dhanbad.	99,94,500.00	1,99,9000.00	10,000.00	08 माह।
13	Construction and Renovation of Primary School Kashitand, Block Govindpur, Dist. Dhanbad.	91,31,700.00	1,82,700.00	10,000.00	08 माह।
14	Construction and Renovation of PS Jiyalgarha, Block Govindpur, Dist. Dhanbad.	68,99,000.00	1,38,000.00	10,000.00	05 माह।
15	Renovation and Construction of Middle School Sendra bansjora, Block Dhanbad, Dist. Dhanbad.	93,03,700.00	1,86,100.00	10,000.00	08 माह।

1.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	:–	21.08.2026 03:00 बजे
2.	वेबसाईट में निविदा डालने की अन्तिम तिथि/समय	:–	08.09.2026 03:00 बजे
3.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	:–	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
4.	निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	:–	09.09.2026 03:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल, हजारीबाग।
5.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	:–	9973309316
6.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	:–	7488650243
7.	परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।		
8.	सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत **SOP** (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।		
9.	निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, **SOP** के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापसी होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।		

अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना **http://jharkhandterders.gov.in** पर देखा जा सकता है।
Note :- UCAN Registration is mandatory for the Bidders

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद

PR 387491 Building(26-27).D

महिलाओं को 50 हजार देगी योगी सरकार

लखनऊ(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश में २०२७ के विधानसभा चुनाव से पहले महिला वोटरों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। सरकार महिलाओं के लिए एक ऐसी योजना पर मंथन कर रही है, जो अगर लागू होती है तो इसका सीधा असर प्रदेश की करोड़ों महिला वोटरों पर पड़ सकता है। चर्चा है कि बिहार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक मदद दी जा सकती है। प्रस्तावित मॉडल में एक महिला को ५० हजार रुपये तक की सहायता देने पर विचार हो रहा है।

यह रकम एकमुश्त देने के बजाय तीन से चार किश्तों में दिए जाने की संभावना बताई जा रही है। सबसे अहम बात यह है कि योजना को लेकर अभी योगी सरकार के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) भी अपने स्तर पर सर्वे करा रही है। बताया जा रहा है कि इसकी जिम्मेदारी योगी सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री को दी गई है, जो बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। सरकार और संगठन का फोकस एक वर्ग की महिलाओं पर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर क्या है सरकार का प्लान? कितनी महिलाओं को इसका फायदा मिल सकता है? क्या चुनाव से पहले पहली किश्त के तौर पर २० हजार रुपये दिए जा सकते हैं? क्या बिहार में महिला वोटरों के बीच सफल रहे जीविका दीदी मॉडल को अब उत्तर प्रदेश में लागू करने की तैयारी है?

दरअसल, उत्तर प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और चुनावी तैयारियां अब धीरे-धीरे तेज होती जा रही हैं। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि बड़ी जीत हासिल करने की है। ऐसे में अलग-अलग सामाजिक वर्गों और वोट बैंक को साधने की रणनीति पर काम शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में महिला वोटरों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। यूपी में ५ करोड़ ६७ लाख महिला मतदाता हैं। यानी कुल वोटर का करीब ५० फीसदी। अगर किसी ऐसी योजना के जरिए बड़ी संख्या में महिलाओं को सीधे आर्थिक मदद पहुंचाई जाती है, तो उसका असर सिर्फ एक महिला तक सीमित नहीं रहता। परिवार के दूसरे सदस्यों के फैसले पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। यही वजह है कि महिला कल्याण, स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन को जोडक़र एक बड़ी योजना पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने या उसे आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

आर्थिक सहायता की यह रकम कुल मिलाकर ५० हजार रुपये तक हो सकती है। संभावित मॉडल के मुताबिक, चुनाव से पहले पहली किश्त के रूप में करीब २० हजार रुपये दिए जा सकते हैं। इसके बाद अगर भाजपा की सरकार दोबारा बनती है तो बाकी रकम तीन किश्तों में दी जा सकती है। यानी १०-१० हजार रुपये की तीन अतिरिक्त किश्तें। यानी सरकार की कोशिश होगी कि महिलाओं के मन में यह रहे कि बीजेपी सत्ता में वापस आएगी, तभी बचे ३० हजार मिलेंगे। चर्चा है कि ५० लाख से ज्यादा महिलाओं को योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा जा सकता है। सरकार जिस तरह की योजना पर विचार कर रही है, उसमें प्राथमिकता आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को देने की संभावना है। इसके तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति परिवारों की महिलाओं के साथ-साथ बीपीएल परिवारों की महिलाओं, निराश्रित और विधवा महिलाओं को प्राथमिकता दी जा सकती है। सूत्र बताते हैं कि इस योजना का लाभ सिर्फ उस वर्ग की महिलाओं को मिलेगा, जो खास समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। हालांकि, सरकार और संगठन के स्तर पर मंथन जारी है।

कर्नाटक विधानसभा परिसर में चल रही कैंटीन की थाली में मिले कॉकरोच

बेंगलुरु,(ईएमएस): कर्नाटक विधानसभा के अंदर चल रही कैंटीन, जहां मंत्रियों और अधिकारियों के दफ्तर हैं, स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी में साफ-सफाई से जुड़ी कमियां पाए जाने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। विभाग ने विधान सभा परिसर में मौजूद विकास सौधा की कैंटीनों में भी छापेमारी की। जांच में खाने की प्लेटों पर कॉकरोच नजर आए, जिससे कैंटीन में साफ-सफाई के मानकों को लेकर चिंता पैदा हो गई है। इस परिसर में कई होटल हैं जहां विधायक ठहरते हैं, जो बेंगलुरु के बाहर से आते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को लेजिस्लेटर्स हाउस में जांचे गए एक प्रतिष्ठान में घटिया गुणवत्ता वाला खाना और गंदगी मिली थी। जांच से पता चला है कि विभाग ने सरकारी इमारतों में चल रहे खाने-पीने के ठिकानों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया है। इनमें मंत्रियों, अधिकारियों और विधायकों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली जगहें भी शामिल हैं। यह कदम स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपने ही मुख्यालय आरोग्य सौधा में चल रही कैंटीन में नियमों के उल्लंघन का पता चलने के बाद उठाया गया।

भरत तिवारी के परिवार को मिलेगी सरकारी नौकरी : सम्राट

भरत तिवारी के परिवार के एक सदस्य को सम्राट सरकार ने नौकरी देने का ऐलान किया है. आर्थिक मदद भी सरकार करेगी. गुरुवार (१३ अगस्त, २०२६) को की गई इस घोषणा के बाद अब आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं ने सम्राट सरकार से कई सवाल पूछे हैं.

कांग्रेस के प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने कहा कि भरत तिवारी के परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए, सरकारी नौकरी मिलनी चाहिए और साथ ही न्याय भी मिलना चाहिए. सरकार न्याय देने के पक्ष में नहीं है.

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, इतनी लंबी जांच के बाद सरकार ये नहीं बता पाई कि किसके आदेश पर भरत तिवारी को गोली मारी गई? भरत तिवारी की हत्या किस अधिकारी ने करवाई? अभी तक सरकार ये नहीं बता पाई कि किसके आदेश पर एसटीएफ पहुंची. सरकार लीपापोती में है. हम लोग लीपापोती नहीं होने देंगे.

'इस मामले में आरजेडी के प्रवक्ता शक्ति यादव ने कहा कि अंतिरम रिपोर्ट के आधार पर भरत तिवारी के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया गया है. इसे दबाव कहते हैं. बिहार में तो और भी फेक एनकाउंटर हुआ था. शक्ति यादव ने पूछा कि क्या अधिकारियों तक जांच की आंच पहुंचेगी?

शक्ति यादव ने कहा कि आखिर सम्राट चौधरी को झुकना पड़ा. सरकार को झुकना पड़ा. सरकार ने मान लिया कि ये फेक एनकाउंटर है तो बिहार की जनता से और देश की जनता से सम्राट चौधरी माफी मांगेंगे? कार्रवाई करेंगे उन पर जिनके आदेश पर गोली चली? जब सरकारी नौकरी का ऐलान किया तो मान लिया न कि फेक एनकाउंटर है. आखिरकार सच साबित हुआ. सरकार को झुकना पड़ा.

बिहार बीजेपी के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कानून के राज की बात कही है. उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी का ये निर्णय स्वागत योग्य है. सम्राट सरकार ने घटना के तुरंत बाद न्यायिक जांच का आदेश दिया था. जांच अभी जारी है. जो भी दोषी पाए जा रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई भी जारी है. सरकार की स्पष्ट नीति है हम किसी को न फंसाते हैं न बचाते हैं. हमारा उद्देश्य सच का पता लगाना है. यह फैसला साबित करता है कि बिहार में कानून का राज है.

तरुण तेजपाल मामले की पीड़िता ने तोड़ी चुप्पी, खौफनाक सच्चाई की बयां

नई दिल्ली,(ईएमएस): कोई लड़की जब अपने साथ हुए उत्पीडन की शिकायत करती है और कटघरे में कैसे-कैसे सवालों का सामना करना पड़ता है? इन सवालों को तहलका के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल यौन उत्पीडन मामले की पीड़िता ने कोर्ट से सोसायटी तक की खौफनाक सच्चाई बयां की। उसने पहली बार चुप्पी तोड़ते हुए बताया कि असल में कोर्ट के अंदर किसकी गरिमा, निजता और मानवता की रक्षा होती है और कौन सवालों के कटघरे में खड़ा रहता है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तरुण तेजपाल यौन उत्पीड़न मामले की पीड़िता ने बताया कि इस लंबी कानूनी लड़ाई में हुई गहन जांच और अपमान को याद करते हुए बताया कि कैसे कोर्ट में होने वाली सुनवाइयों में उनके फोटो, मैसेज, कपड़ों, व्यवहार और राजनीतिक विचारों पर सवाल उठाए गए।

पीड़िता ने बताया कि उनसे पूछा गया कि हमले के दौरान वे रोईं क्यों नहीं, क्यों अकड़ गईं और उसके बाद भी तहलका में काम करना क्यों जारी रखा। उन्होंने लिखा कि कोर्ट के ट्रायल ने उन्हें एहसास दिलाया कि सत्ता शरीर के जरिए से कैसे काम करती है। किसकी गरिमा, निजता और मानवता की रक्षा होती है, और किनके शरीरों को जांच और फैसले का विषय बनाया जाता है।

उन्होंने याद किया कि '१३ साल तक उन्हें 'पीड़िता', 'झूठी', 'सरवाइवर' और 'पॉलिटिकल प्लांट' जैसे तमाम लेबल दिए जाते रहे। उनसे कोर्ट में किए गए क्रॉस-एग्जामिनेशन में हजारों पन्नों की पूछताछ हुई, जिसमें उनके चरित्र और अतीत को घेरने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रक्रिया ने उनके व्यवहार और विश्वसनीयता को स्टीरियोटाइप के चश्मे से देखा। दो फैसलों निचली अदालत का और हाईकोर्ट का बाद भी यादें ताजा रहती हैं। पीड़िता ने जोर दिया कि उन्होंने बहुत कुछ खोया, लेकिन जीवन भी बहुत कुछ बनाया।

बता दें पीड़िता ने पहली बार इस मामले पर तब चुप्पी तोड़ी है जब हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने तरुण तेजपाल को दोषी ठहराया और उसे १० साल की सजा सुनाई। इससे पहले २०२१ में गोवा सेशन कोर्ट ने तेजपाल को बरी कर दिया था। हालांकि सरकार के हाईकोर्ट में अपील करने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट की पीठ ने तेजपाल को यौन उत्पीडन का दोषी माना। बता दें यह मामला २०१३ में गोवा के थिंकफेस्ट कार्यक्रम में होटल की लिफ्ट में दो घटनाओं से जुड़ा है। पीड़िता उस समय तहलका में जूनियर सहयोगी थीं। फिलहाल तेजपाल ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने की बात कही है।

आजम खान को गृहमंत्री बनाने का वादा : शिवपाल यादव

लखनऊ (ईएमएस) : समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने रामपुर ज़िला जेल में बंद सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अगर २०२७ में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है, तब जेल में बंद आजम को राज्य का गृह मंत्री बनाया जाएगा। मुलाकात के बाद यादव ने योगी सरकार पर आज़म खान के साथ अन्याय करने का आरोप लगाकर वादा किया कि सपा के सत्ता में आने पर अन्याय के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि आज़म खान ने जेल से सपा नेताओं को पूरे प्रदेश का दौरा करने और २०२७ में सरकार बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का संदेश भेजा है। यादव ने दावा किया कि खान जेल में बहुत मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, जहाँ उन्हें ज़मीन पर सोने के लिए मजबूर किया जा रहा है और दवाइयाँ व कपड़े भी नहीं दिए जा रहे। शिवपाल की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देकर बीजेपी नेता दिनेश प्रताप सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और शिवपाल यादव का दिन में सपने देखना करार दिया। सिंह ने कहा कि आज़म को पहले अपने खिलाफ दर्ज बड़ी संख्या में मामलों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना होगा। खान वर्तमान में कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद जेल में हैं।

एफआईआर दर्ज न करने पर गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर सहित अफसरों पर जांच के आदेश

इलाहाबाद,(ईएमएस): इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद पुलिस आयुक्त सहित कई पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। इन अधिकारियों पर डिजिटल दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज न करने का आरोप है। इलाहाबाद हाईकोर्ट पीठ ने पुलिस के रवैये पर कड़ी नाराजगी जाहिर की हैं, जहाँ पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने से इंकार किया। जिससे महिला को मजिस्ट्रेट से संपर्क करने पर विवश होना पड़ा। डिजिटल दुष्कर्म को उस यौन अपराध के रूप में परिभाषित किया गया है जहाँ पीड़िता की सहमति के बिना उंगली या किसी वस्तु को उसकी योनि में डाला जाता है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई महिला किसी संज्ञेय अपराध की शिकायत लेकर पुलिस के पास आती है, तब एफआईआर दर्ज करना उनका दायित्व है। पुलिस उसी चरण में आरोपों की सत्यता तय नहीं कर सकती और न ही साक्ष्य न होने का हवाला देकर एफआईआर से मना कर सकती है।

बांकीपुर में भाजपा की हारः प्रशांत किशोर ने बताया असली कारण

पटना(ईएमएस): जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में अपनी जीत को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की हार की मुख्य वजह युवाओं की नाराजगी या पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शन नहीं थे, बल्कि स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियां जिम्मेदार रहीं। उनके मुताबिक, बांकीपुर में मतदाताओं को इस बार जन सुराज पार्टी के रूप में एक भरोसेमंद विकल्प मिला, जिसने बीजेपी के लंबे समय से चले आ रहे प्रभाव को चुनौती दी।

प्रशांत किशोर ने कहा कि एनडीए की ओर से सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने का भी स्थानीय समीकरणों पर असर पड़ा। उन्होंने दावा किया कि चौधरी की राजनीतिक पृष्ठभूमि, शिक्षा और आरजेडी से जुड़े पुराने संबंधों के कारण समाज के एक बड़े हिस्से में उनकी स्वीकार्यता सीमित रही। उनके मुताबिक, अगर बीजेपी की हार की एक प्रमुख वजह बतानी हो तो इसमें सम्राट चौधरी की भूमिका अहम है।

युवाओं के प्रदर्शनों और पेपर लीक के मुद्दे पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह केवल किसी एक परीक्षा या सरकार के खिलाफ गुस्सा नहीं, बल्कि बड़े ढांचागत संकट का संकेत है। उन्होंने कोचिंग संस्थानों के बढ़ते प्रभाव, लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, बेरोजगारी और शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार को युवाओं के असंतोष की प्रमुख वजह बताया। उनका कहना है कि अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र में ठहराव के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक 'व्हाइट कॉलर' नौकरियों पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में युवाओं का असंतोष आने वाले समय में और उभर सकता है।

विधायक बनने के बाद प्रशांत किशोर ने क्षेत्र के लिए तीन प्रमुख वादे किए हैं। पहला, राशन कार्डधारकों को पांच किलो मुफ्त राशन दिलाने और राशन कार्ड बनवाने में रिश्वतखोरी रोकने की बात कही है। दूसरा, एक साल में सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर बच्चों की निजी स्कूलों की पढ़ाई का खर्च उठाने का दावा किया है। तीसरी गारंटी के तहत करीब १० हजार परिवारों के कम से कम एक सदस्य को रोजगार दिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकारी नौकरी का वादा नहीं, बल्कि योग्यता के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने की पहल होगी। प्रशांत किशोर ने भविष्य में बीजेपी या आरजेडी के साथ किसी रणनीतिक गठबंधन की संभावना भी खारिज की। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य बिहार में ऐसा सिस्टम तैयार करना है, जिससे राज्य दोबारा ज्ञान और रोजगार का केंद्र बने।

विदेश नीति का मतलब सिर्फ नेताओं को गले लगाना है : राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में रचनात्मक कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार पर लोगों को अपनी बात रखने से रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों और अपनी बेटी के लिए न्याय की मांग कर रही उत्तराखंड की एक महिला का जिक्र किया। राहुल ने कहा कि सरकार व्यवस्था लागू करना चाहती है, जबकि कांग्रेस का काम भारत को अपनी बात कहने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सिर्फ व्यक्तिगत मित्रता या गर्मजोशी दिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी देश के हितों की रक्षा करना है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह विचार कहां से आया कि विदेश नीति का मतलब दूसरे देशों के नेताओं को गले लगाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री की भूमिका दोस्ती निभाने की नहीं, बल्कि देश के हितों की सुरक्षा करने की है।

अपनी बात समझाने के लिए राहुल गांधी ने बचपन की अमेरिका यात्रा का एक किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनकी उम्र करीब १२ साल थी और वह अपनी मां सोनिया गांधी, बहन प्रियंका और दादी इंदिरा गांधी के साथ अमेरिका गए थे। इंदिरा गांधी उस समय प्रधानमंत्री थीं। राहुल गांधी के मुताबिक, एक आधिकारिक रात्रिभोज में इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी गई थीं, जबकि बच्चे घर पर ही रुके थे। कुछ घंटे बाद इंदिरा गांधी वापस लौटीं और उन्होंने सोनिया गांधी से कहा कि अमेरिकी उन्हें मूर्ख समझते हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्र अपनी बात रखना चाहते थे। उनके मुताबिक, छात्र परेशान थे और अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से यह कहा जाता है कि जंतर-मंतर पर व्यवस्था बनाई जाएगी और लोगों को अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री आवास के सामने धरना देने के दौरान एक पुलिसकर्मी ने उनसे सरकार के लोगों को हटाने की बात कही थी।

राहुल ने यह भी कहा कि कुछ मीडिया कर्मी निजी तौर पर मानते हैं कि जो हो रहा है, वह सही नहीं है, लेकिन नौकरी और परिवार की जिम्मेदारियों के कारण खुलकर बोल नहीं पाते। राहुल गांधी ने कहा कि देश में एक राष्ट्रीय भावना भी होती है। उनके मुताबिक, इसका मतलब यह है कि लोग कुछ लोगों को अपनी बनाई हुई व्यवस्था देश पर थोपने की अनुमति नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और पूरा विपक्ष अब अपनी बात खुलकर रख रहा है और यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है।

मायावती का कड़ा संदेशः अंटू मिश्रा बसपा से निष्कासित

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मी के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बड़ा कदम उठाकर पूर्व मंत्री अनंत कुमार मिश्रा उर्फ अंटू मिश्रा को पार्टी से निष्कासित किया है। सतीश चंद्र मिश्रा के बेहद करीबी माने जाने वाले अंटू पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप है, जिसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से बाहर किया गया है।

बसपा सुप्रीमो ने निष्कासन की जानकारी पोस्ट के माध्यम से दी, और इसके साथ ही पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को चुनावी माहौल में सख्त संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में चुनावी माहौल गरमाया हुआ है, इसके बाद पार्टी के सभी स्तर के लोगों को विरोधियों के साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडों से सावधान रहकर अपनी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ बसपा के अंबेडकरवादी मिशन को आगामी विधानसभा चुनाव में सफल बनाने में जी-जान से लगे रहना होगा।

बसपा के केंद्रीय कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अंटू मिश्रा लंबे समय से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त थे, जिसे पार्टी नेतृत्व ने अनुशासनहीनता मानकर कार्रवाई की है। अंटू मिश्रा बसपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं और २००७ में फर्रुखाबाद की सदर विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर कैबिनेट मंत्री बने थे। वह कानपुर के महाराजपुर विधानसभा सीट से २०२७ का चुनाव लड़ने की तैयारी भी कर रहे थे।

यह कार्रवाई तब हुई है जब अगले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हैं। मायावती ने इस कदम के जरिए पार्टी के भीतर अनुशासन बनाए रखने और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आंबेडकरवादी मिशन के प्रति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम करने का स्पष्ट संदेश दिया है।

अंटू मिश्रा को बसपा में सतीश मिश्रा ही लाए थे, और यह मामला नकुल दुबे के निष्कासन की याद दिलाता है, जो सतीश चंद्र मिश्रा के करीबी होकर पार्टी से निकाले जाने के बाद अब कांग्रेस में हैं।

महापंचायत की नायाब सरकार को चेतावनी

हिसार,(ईएमएस): हरियाणा के हिसार में डेयरी संचालक जीवन की हत्या के मामले में महापंचायत ने हरियाणा सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। महापंचायत ने धमकी दी कि यदि हत्या के बाकी आरोपियों को अगले २४ घंटे में गिरफ्तार नहीं किया गया, तब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में प्रदर्शन होगा। इसके अतिरिक्त, शुक्रवार को राज्य भर के सभी टोल प्लाजा पर तीन घंटे की नाकेबंदी होगी। पुलिस के अनुसार, चार अगस्त को हिसार के सूर्य नगर में १०-१२ लोगों के समूह ने जीवन पर लाठी-डंडों से हमला किया था, जिससे अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

पूर्व मध्य रेल

खुली-निविदा

बैच संख्या – 02/2026 दिनांक: 12/08/2026

आईआरईपीएस-www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल "पार्टिसिपेशन इन थ्रू" सामग्री की आपूर्ति के लिए ई-निविदा सूचना। निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा बंद करने का समय 14.00 बजे है। क्रम.सं. 01, निविदा सं० 30265017, सामग्री का संक्षिप्त विवरण : 3डी अजस्टेबल 360 डिग्री रोटैशनल ड्राइवर सीट सिमिलर टू वंदे भारत एज पर स्पेक नंबर सील्डब्ल्यू/एमएस/3/021 ऐल्ट 9 एण्ड सील्डब्ल्यू ड्रॉइंग नंबर 1211-01. 131-001 फोर 3 फेज लोकोमोटिव। मात्रा: 253 नम्बर, निविदा जारी करने की तिथि एवं समय: 11 अगस्त 2026, 10:49 बजे, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: 10 सितम्बर 2026, 14:00 बजे, प्रतिभागियों को अपना प्रस्ताव समापन तिथि और समय से पहले आईआरईपीएस-www.ireps.gov.in के वेबपोर्टल के माध्यम से केवल ऑन-लाइन जमा करना होगा। उपरोक्त पोर्टल पर निविदा सूचना में प्रेषिती के संबंध में अन्य विवरण और भंडार का विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।

सहायक सामग्री प्रबंधक, पूमरे, गोमो

पीआर/0725/जीएमओ सीएसडी/स्टोर/टी/26-27/32

उत्तराखंड में बारिश का नया दौर, सात जिलों में येलो अलर्ट जारी, भूस्खलन से सड़कें बंद

देहरादून,(ईएमएस): उत्तराखंड में लगातार हो रही मानसूनी बारिश ने जहां मौसम को सुहावना बना दिया है, वहीं कई पर्वतीय क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारी बारिश और भूस्खलन के कारण अनेक सड़क अवरुद्ध हो गई हैं और संवेदनशील इलाकों में प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने देहरादून, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने इन क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने और कुछ स्थानों पर तेज बारिश होने की संभावना जताई है जबकि पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम अधिक सक्रिय बना रहेगा।

विभाग ने चेतावनी दी है कि १४ अगस्त से मानसून फिर जोर पकड़ सकता है। देहरादून, नैनीताल, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में भारी से अत्यंत भारी बारिश हो सकती है, जिससे भूस्खलन और स्थानीय स्तर पर आपदा जैसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं। विकासनगर और चकराता क्षेत्र में चार दिनों की लगातार बारिश के बाद बुधवार सुबह धूप निकलने से लोगों को कुछ राहत मिली। हालांकि, चकराता-त्यूणी-मसूरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई स्थानों पर मलबा, चट्टानें और पेड़ गिरने से यातायात बाधित रहा। सड़क बंद होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रुद्रप्रयाग में भी मौसम साफ होने के बाद जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होने लगा है, लेकिन मंदाकिनी और अलकनंदा नदियों का जलस्तर अब भी चेतावनी स्तर के आसपास बना हुआ है।

खनिज सेस पर केंद्र के प्रस्ताव का हर स्तर पर विरोध करेंगे : दीपिका पांडेय सिंह

रांची (एजेंसी): झारखंड की ग्रामीण विकास, ग्रामीण कार्य एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने खनिज वहन भूमि उपकर (जेएमबीएल उपकर) एवं प्रस्तावित एमएमडीआर संशोधन विधेयक २०२६ को राज्यों के अधिकार को खत्म करने की साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा है कि इस संशोधन से झारखंड जैसे राज्य खनिज युक्त भूमि पर किसी प्रकार का कर, उपकर या अन्य लेवी केंद्र सरकार के निर्धारित शर्तों के बिना नहीं लगा सकेंगी। ये राज्यों के वित्तीय क्षमता को कम करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य, जिसके गर्भ में प्रचुर खनिज संपदा मौजूद है, ऐसे प्रदेश के राजस्व पर केंद्र सरकार की लगाम लगाना कहीं से भी जायज नहीं है।

खनिज वहन भूमि उपकर कोई नई रॉयल्टी नहीं है और ना ही यह खनिज उत्पादन पर लगाया गया अतिरिक्त रॉयल्टी शुल्क है। यह उस भूमि पर लगाया गया उपकर है जिसके भीतर खनिज मौजूद है और जिनका खनन किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने इन हालात में लिया था फैसला

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि जुलाई २०२४ में सर्वोच्च न्यायालय की ९ न्यायाधीशों की संविधान पीठ मिनरल एरिया डेवलपमेंट ऑथोरिटी बनाम स्टील ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड मामले में निर्णय दे चुकी है। इस निर्णय के बाद झारखंड विधानसभा ने झारखंड मिनरल बेयरिंग के लैंड सेस अधिनियम २०२४ पारित किया था।

खनिज के मामले में राज्य की समृद्धि ही राज्यवासियों के लिए कई तरह की परेशानियों से भी जुड़ी है। विस्थापन, भूमि से बेदखल, पर्यावरण क्षति, जल एवं वायु प्रदूषण, वन क्षेत्र पर दवाब के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन का दंश भी झेल रहा है।

राज्य सरकार ने इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ही खनिज संपदाओं से प्राप्त आर्थिक लाभ का एक हिस्सा खनन प्रभावित क्षेत्रों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में लगाने का निर्णय लिया।

सेस बहुत कम समय में प्रमुख राजस्व स्रोतों में शामिल है

वर्ष २०२४-२५ में १,३७९ करोड़, २०२५-२६ में ७,४८८ करोड़ एवं २०२६-२७ में अनुमानित १३,२१५ करोड़ की राशि इस बात का प्रमाण है कि जेएमबीएल सेस बहुत कम समय में प्रमुख राजस्व स्रोतों में शामिल है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि खनिज संपदाओं पर सेस से प्राप्त राशि स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास, पेयजल एवं स्वच्छता, कृषि एवं आजीविका, आधारभूत संरचना के साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं पर खर्च की जा रही है। जेएमबीएल सेस झारखंड के लिए केवल एक राजस्व का श्रोत नहीं है बल्कि ये खनिज क्षेत्र के विकास का महत्वपूर्ण वित्तीय आधार भी है।

रांची में आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई 600 प्रदर्शनकारियों पर प्राथमिकी दर्ज, 100 नामजद

रांची (एजेंसी): जेपीएससी एवं जेएसएससी की परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ रांची में विधानसभा घेराव के मामले में पुलिस ने कानूनी शिकंजा कस दिया है। उग्र प्रदर्शन और पुलिस के साथ झड़प के आरोप में जगन्नाथपुर थाने में ६०० प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इनमें १०० लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है, जबकि ५०० अज्ञात लोगों पर भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज हुआ है।

सीसीटीवी और वीडियो से की जा रही पहचान

पुलिस अब फुटेज के आधार पर उन अज्ञात लोगों की शिनाख्त करने में जुटी है, जिन्होंने प्रदर्शन के दौरान माहौल बिगाड़ने की कोशिश की थी। बता दें कि १० अगस्त को अपनी मांगों को लेकर छात्रों ने विधानसभा का रुख किया था। इस दौरान जगन्नाथपुर मंदिर के पास पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए पानी की बौछारें छोड़ीं और आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद हुई झड़प और लाठीचार्ज में कई छात्र और करीब १४ पुलिसकर्मी जख्मी हो गए थे।

छात्रों का गुस्सा और बीजेपी का झारखंड बंद

छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सरकार के इस कदम की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि यह युवाओं की आवाज दबाने की कायरतापूर्ण कोशिश है, लेकिन यह जन-आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है। वहीं, छात्रों पर हुए बल प्रयोग के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने भी मोर्चा खोल दिया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने सरकार पर दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए राज्यव्यापी बंद का आह्वान किया था।

25 जुलाई से जारी है छात्रों की जंग

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र २५ जुलाई से लगातार आंदोलनरत हैं। उनकी प्रमुख मांगों में जेपीएससी और जेएसएससी की कार्यप्रणाली में सुधार और भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पूर्ण पारदर्शिता,संदिग्ध एवं विवादित परीक्षाओं को तुरंत रद्द करने, धांधली की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च या राज्य से बाहर के सेवानिवृत्त जज की समिति का गठन आदि शामिल हैं। फिलहाल रांची पुलिस नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है, वहीं छात्र संगठन अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं।

जांच पूरी होने तक जेएसएससी-सीजीएल के चयनित कर्मियों के वेतन पर रोक लगे:बंधु तिर्की

रांची (एजेंसी): जेएसएससी-सीजीएल में धांधली के खिलाफ छात्रों के जारी आंदोलन के बीच प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने बड़ा बयान दिया है। बंधु तिर्की ने कहा है कि गडडउ-उत्रड्ड के तहत चयनित कर्मियों की जांच होने तक वेतन को रोका जाए साथ ही उनसे काम नहीं लिया जाए। उन्होंने मांग की है कि जांच के बाद गलत तरीके से चयनित कर्मियों को बर्खास्त की जाए और मेरिट से नियुक्त हुए कर्मियों को ही नौकरी पर रखा जाए। बंधु तिर्की ने कहा है कि छात्र जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे है। पूरे मामले को लेकर सरकार गंभीर है, अभी तक सरकार ने १४वीं गझडउ परीक्षा के साथ-साथ, २०२३ और २०२५ बैकलॉग परीक्षा को रद्द करने की घोषणा किया है।कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने आगे कहा कि छात्रों के साथ सरकार लगातार बातचीत कर रही है।

सरकार ने गडडउ-उत्रड्ड परीक्षा को तीन महीने में न्यायिक जांच पूरी करने की बात कही है, छात्र-छात्राओं को यह सोचना चाहिए कि सरकार इसको लेकर कितना गंभीर है। राज्य सरकार छात्रों के लिए उत्रड्ड से चयनित कर्मियों का तीन महीने तक वेतन को रोक के रखे। वहीं बंधु तिर्की ने छात्रों के द्वारा किए गये विधानसभा घेराव के दौरान हुए लाठीचार्ज पर कहा कि उस दौरान लॉ एंड ऑर्डर को ध्यान में रखते हुए हल्का बल का प्रयोग किया गया।

दरअसल इन दिनों बंधु तिर्की पलामू प्रमंडल के इलाके में परिसीमन को लेकर दौरा कर रहे है। इसी क्रम उन्होंने पलामू सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार परिसीमन करें।

वह इसका विरोध ही नहीं है, लेकिन आदिवासियों के सीट को नहीं घटाया जाए। जो जानकारी मिल रही है कि परिसीमन के अनुसार छह से सात सीटों को घटाया जा रहा है। यह सही नहीं है, आदिवासी चुप नहीं बैठेंगे ३० अगस्त को रांची में आदिवासियों का महाजुटान होगा।

रांची में स्कूल से बच्चे को लेने पहुंचे अभिभावक पर डंडे से हमला

रांची (एजेंसी): रांची के सिमलिया स्थित लीवेंस स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से बच्चे को लेने पहुंचे अभिभावक डॉ. दीपक कुमार पर एक व्यक्ति द्वारा डंडे से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के संबंध में डॉ. दीपक कुमार ने रातू थाना में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, स्कूल परिसर में एक अभिभावक ने उनकी पत्नी के साथ कथित तौर पर अपशब्दों का प्रयोग किया था। इसका विरोध करने के बाद उक्त व्यक्ति स्कूल से बाहर निकल गया और आरोप है कि डंडा लेकर डॉ. दीपक कुमार का इंतजार करने लगा। जैसे ही वह बाहर पहुंचे, आरोपी ने उनके सिर पर डंडे से वार कर दिया, जिससे उनके सिर में गहरा कट लग गया और खून बहने लगा।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष खियांग्ते ने लगाई जमानत की गुहार धांधली मामले में झारखंड हाईकोर्ट में पीआईएल दायर

रांची (एजेंसी): जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते ने जमानत के लिए गुहार लगाई है। उनके वकील ने सीआईडी की विशेष अदालत में गुरुवार को जमानत याचिका दाखिल की है।

सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या १६/२०२६ दर्ज किया है। इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल खियांग्ते को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। इस केस में अब तक २० से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में एल खियांग्ते पर परीक्षा से जुड़ी एजेंसियों से कथित तौर पर कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है।

हाईकोर्ट पहुंची सीबीआई जांच की मांग

१४वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा सहित टीडीपीएल द्वारा आयोजित जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा की सीबीआई जांच को लेकर झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को जनहित याचिका दाखिल की गई है। मामले में प्रार्थी बसंत प्रसाद ने कहा है कि १४वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है, पैसा लेकर पद बेचने का आरोप आया है। इसकी सीआईडी जांच चल रही है। लेकिन मामले में सीआईडी जांच काफी नहीं है क्योंकि इसमें बड़े चेहरे शामिल हैं। इसलिए इसकी सीबीआई जांच कराई जाए।

प्रार्थी की ओर से कहा गया है कि झारखंड में टीडीपीएल द्वारा जो भी परीक्षा आयोजित हुई है, उसमें गलत तरीके से अभ्यर्थियों को पास कराया गया है। प्रार्थी ने यह भी आग्रह किया है कि टीडीपीएल द्वारा जेपीएससी और जेएसएससी की जितनी भी परीक्षा ली गई है। सबकी सीबीआई जांच कराई जाए।

झारखंड के 3 कलाकार को मिला संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी): नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार समारोह में झारखंड के तीन कलाकारों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने हाथों कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए। सरायकेला के छऊ मुखौटा शिल्पकार गुरु सुशांत कुमार महापात्र को छऊ और पारंपरिक मुखौटा शिल्प के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं रांची के बुंडू की सगी बहनों बुटन देवी और सोमवारी देवी को पारंपरिक नचनी नृत्य परंपरा को जीवित रखने के लिए पुरस्कार मिला।

११५ कलाकारों को मिला पुरस्कार

वर्ष २०२४ और २०२५ के लिए आयोजित विशेष अलंकरण समारोह में देशभर के कुल ११५ कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस समारोह में विभिन्न कला विधाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कलाकारों को सम्मानित किया गया। झारखंड के तीन कलाकारों को मिला यह सम्मान राज्य की समृद्ध लोक एवं पारंपरिक कला-संस्कृति के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

गुरु सुशांत महापात्र ने सम्मान गुरुओं को किया समर्पित

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद गुरु सुशांत कुमार महापात्र ने सम्मान अपने गुरुओं को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि सरायकेला की छऊ मुखौटा कला को आगे बढ़ाना उनके जीवन का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वह आगे भी छऊ मुखौटा शिल्प और छऊ नृत्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए लगातार काम करते रहेंगे। उनके सम्मान से सरायकेला की पारंपरिक छऊ कला को राष्ट्रीय स्तर पर एक और पहचान मिली है।

पृष्ठ एक का शेषांश

सुखबीर बादल पर---

जांच के आदेश दिए। इस हमले के दौरान बादल के सुरक्षाकर्मी संतोष हेगड़े ने भी हमलावर को रोकने का प्रयास किया, जिसमें वह भी घायल हुआ। हमलावर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज तथा प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी जुटाई जा रही है। घटना के बाद एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक निहंग को दूसरे निहंग दस्तार बांधते दिख रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इसमें जिस निहंग को दस्तार बांधी जा रही है, इसी ने सुखबीर बादल पर हमला किया था। मौके पर एक पुलिसवाला भी मौजूद है, जो बाद में इसे पकडक़र ले जाता है। घटना के बाद एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक निहंग को दूसरे निहंग दस्तार बांधते दिख रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इसमें जिस निहंग को दस्तार बांधी जा रही है, इसी ने सुखबीर बादल पर हमला किया था। मौके पर एक पुलिसवाला भी मौजूद है, जो बाद में इसे पकडक़र ले जाता है।

अकाली दल के प्रवक्ता बोले- सिख धर्म विरोधी ताकतों की साजिश

इस मामले में अकाली दल के प्रवक्ता एडवोकेट अर्शदीप सिंह कलेर ने कहा कि सुखबीर बादल पूरी तरह स्वस्थ हैं। मामला महाराष्ट्र का है, इसलिए वहां की पुलिस जांच करेगी कि हमलावर कौन है?। उसने किसके कहने पर हमला किया? उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे कुछ सिख धर्म विरोधी ताकतों की साजिश हो सकती है।

अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा- हमलावर सच्चा सिख नहीं

इस बारे में सिखों की सर्वोच्च संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गडग़ज ने कहा कि गुरुद्वारा साहिब ऐसी जगह है, जहां श्रद्धालु सभी की भलाई के लिए अरदास करने आते हैं। सच्चा सिख किसी ऐसे व्यक्ति पर हमला नहीं कर सकता, जो गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने आया हो। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं से गुरुद्वारों की मर्यादा को ठेस और पूरे सिख समुदाय की छवि को नुकसान पहुंची है।

कैंसर को 'नोटिफिएबल बीमारी'---

इनके हर मामले की सूचना स्वास्थ्य विभाग को देना अनिवार्य है ताकि संक्रमण की रोकथाम और उपचार प्रभावी ढंग से हो सके।

कैंसर को नोटिफिएबल बीमारी घोषित करने का मामला एक डॉक्टर द्वारा दायर जनहित याचिका के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। याचिका में कैंसर के मामलों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार करने, समय पर पहचान सुनिश्चित करने और मरीजों तक बेहतर उपचार सुविधाएं पहुंचाने के लिए नोटिफिएबल बीमारी घोषित करने की मांग हुई थी। संसदीय स्थायी समिति की सिफारिशों के आधार पर, देश के ३६ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से १७ पहले ही कैंसर को श्रेणी में शामिल कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि कैंसर के मामलों का समुचित पंजीकरण होने से बीमारी के वास्तविक आंकड़े उपलब्ध होंगे, उपचार सुविधाओं की बेहतर योजना बनाई जा सकेगी और समय रहते मरीजों तक आवश्यक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाना आसान होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, सटीक डेटा किसी भी स्वास्थ्य चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण आधार होता है।

चमोली की सुरंग में---

को भी घटना की पूरी जानकारी दे दी गई है और अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल यह शुरुआती जानकारी है। सुरंग में फंसे मजदूरों की स्थिति और बचाव अभियान से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आने का इंतजार है। प्रशासन की प्राथमिकता सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालना है।

अब सभी पायलटों का--

परिचालन सुरक्षा सुनिश्चित करने और इसके लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देने को कहा गया। मौजूदा डीजीसीए नियमों के अनुसार, यदि साइकोएक्टिव पदार्थों के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट नॉन-नेगेटिव आता है, तब कर्मचारी को तुरंत सुरक्षा से जुड़े काम से हटा दिया जाता है। पहली बार पुष्टिकरण टेस्ट पॉजिटिव आने पर, संबंधित कर्मचारी को नशा-मुक्ति के लिए भेजा जाता है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा है कि केंद्र सरकार इस घटना पर बारीकी से नज़र रख रही है और एएआईबी की रिपोर्ट का इंतज़ार करेगी।

जामताड़ा में यात्री बनकर शराब तस्करी कर रहे बिहार के 2 तस्कर गिरफ्तार

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा के मिहिजाम थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बिहार के दो कथित शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी प्रदीप राणा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चित्तरंजन गेट नंबर-१ के पास छापेमारी की। इस दौरान दो ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग में छिपाकर ले जाई जा रही बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान २२ वर्षीय राजा कुमार, निवासी एकडारा, थाना खजौली, जिला मधुबनी और २८ वर्षीय विष्णु पंडित, निवासी राहेपुर, थाना बेनी बाद, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मिथिला एक्सप्रेस ट्रेन से चित्तरंजन स्टेशन होकर मुजफ्फरपुर जाने की तैयारी में थे।

राउरकेला में भारी बारिश से रेल सेवा बाधित हावड़ा-मुंबई रूट पर धीमी हुई ट्रेनों की गति

चक्रधरपुर (एजेंसी): दक्षिण पूर्व रेलवे चक्रधरपुर रेल मंडल में गुरुवार को लगातार हो रही तेज बारिश ने हावड़ा-मुंबई मुख्य मार्ग की ट्रेन व्यवस्था को प्रभावित कर दिया। राउरकेला-पानपोश के बीच पटरी के नीचे से मिट्टी बह जाने के कारण ट्रैक धंस गया। साथ ही कई जगह भू-स्खलन और पानी भराव की स्थिति बन गई, जिससे सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ लाइनों पर ट्रेनें रोकनी पड़ीं।

देश के 5 अनोखे शिव मंदिर, जहां महादेव की होती है सबसे अलग पूजा

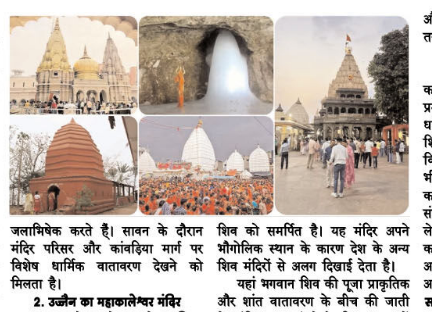

जमशेदपुर (एजेंसी): श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। मान्यता है कि सावन के महीने में भगवान शिव की पूजा करने और शिवलिंग पर जल चढ़ाने से भक्तों को विशेष आध्यात्मिक लाभ मिलता है। देशभर के शिव मंदिरों में इस दौरान सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। मंदिरों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना का दौर चलता है।

भारत में भगवान शिव को समर्पित हजारों प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर हैं। इनमें कई मंदिर अपनी स्थापत्य कला, धार्मिक मान्यताओं और अनोखी पूजा पद्धतियों के कारण दूसरे शिव मंदिरों से अलग पहचान रखते हैं। कुछ मंदिरों में भगवान शिव का स्वरूप बेहद विशेष माना जाता है, तो कहीं सदियों पुरानी परंपराओं के अनुसार पूजा की जाती है। सावन के दौरान इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक गतिविधियां और भी बढ़ जाती हैं।

1. देवघर का बाबा बैद्यनाथ मंदिर

झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम देश के प्रमुख शिव तीर्थों में गिना जाता है। यह मंदिर १२ ज्योतिर्लिंगों में शामिल होने के साथ-साथ शक्तिपीठ से भी जुड़ा माना जाता है। श्रावण मास में यहां देश के अलग-अलग हिस्सों से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। कांवड़िये सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर देवघर पहुंचते हैं और बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करते हैं। सावन के दौरान मंदिर परिसर और कांवड़िया मार्ग पर विशेष धार्मिक वातावरण देखने को मिलता है।

2. उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर भगवान शिव के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में शामिल है। यहां भगवान शिव की भस्म आरती विशेष आकर्षण का केंद्र है। प्रातःकाल होने वाली इस आरती में भगवान महाकाल का विशेष श्रृंगार किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकाल स्वयंभू स्वरूप में विराजमान हैं और उनकी पूजा की परंपरा सदियों पुरानी है। सावन में मंदिर में विशेष पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

3. गुवाहाटी का उमानंद मंदिर

असम के गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी के बीच स्थित उमानंद मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। यह मंदिर अपने भौगोलिक स्थान के कारण देश के अन्य शिव मंदिरों से अलग दिखाई देता है।

यहां भगवान शिव की पूजा प्राकृतिक और शांत वातावरण के बीच की जाती है। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को नदी के रास्ते जाना पड़ता है। सावन में शिव भक्तों के लिए यह मंदिर विशेष धार्मिक महत्व रखता है।

4. अमरनाथ गुफा मंदिर

जम्मू-कश्मीर में स्थित अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख तीर्थ स्थलों में शामिल है। यहां प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा करते हैं। अमरनाथ यात्रा का धार्मिक महत्व बेहद व्यापक है। कठिन पहाड़ी रास्ते और प्राकृतिक परिस्थितियों के बीच श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यहां भगवान शिव की पूजा और दर्शन का स्वरूप दूसरे मंदिरों से पूरी तरह अलग माना जाता है।

5. काशी विश्वनाथ मंदिर

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के प्रमुख ज्योतिर्लिंग मंदिरों में शामिल है। धार्मिक मान्यता है कि काशी भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। यहां भगवान विश्वनाथ की पूजा के साथ गंगा नदी का भी विशेष धार्मिक महत्व है। सावन में काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ जाती है। भक्त गंगाजल लेकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करते हैं। पूरे सावन महीने में मंदिर और आसपास के क्षेत्र में विशेष धार्मिक आयोजन देखने को मिलते हैं।

सावन में इन मंदिरों की पूजा क्यों है खास

भारत के इन शिव मंदिरों की धार्मिक परंपराएं और पूजा पद्धतियां एक-दूसरे से अलग हैं। कहीं भस्म आरती विशेष पहचान है, कहीं कांवड़िये गंगाजल से जलाभिषेक करते हैं, तो कहीं प्राकृतिक हिम शिवलिंग के दर्शन होते हैं। यही विविधता भारत की शिव उपासना परंपरा को विशेष बनाती है। श्रावण मास में इन मंदिरों में होने वाली पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान और श्रद्धालुओं की आस्था देश की समृद्ध धार्मिक परंपरा की झलक प्रस्तुत करती है। हालांकि अलग-अलग मंदिरों से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं स्थानीय आस्था एवं पुरानी मान्यताओं पर आधारित हैं।

बार-बार पैरों में सूजन को न करें अनदेखी

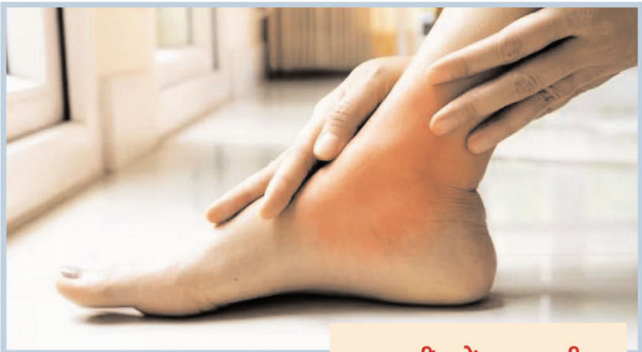

दिनभर खड़े रहने, अधिक चलने या लंबे समय तक एक ही जगह बैठने के बाद पैरों में हल्की सूजन आ जाना आम बात हो सकती है। कई बार गलत फिटिंग वाले जूते पहनने या अधिक नमक खाने की वजह से भी यह समस्या दिखाई देती है। लेकिन अगर पैरों या टखनों में बार-बार सूजन आती है, लंबे समय तक बनी रहती है या इसके साथ अन्य लक्षण भी महसूस होते हैं, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार होने वाली सूजन कई बार शरीर के अंदर मौजूद किसी गंभीर बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकती है। ऐसे में समय रहते कारण का पता लगाना और डॉक्टर से जांच कराना बेहद जरूरी है।

क्या होती है एडिमा?

मेडिकल भाषा में पैरों की सूजन को एडिमा कहा जाता है। यह ऐसी स्थिति होती है, जब शरीर के ऊतकों में सामान्य से अधिक तरल पदार्थ जमा होने लगता है। आमतौर पर जब शरीर का रक्त संचार तंत्र या कोई महत्वपूर्ण अंग ठीक तरह से काम नहीं करता, तो अतिरिक्त तरल पदार्थ गुरुत्वाकर्षण के कारण पैरों और टखनों में इकट्ठा होने लगता है। यह केवल एक लक्षण है, बीमारी नहीं। इसलिए बार-बार एडिमा होना इस बात का संकेत हो सकता है कि शरीर के किसी अंग की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है।

हृदय रोग भी हो सकता है वजह

पैरों में लगातार सूजन आने का एक प्रमुख कारण हृदय से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। जब हृदय शरीर के विभिन्न हिस्सों तक पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं पहुंचा पाता, तो रक्त नसों में जमा होने लगता है। इससे पैरों और टखनों में सूजन दिखाई दे सकती है। अगर सूजन के साथ सांस लेने में तकलीफ, जल्दी थकान महसूस होना, सीने में दर्द या भारीपन जैसे लक्षण भी हों, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में बिना देरी किए डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

किडनी की खराब कार्यक्षमता भी बढ़ा सकती है सूजन

किडनी का मुख्य काम शरीर से अतिरिक्त पानी, नमक और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालना होता है। यदि किडनी ठीक तरह से काम नहीं कर रही हो, तो शरीर में पानी और सोडियम जमा होने लगता है। इसका असर सबसे पहले पैरों, टखनों और कई बार आंखों के नीचे सूजन के रूप में दिखाई देता है। यदि पैरों की सूजन के साथ पेशाब की मात्रा में कमी, बार-बार पेशाब आना या पेशाब के रंग में बदलाव जैसे लक्षण महसूस हों, तो किडनी की जांच कराना जरूरी हो सकता है।

लिवर की बीमारी का भी हो सकता है संकेत

लिवर शरीर में एल्ब्यूमिन नामक एक महत्वपूर्ण प्रोटीन बनाता है, जो रक्त वाहिकाओं के भीतर तरल पदार्थ को बनाए रखने में मदद करता है। जब लिवर सिरोसिस या किसी अन्य गंभीर बीमारी से प्रभावित होता है, तो एल्ब्यूमिन का स्तर कम होने लगता है। इससे तरल पदार्थ रक्त वाहिकाओं से बाहर निकलकर आसपास के ऊतकों में जमा होने लगता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यदि लंबे समय तक सूजन बनी रहे और इसके साथ पेट फूलना, त्वचा या आंखों का पीला पड़ना जैसे लक्षण भी हों, तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

नसों में खून का थक्का भी हो सकता है कारण

कुछ मामलों में पैरों की सूजन का कारण डीप वेन थ्रोम्बोसिस भी हो सकता है। यह एक गंभीर स्थिति है, जिसमें पैरों की गहरी नसों में खून का थक्का बन जाता है। यदि अचानक केवल एक पैर में तेज सूजन, दर्द, गर्माहट या लालिमा दिखाई दे, तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह थक्का टूटकर फेफड़ों तक पहुंच सकता है, जिससे जानलेवा स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाना चाहिए।

किन लक्षणों के साथ तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए?

अगर पैरों की सूजन के साथ सांस फूलना, सीने में दर्द, पेशाब कम होना, केवल एक पैर में ज्यादा सूजन, तेज दर्द, त्वचा का लाल या गर्म होना, या सूजन लगातार कई दिनों तक बनी रहे, तो घरेलू उपायों पर निर्भर रहने की बजाय डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है। समय पर जांच से बीमारी का सही कारण पता लगाया जा सकता है और इलाज शुरू होने से गंभीर जटिलताओं से बचाव संभव हो सकता है।

*****

कब नहीं करें लापरवाही?

हर बार पैरों की सूजन किसी गंभीर बीमारी का संकेत नहीं होती, लेकिन यदि यह बार-बार हो रही है, लंबे समय तक बनी रहती है या अन्य असामान्य लक्षणों के साथ दिखाई देती है, तो इसे नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है। शरीर अक्सर शुरुआती लक्षणों के जरिए अंदरूनी समस्याओं का संकेत देता है। ऐसे में समय रहते चिकित्सकीय सलाह लेना ही सबसे सुरक्षित कदम है। यह लेख केवल सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के उद्देश्य से तैयार किया गया है। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या या लक्षण दिखाई देने पर स्वयं उपचार करने के बजाय योग्य चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

खाली पेट गर्म पानी पीने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, नहीं तो बढ़ सकती है परेशानी

सुबह उठते ही गुनगुना पानी पीने की सलाह लंबे समय से दी जाती रही है। माना जाता है कि इससे शरीर को हाइड्रेशन मिलता है, पाचन क्रिया बेहतर होती है और दिन की शुरुआत ताजगी के साथ होती है। कई लोग इसे अपनी डेली रूटीन का हिस्सा भी बना चुके हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि यह आदत हर व्यक्ति के लिए समान रूप से फायदेमंद साबित हो। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर पानी का तापमान बहुत ज्यादा हो या किसी व्यक्ति को पहले से कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो, तो सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने से फायदे की बजाय परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए किसी भी स्वास्थ्य सलाह को अपनी शारीरिक स्थिति के अनुसार अपनाना अधिक उचित माना जाता है।

क्या सुबह गर्म पानी पीना हमेशा लाभदायक होता है?

गुनगुना पानी सामान्य तौर पर सुरक्षित माना जाता है और अधिकांश स्वस्थ लोगों के लिए यह लाभकारी हो सकता है। लेकिन बहुत अधिक गर्म पानी पीने से मुंह, गले और भोजन नली की अंदरूनी परत पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा, कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों में यह आदत लक्षणों को और बढ़ा सकती है। इसलिए पानी हमेशा इतना ही गर्म होना चाहिए कि उसे बिना किसी असहजता के आराम से पिया जा सके।

मुंह में छाले या गले में सूजन होने पर रखें विशेष ध्यान

यदि किसी व्यक्ति के मुंह में छाले हैं या गले में सूजन, खराश अथवा जलन की शिकायत है, तो बहुत गर्म पानी पीना परेशानी बढ़ा सकता है। अधिक गर्म पानी प्रभावित हिस्से में जलन और दर्द को बढ़ा सकता है, जिससे खाने-पीने में भी दिक्कत हो सकती है। ऐसी स्थिति में सामान्य तापमान या हल्का गुनगुना पानी अधिक आरामदायक विकल्प माना जाता है।

एसिडिटी और सीने में जलन से परेशान लोग रहें सतर्क

जिन लोगों को बार-बार एसिडिटी, गैस या सीने में जलन की समस्या रहती है, उन्हें भी बहुत गर्म पानी पीने से असहजता महसूस हो सकती है। हालांकि हर व्यक्ति का शरीर अलग तरह से प्रतिक्रिया देता है, लेकिन यदि गर्म पानी पीने के बाद जलन या एसिडिटी बढ़ने लगे तो इस आदत पर दोबारा विचार करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

संवेदनशील पाचन तंत्र वाले लोगों को हो सकती है परेशानी

कुछ लोगों का पाचन तंत्र काफी संवेदनशील होता है। ऐसे लोगों को सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने के बाद पेट में जलन, ऐंठन, भारीपन या असहजता महसूस हो सकती है। यदि ऐसा लगातार होता है, तो बेहतर होगा कि पानी का तापमान कम रखा जाए या सामान्य तापमान का पानी पिया जाए। अपने शरीर के संकेतों को समझना सबसे महत्वपूर्ण है।

शरीर में पानी की कमी होने पर केवल गर्म पानी पर्याप्त नहीं

यदि शरीर पहले से डिहाइड्रेशन का शिकार है, तो केवल गर्म पानी पीना पर्याप्त नहीं माना जाता। ऐसे समय में शरीर को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ की जरूरत होती है। सामान्य या हल्का गुनगुना पानी पर्याप्त मात्रा में पीना चाहिए और जरूरत महसूस होने पर डॉक्टर की सलाह से इलेक्ट्रोलाइट्स का भी सेवन किया जा सकता है, ताकि शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स का संतुलन बना रहे।

गर्म पानी पीते समय इन बातों का रखें ध्यान

गर्म पानी पीने का सबसे जरूरी नियम यह है कि पानी कभी भी उबलता हुआ या अत्यधिक गर्म नहीं होना चाहिए। पानी का तापमान इतना होना चाहिए कि उसे आराम से बिना जलन के पिया जा सके। सुबह उठने के बाद एक से दो गिलास हल्का गुनगुना पानी पर्याप्त माना जाता है। साथ ही, यदि किसी व्यक्ति को पहले से कोई गंभीर बीमारी, पाचन संबंधी समस्या या अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो अपनी दिनचर्या में बदलाव करने से पहले डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सुबह गुनगुना पानी पीना कई लोगों के लिए एक अच्छी और फायदेमंद आदत हो सकती है, लेकिन इसे हर व्यक्ति के लिए समान रूप से लाभकारी मानना सही नहीं होगा। यदि गर्म पानी पीने के बाद किसी तरह की असहजता, जलन या अन्य समस्या महसूस होती है, तो इसे नजरअंदाज करने के बजाय अपने शरीर की जरूरत के अनुसार बदलाव करना चाहिए। सही तापमान का पानी, संतुलित मात्रा और चिकित्सकीय सलाह के साथ अपनाई गई आदत ही वास्तव में स्वास्थ्य के लिए लाभदायक साबित होती है।

इन छोटी गलतियों की वजह से किचन में फट जाता हैं प्रेशर कुकर

ध्यान रखें ये बातें

हर घर की रसोई में प्रेशर कुकर सबसे जरूरी बर्तनों में से एक है। इसकी मदद से खाना कम समय में और कम गैस में तैयार हो जाता है। लेकिन यही सुविधाजनक उपकरण अगर सही तरीके से इस्तेमाल न किया जाए तो गंभीर हादसे का कारण भी बन सकता है। अक्सर लोग छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज कर देते हैं, जिनकी वजह से कुकर के फटने या चोट लगने जैसी घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके इस्तेमाल के सही तरीके को समझा जाए।

कुकर को जरूरत से ज्यादा भरना सबसे बड़ी गलती

सबसे आम और सबसे खतरनाक गलती होती है कुकर को उसकी क्षमता से ज्यादा भर देना। कई बार लोग जल्दी में पूरा बर्तन भर देते हैं, जिससे अंदर भाप बनने और निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। जब कुकर के अंदर खाना पकता है तो वह फूलता है और झाग भी बनता है। यह झाग कई बार वॉल्व और भाप निकलने वाले रास्ते को बंद कर देता है। ऐसे में अंदर दबाव तेजी से बढ़ने लगता है, जो खतरे का कारण बन सकता है।

खराब या पुरानी गैसकेट बन सकती है जोखिम की वजह

कुकर के ढक्कन में लगी रबर गैसकेट बेहद अहम भूमिका निभाती है। यह ढक्कन और बर्तन के बीच सील बनाकर भाप को नियंत्रित रखती है। समय के साथ यह रबर पुरानी, सख्त या फटी हुई हो सकती है। अगर गैसकेट ठीक से काम न करे तो भाप सही तरीके से बाहर नहीं निकलती या फिर दबाव अनियंत्रित हो सकता है। इसलिए समय-समय पर इसकी जांच करना और जरूरत पड़ने पर इसे बदलना जरूरी है।

सेफ्टी वॉल्व का बंद होना भी बड़ा खतरा

कुकर का सेफ्टी वॉल्व अतिरिक्त भाप को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन खाना पकाते समय कई बार छोटे-छोटे कण या झाग इसमें फंस जाते हैं। अगर यह वॉल्व बंद हो जाए तो अंदर की भाप बाहर नहीं निकल पाती और दबाव लगातार बढ़ता रहता है। यही स्थिति कुकर फटने जैसी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए हर बार इस्तेमाल से पहले इसे साफ करना जरूरी है।

बिना प्रेशर निकाले ढक्कन खोलना हो सकता है खतरनाक

कई लोग जल्दी में खाना बनने के तुरंत बाद कुकर खोलने की कोशिश करते हैं, जो बहुत जोखिम भरा हो सकता है। अंदर मौजूद गर्म भाप और दबाव अचानक बाहर निकलकर जलने या चोट का कारण बन सकते हैं। सही तरीका यही है कि कुकर को पहले खुद से ठंडा होने दिया जाए या फिर प्रेशर रिलीज वॉल्व की मदद से धीरे-धीरे भाप निकाल ली जाए।

छोटी सावधानियां, बड़े हादसों से बचाव

अगर कुकर का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो इससे जुड़े हादसों से आसानी से बचा जा सकता है। न तो इसे जरूरत से ज्यादा भरना चाहिए, न ही इसके पार्ट्स की नियमित जांच को नजरअंदाज करना चाहिए। थोड़ी सी सावधानी रसोई को सुरक्षित बना सकती है और प्रेशर कुकर का उपयोग भी पूरी तरह सुरक्षित और सुविधाजनक रहता है।

बिना चखे कैसे पहचानें जामुन मीठे हैं या खट्टे? खरीदने से पहले करें ये काम

गर्मियों और बरसात के मौसम में बाजार में जामुन की भरमार देखने को मिलती है। स्वाद में हल्के खट्टे-मीठे और पोषक तत्वों से भरपूर जामुन बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आते हैं। यही वजह है कि इस मौसम में लोग इन्हें बड़े शौक से खरीदते हैं। हालांकि, कई बार बाहर से चमकदार और ताजे दिखने वाले जामुन खाने पर खट्टे या फीके निकल जाते हैं, जिससे पूरा स्वाद खराब हो जाता है। अगर आप भी हर बार मीठे, रसीले और ताजे जामुन खरीदना चाहते हैं, तो कुछ आसान बातों का ध्यान रखकर बिना चखे ही उनकी क्वालिटी का अंदाजा लगाया जा सकता है। आइए जानते हैं जामुन खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सबसे पहले रंग पर दें ध्यान

जामुन की मिठास पहचानने का सबसे आसान तरीका उसका रंग होता है। अच्छी तरह पके हुए जामुन का रंग गहरा बैंगनी या लगभग काला दिखाई देता है। ऐसे जामुन आमतौर पर स्वाद में मीठे और रसीले होते हैं। वहीं यदि जामुन का रंग हल्का बैंगनी, गुलाबी या हरा नजर आए तो समझिए कि वह पूरी तरह नहीं पका है। ऐसे फल अक्सर स्वाद में ज्यादा खट्टे होते हैं।

जरूरत से ज्यादा चमकदार जामुन खरीदने से बचें

बाजार में कई दुकानदार जामुन को ज्यादा ताजा दिखाने के लिए उन पर पानी का छिड़काव कर देते हैं। इससे फल जरूरत से ज्यादा चमकदार नजर आने लगते हैं। ऐसे जामुन देखने में आकर्षक जरूर लगते हैं, लेकिन हमेशा उनकी ताजगी की गारंटी नहीं होती। बेहतर होगा कि आप हल्की प्राकृतिक चमक वाले जामुन ही चुनें, क्योंकि यही अधिक ताजे माने जाते हैं।

मीडियम या बड़े आकार के जामुन चुनें जामुन का आकार भी उसके स्वाद का संकेत देता है। बहुत छोटे या सिकुड़े हुए जामुन की तुलना में मध्यम या बड़े आकार के जामुन में गूदा ज्यादा होता है। इनमें रस भी अधिक होता है और आमतौर पर इनका स्वाद ज्यादा मीठा और बेहतर होता है। इसलिए खरीदते समय ऐसे जामुनों को प्राथमिकता दें जो आकार में संतुलित और भरे हुए दिखाई दें।

हल्के हाथ से दबाकर करें जांच

जामुन खरीदते समय उसे हल्के हाथ से दबाकर उसकी गुणवत्ता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर फल बहुत ज्यादा सख्त महसूस हो तो संभव है कि वह अभी कच्चा हो। वहीं यदि वह जरूरत से ज्यादा मुलायम या दबा हुआ लगे, तो वह ज्यादा पक चुका हो सकता है या खराब होने की शुरुआत में हो सकता है। हल्का नरम लेकिन आकार में सही जामुन सबसे बेहतर माना जाता है।

डंठल देखकर समझें कितने ताजे हैं जामुन

जामुन का डंठल उसकी ताजगी के बारे में काफी कुछ बता देता है। यदि डंठल हरा और ताजा दिखाई दे रहा है, तो इसका मतलब है कि जामुन हाल ही में पेड़ से तोड़े गए हैं। वहीं यदि डंठल सूखा, भूरा या मुरझाया हुआ दिखे, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि फल काफी समय पहले तोड़े गए थे और अब उनकी ताजगी कम हो चुकी है।

दिमाग ही नहीं शरीर के इन हिस्सों में भी जमा होता है तनाव

क्या आपको लगता है कि स्ट्रेस सिर्फ दिमाग में ही जमा होता है या स्ट्रेस की वजह से सिर्फ मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है, तो आप गलत हैं। चलिए आपको बताते हैं कि यह शरीर के किन हिस्सों को किस तरह प्रभावित कर सकता है। स्ट्रेस सिर्फ हमारे दिमाग में ही नहीं, बल्कि शरीर के कई अंगों को प्रभावित करता है। अंदर दबा हुआ गुस्सा, डर, चिंता और घबराहट कैसे शरीर पर असर डाल सकती है।

शरीर में हो सकता है दर्द

लगातार तनाव में रहने के कारण शरीर में दर्द भी हो सकता है। आमतौर पर मन में दबी हुई भावनाएं, बोझ और तनाव, गर्दन में दर्द का कारण बन सकता है। इसके अलावा मांसपेशियों और हड्डियों में दर्द भी हो सकता है।

रिप्रोडक्टिव हेल्थ हो सकती है प्रभावित

लंबे समय तक स्ट्रेस में रहने की वजह से हार्मोन्स इंबैलेंस होने लगते हैं और इसके कारण महिलाओं के पीरियड्स, ओव्युलेशन और रिप्रोडक्टिव हेल्थ प्रभावित होती है। इसकी वजह से महिलाएं पीसीओडी का शिकार हो सकती हैं।

भूख पर होता है असर

तनाव के चलते भूख पर भी असर होता है। कई लोगों की भूख बढ़ जाती है, तो कई लोगों की कम होने लगती है। इसके चलते एसिडिटी, जलन, गैस और कब्ज भी हो सकता है। तनाव से मेटाबॉलिज्म भी प्रभावित होता है।

इंफेक्शन का बढ़ सकता है खतरा

ज्यादातर लोग इस बात को नहीं जानते हैं कि तनाव की वजह से इंफेक्शन हमें जल्दी घेर लेते हैं और घाव भरने में भी देर होती है। बार-बार मौसमी इंफेक्शंस का शिकार होना भी क्रॉनिक स्ट्रेस का संकेत हो सकता है।

कान में खुजली एक आम समस्या है, जिसे कई लोग गैरजरूरी मानकर अनदेखा कर देते हैं। कुछ मामलों में यह एलर्जी या अपर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन जैसी समस्याओं का शुरुआती संकेत हो सकता है। कई लोग ये मानते हैं कि कान में खुजली होना सर्दी, फ्लू या एलर्जी का शुरुआती संकेत है, लेकिन हर बार ऐसा हो ये जरूरी नहीं।

कान में खुजली सर्दी, फ्लू, एलर्जी का लक्षण

कब बढ़ता है जोखिम, बचने के उपाय

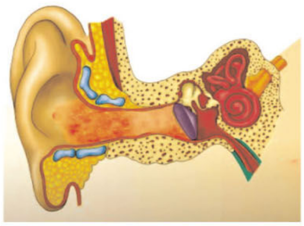

कान में खुजली को अक्सर अपर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन यानी नाक, गले और साइनस का वायरल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन का शुरुआती संकेत मान लिया जाता है। इसमें सर्दी-जुकाम, गले में खराश, नाक बहना और हल्की खांसी जैसे लक्षण देखे जा सकते हैं। सर्दी या फ्लू के दौरान अपर रेस्पिरेटरी एरिया में सूजन आ जाती है। कान, नाक और गला आपस में जुड़े होते हैं, इसलिए यह सूजन ईयर कैनाल या यूस्टेशियन ट्यूब तक फैल सकती है। इससे हल्की खुजली या कान में भारीपन महसूस हो सकता है। एलर्जी की स्थिति में शरीर हिस्टामाइन छोड़ता है, जिससे नाक, गले और कान के अंदर भी खुजली होती है। कानों में खुजली कभी-कभी सर्दी या एलर्जी का शुरुआती संकेत हो सकता है, लेकिन हर केस में इसका कारण एक जैसा नहीं हो सकता। इस लेख में हम कान में खुजली के कारण और बचने के उपाय बता रहे हैं।

कान में खुजली के कारण

कान में खुजली सिर्फ नाक, गले और साइनस के वायरल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन के कारण नहीं होती इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। आमतौर पर कान में खुजली के ये कारण हो सकते हैं-

ईयर कैनाल में सूखापन

कान का मैल ईयर कैनाल यानी कान की नलिका को नम रखने और इन्फेक्शन से बचाने में मदद करता है। जब यह मैल ज्यादा सफाई या स्किन प्रॉब्लम के कारण कम हो जाता है, तो कान के अंदर की त्वचा सूख जाती है और उसमें खुजली होने लगती है।

फंगल इन्फेक्शन

जिन जगहों पर ह्यूमिडिटी और गर्मी ज्यादा होती है वहां के लोगों में कान में खुजली की समस्या हो सकती है। ऐसी जगहों के लोग गर्मी से राहत पाने के लिए स्विमिंग करते हैं, जिससे कान में पानी जाने की संभावना बढ़ जाती है। इससे कान में खुजली के साथ बेचैनी, डिस्चार्ज या दुर्गंध भी आ सकती है।

एलर्जी

ये भी कान में खुजली का एक प्रमुख कारण है। धूल, पराग, हेयर प्रोडक्टस के संपर्क में आने या लंबे समय तक ईयरफोन और हियरिंग एड्स का उपयोग करने से भी कान की नलिका में जलन और खुजली हो सकती है।

कॉटन बड्स का उपयोग

बार-बार कॉटन बड्स का उपयोग करना या कान में कोई वस्तु डालना अंदर की नाजुक त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसा करने से कान में खुजली, जलन और कभी-कभी इन्फेक्शन भी हो सकता है।

कान में खुजली से बचने के लिए क्या करें

खुजली होने पर कॉटन बड्स या कोई अन्य चीज कान में डालना हानिकारक हो सकता है। इससे कानों में चोट या इन्फेक्शन का जोखिम बढ़ सकता है। अगर एलर्जी के कारण कान में खुजली हो रही है तो ऐसी चीजों से दूर रहें। कानों में खुजली से बचने के लिए ये तरीके अपनाए जा सकते हैं-

- कानों को सूखा रखें, खासकर नहाने या तैरने के बाद
- कान के बाहरी हिस्से को साफ तौलिए से पोंछें
- ईयरफोन या ईयरबड्स का इस्तेमाल कम करें
- एलर्जी पैदा करने वाली चीजों से बचें

कानों के लिए कौन सी आदतें हानिकारक

कई लोग अनजाने में गलत आदतें अपनाकर कान में खुजली की समस्या को बढ़ा देते हैं। इससे कान की प्राकृतिक सुरक्षा हटती है, स्किन को नुकसान पहुंचता है और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ सकता है। कानों की सुरक्षा के लिए ये आदतें हानिकारक हैं-

- बार-बार उंगलियों से कान खुजलाना
- कान में तेल या अन्य चीजें डालना
- एक्सपर्ट से सलाह लिए बिना खुद दवा या ईयर ड्रॉप्स का उपयोग करना
- कान साफ करने के लिए कॉटन बड्स, पिन, चाबी या किसी नुकीली चीज का इस्तेमाल करना

कानों के लिए कौन सी स्थितियां नुकसानदायक

कानों में कभी-कभार खुजली होना आम बात है, लेकिन खुजली लगातार बढ़ने लगे तो ये नॉर्मल नहीं है। निम्नलिखित लक्षण दिखाई दें तो उन्हें नजरअंदाज न करें और कानों की जांच कराएं-

- कानों में लगातार खुजली
- कान बंद होने का एहसास
- कानों में दर्द या जलन
- कान के आसपास सूजन
- सुनने में परेशानी
- कान बहना

कानों में खुजली को नजरअंदाज न करें

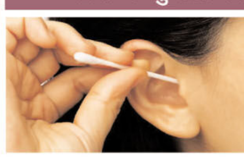

कई बार कानों में खुजली मामूली परेशानी लग सकती है, लेकिन लापरवाही के कारण समस्या बढ़ सकती है। कानों को सुरक्षित रखने के लिए उनकी अच्छी तरह सफाई करें, हानिकारक आदतों से बचें, खुजली और अन्य लक्षणों पर ध्यान दें। खुजली या अन्य कोई समस्या बढ़ने लगे तो तुरंत जांच कराएं।

सावन में क्या खाएं और क्या न खाएं? जानें सही डाइट प्लान

सावन का महीना धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिहाज से भी काफी अहम माना जाता है। इस मौसम में नमी बढ़ जाती है और इंफेक्शन का खतरा भी अधिक होता है। वहीं पाचन तंत्र भी कुछ हद तक धीमा हो जाता है। ऐसे में इस मौसम में डाइट में कुछ खास बदलाव बेहद जरूर होते हैं।

सावन के पवित्र महीने में, संतुलित और सात्विक आहार, सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है। इस महीने में आसानी से पचने वाले, शरीर में पानी की कमी पूरी करने वाले और पोषक तत्वों से भरपूर फूड्स पर ध्यान देना चाहिए। वहीं तामसिक और प्रोसेस्ड फूड्स से दूर रहना चाहिए। इस मौसम में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, चलिए इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट से जानते हैं।

सावन के महीने में क्या खाएं

डाइटिशियन श्वेता का कहना है कि सावन में आप व्रत रखें या सामान्य भोजन करें, दोनों की स्थिति में आपको हल्की और बैलेंस डाइट लेनी चाहिए। इस मौसम में आपको ऐसे फूड्स को डाइट में शामिल करना चाहिए, जिन्हें आप आसानी से पचा पाएं।

- इस समय पर सीजनल फ्रूट्स जैसे केला, सेब, पपीता और अनार जरूर खाएं।
- इनसे शरीर को एनर्जी और हाइड्रेशन मिलता है।
- कुट्टू, सिंघाड़े और अमरंथ (राजगिरा) का आटा खाएं।
- दूध, दही, छाछ और पनीर को डाइट का हिस्सा बनाएं। इनसे शरीर को प्रोटीन और कैल्शियम मिलेगा।
- आलू, कद्दू, लौकी और कच्चे केले जैसी सब्जियों को भोजन में जरूर शामिल करें।
- सूखे मेवे, मखाना और सेंधा नमक जरूर खाएं। इससे शरीर को ताकत मिलती है और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बना रहता है।
- गुनगुना पानी, नारियल पानी और सौंफ-अजवाइन का पानी पीने से शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और डाइजेशन भी दुरुस्त रहेगा।

सावन के महीने में क्या न खाएं

सावन के महीने में भारी भोजन नहीं खाना चाहिए। इसे पचाना मुश्किल होता है। खासतौर पर रात के समय हल्का भोजन करना चाहिए। आप डिनर में सिर्फ सूप भी ले सकती हैं।

- गेहूं, दाल और बेसन को डाइट में शामिल न करें।
- लहसुन, प्याज और मसालेदार खाने से दूर रहें।
- नॉनवेज फूड्स, अंडे और एल्कोहल से दूरी बनाना बेहतर रहेगा।
- फ्राइड, पैकेज्ड और तले-भुने खाने से दूर रहें क्योंकि इससे पाचन तंत्र पर दबाव पड़ता है।
- इस समय पर हरी पत्तेदार सब्जियां और बैंगन न खाएं। इससे मानसून में बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा रहता है।

ओवरथिंकिंग कब बन जाती है एंग्जायटी

एक्सपर्ट से समझें

क्या मुझे एंग्जायटी है या मैं ओवरथिंकिंग कर रही हूं? अगर आपके मन में भी यह सवाल है, तो चलिए एक्सपर्ट से समझते हैं कि आखिर ओवरथिंकिंग कब एंग्जायटी बन जाती है और किन लक्षणों को आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

नाव...डिप्रेशन...ओवरथिंकिंग और एंग्जायटी, इन सभी का सीधा संबंध हमारी मेंटल हेल्थ से होता है। आज के वक्त में फिजिकल हेल्थ से कहीं ज्यादा लोगों की मेंटल हेल्थ खराब है, लेकिन इसे लेकर जागरुकता की अभी भी कमी है। हम सभी अपने आज, आने वाले कल और गुजरे हुए वक्त के बारे में सोचते हैं, लेकिन कई बार ये सोच ओवरथिंकिंग में बदल जाती है। करियर, रिलेशनशिप, काम का प्रेशर और गलत फैसलों समेत कई वजहों से हम ओवरथिंकिंग करने लगते हैं और फिर कब ये एंग्जायटी में बदल जाती है, हमें खुद पता नहीं चलता है। आखिर ओवरथिंकिंग कब एंग्जायटी बन जाती है और किन लक्षणों को हमें बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, चलिए इसका जवाब एक्सपर्ट से जानते हैं। इस बारे में हार्मोन, गट और मेंटल हेल्थ कोच मनप्रीत जानकारी दे रही हैं।

ओवरथिंकिंग कब बन जाती है एंग्जायटी?

अक्सर लोगों को लगता है कि ओवरथिंकिंग और एंग्जायटी एक ही है, लेकिन ऐसा नहीं है। ओवरथिंकिंग को आप एंग्जायटी का एक हिस्सा कह सकते हैं, लेकिन इसे एंग्जायटी नहीं कहा जा सकता है। अगर आप सोच रही हैं कि 'अगर ऐसा हुआ तो क्या होगा?' या 'अगर ऐसा नहीं हो पाया, तो क्या सब खत्म हो जाएगा?', तो इसे ओवरथिंकिंग कहा जा सकता है, लेकिन यह घबराहट या एंग्जायटी में तब बदलने लगती है, जब आपकी सोच, आपके विचार किसी हल पर रुकने के बजाय लगातार 'बुरे रिजल्ट' के साइकिल में फंस जाते हैं और आपके डेली रूटीन और मेंटल हेल्थ को प्रभावित करने लगते हैं ।

शरीर और मन की एक अवस्था है, एंग्जायटी

एंग्जायटी शरीर और मन की एक ऐसी अवस्था है, जिसमें आपको आपके पूरे सिस्टम में एक बेचैनी महसूस होती है। ओवरथिंकिंग इसका बस एक हिस्सा है। कई बार ओवरथिंकिंग में जब आप सभी विचारों को मन के अंदर रखती हैं, अपने इमोशंस या डर को जाहिर नहीं कर पाती हैं, तो ये आपके दिमाग के अंदर इकट्ठा होने लगते हैं और आपको एंग्जायटी महसूस होती है।

ओवरथिंकिंग कई बार कुछ लोगों की आदत में शुमार हो सकती है और कई बार ये मेंटल हेल्थ पर बुरा असर नहीं डालती है, वहीं एंग्जायटी शरीर की एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है, जो दिमाग से शुरू होकर पूरे शरीर पर असर करती है। इसमें हाथ-पैर कांपना, दिल की धड़कन तेज होना, नींद आने में मुश्किल और पेट या सीने में बेचैनी महसूस हो सकती है।

अगर आप क्रॉनिक स्ट्रेस में हैं और आपको अक्सर एंग्जायटी महसूस होती है, तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप के कार्यकाल में बदलेगा क्यूबा': मार्को रूबियो का बड़ा दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने क्यूबा के भविष्य को लेकर बड़ा

बयान दिया है। उन्होंने भरोसा जताया है कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का कार्यकाल खत्म होने से पहले क्यूबा एक ऐसे बदलाव की दिशा में आगे बढ़ चुका होगा, जिसे वापस पलटना मुश्किल होगा। रूबियो ने क्यूबा के लिए बहुत अलग भविष्य की बात कही। उन्होंने इसे अमेरिका के राष्ट्रीय हित से भी जोड़ा। रूबियो ने यह बात अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से मंगलवार को जारी किए गए 'द केटी मिलर पॉडकास्ट' के इंटरव्यू में कही। मार्को रूबियो ने कहा कि वह किसी चीज की गारंटी नहीं देते, लेकिन क्यूबा निश्चित रूप से इस प्रशासन की प्राथमिकताओं में है। इसकी वजह अमेरिका का राष्ट्रीय हित है। रूबियो ने हालांकि यह नहीं बताया कि अमेरिका क्यूबा में बदलाव के लिए कौन-कौन से खास कदम उठाने वाला है। रूबियो ने क्यूबा की मौजूदा व्यवस्था को लेकर बदलाव की गति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि करीब 70 साल से मौजूद किसी व्यवस्था की जड़ें गहरी हो जाती हैं। ऐसे में उसे रातोंरात हटाकर उसकी जगह बिल्कुल नई व्यवस्था खड़ी नहीं की जा सकती। उन्होंने साफ कहा कि बदलाव के लिए एक प्रक्रिया जरूरी होगी। रूबियो ने इसके लिए पूर्वी यूरोप का उदाहरण दिया। उनके मुताबिक, कम्युनिस्ट शासन के अंत के बाद पूर्वी यूरोप के देशों को उस स्थिति तक पहुंचने में तीन से पांच साल लगे, जिसके लिए वे आज जाने जाते हैं। उन्होंने पोलैंड को इसका सबसे अच्छा उदाहरण बताया। रूबियो ने कहा कि क्यूबा को लेकर अमेरिकी रुख सिर्फ राजनीतिक बदलाव तक सीमित नहीं है। उन्होंने इसे अमेरिका के राष्ट्रीय हित से जोड़ा। उनका कहना है कि अमेरिका के लिए एक ऐसा क्यूबा होना जरूरी है जो सुरक्षित, स्थिर और अमेरिका के साथ तालमेल रखने वाला हो। रूबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि क्यूबा से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव है। वह क्यूबाई-अमेरिकी हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि बतौर अमेरिकी विदेश मंत्री वह क्यूबा के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए काम करते हैं।

15 अगस्त से पाकिस्तान में बंद हो जाएंगे पेट्रोल पंप, डीलर्स का बड़ा एलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पेट्रोल पंपों की हड़ताल का एलान कर दिया गया है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने मंगलवार को घोषणा की कि 15 अगस्त से देशभर के पेट्रोल पंप बंद रहेंगे। डीलर्स ने साफ किया है कि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो आंदोलन जारी रहेगा। एसोसिएशन ने सरकार को मांगों पर फैसला लेने के लिए 72 घंटे का अल्टीमेटम भी दिया है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के चेयरमैन मलिक खुदा बख्श ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेट्रोल पंप बंद करने के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय डीलर्स की बैठक में लिया गया है। डीलर्स का कहना है कि सरकार उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनाती है तो 15 अगस्त से पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे और हड़ताल मांगें पूरी होने तक जारी रहेगी। पेट्रोलियम डीलर्स लंबे समय से पेट्रोल पर आठ प्रतिशत मार्जिन की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के करीब 14,000 सदस्यों की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि डीलर्स ने सरकार को अपनी मांगों पर कार्रवाई के लिए दो सप्ताह का समय दिया था, लेकिन यह समयसीमा अब समाप्त हो चुकी है। इससे पहले 22 जुलाई को ऑल पाकिस्तान पेट्रोल पंप ओनर्स एसोसिएशन ने प्रस्तावित पेट्रोल पंप बंदी को दो सप्ताह के लिए टाल दिया था। उस समय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने डीलर्स को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया था। एसोसिएशन ने पेट्रोल की कीमत रोजाना तय करने वाली नीति की समीक्षा करने की मांग भी पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्रालय से की थी। 17 जुलाई को पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक और सूचना मंत्री अत्ता तरार ने कहा था कि वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच ईंधन की कीमतों में रोजाना बदलाव किया जाएगा।

लेविट सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक: व्हाइट हाउस प्रेस सचिव की विदाई पर बोले ट्रंप

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को (स्थानीय समय) घोषणा की कि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ देंगी। वह अपने छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिताना चाहती हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लेविट को अपनी 'सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक' बताया। उन्होंने कहा कि वह उनके फैसले को समझते हैं और उसका सम्मान करते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी व्हाइट हाउस की शानदार प्रेस सचिव और मेरी सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक कैरोलिन लेविट महीने के अंत में अपना पद छोड़ेंगी, ताकि वह अपने प्यारे छोटे बच्चों और परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकें। मैं उनके इस फैसले को पूरी तरह समझता और सम्मान करता हूं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि लेविट आगे भी उनके शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक के रूप में काम करती रहेंगी। साथ ही वह रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि उनका प्रशासन आने वाले

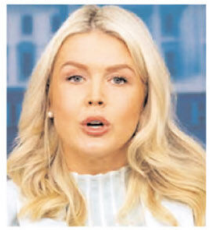

मध्यावधि चुनावों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप ने आगे कहा, कैरोलिन अब मेरे शीर्ष बाहरी सलाहकारों में से एक होंगी और रिपब्लिकन पार्टी में एक प्रभावशाली आवाज बनी रहेंगी, क्योंकि हम इतिहास को गलत साबित करने और मध्यावधि चुनावों में निर्णायक जीत हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। कैरोलिन व्हाइट हाउस में एक सच्ची नेता रही हैं और उन्होंने 2018 से न्याय, स्वतंत्रता और आजादी के लिए शानदार काम किया है। इसमें 2024 का हमारा ऐतिहासिक चुनाव अभियान भी शामिल है। कैरोलिन व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के पद के इतिहास में सबसे बेहतरीन प्रेस सचिवों में से एक रही हैं। कैरोलिन अच्छी तरह से काम करने के लिए आपका धन्यवाद।

कैरोलिन लेविट ने क्या कहा: लेविट ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना 'उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान' रहा है। उन्होंने कहा, 'पिछले डेढ़ साल से व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव के रूप में काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इतने असाधारण अवसर दिए। इनमें वेस्ट विंग में काम करना, ओवल ऑफिस में अनगिनत घंटे बिताना, दुनियाभर में उड़ान भरना और विदेशी नेताओं से मिलना और हमारे खूबसूरत देश की यात्रा करके हर तरह के लोगों से मिलना शामिल है।

लेविट ने आगे कहा, सबसे बढ़कर, मैं राष्ट्रपति की आभारी हूं कि उन्होंने मुझे व्हाइट हाउस के पोडियम से उनकी ओर से बोलने का विशेष अधिकार और जिम्मेदारी दी। मैंने इस प्रशासन की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में बहुत गर्व के साथ बात की है। मैंने उदारवादी मीडिया को जवाबदेह ठहराने और यह सुनिश्चित करने का भी पूरा आनंद लिया है कि अमेरिकी लोगों तक राष्ट्रपति ट्रंप की सफलताओं की सच्चाई पहुंचे। मां के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का जिक्र करते हुए लेविट ने कहा कि अपने छोटे बच्चों की परवरिश के साथ इतनी व्यस्त नौकरी करना संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, मां बनना और एक नए बच्चे का स्वागत करना, साथ ही दुनिया की सबसे कठिन नौकरियों में से एक को करना, मेरी जिंदगी का सबसे संतोष देने वाला लेकिन चुनौतीपूर्ण दौर रहा है। सच यह है कि अपनी बेटी के जन्म के बाद व्हाइट हाउस लौटने के बाद से मेरे दिल में यह भावना रही कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के लिए जरूरी समय, ऊर्जा और ध्यान देने के साथ मैं अपने दो छोटे बच्चों के लिए उनकी जरूरत के मुताबिक सबसे अच्छी मां नहीं बन सकती। इसी वजह से मैंने आखिरकार व्हाइट हाउस छोड़ने और अपनी जिंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत करने का यह भावुक लेकिन कठिन फैसला लिया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझसे बाहर से उनके शीर्ष सलाहकारों में से एक के रूप में काम करते रहने को कहा है। मैं हमेशा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन और रिपब्लिकन पार्टी की खुलकर वकालत करती रहूंगी। हमारा देश एक ऐसी डेमोक्रेटिक पार्टी से अस्तित्व के लिए बड़े खतरे का सामना कर रहा है, जो लगातार ज्यादा कट्टरपंथी होती जा रही है और अमेरिका की हर महान चीज को नष्ट करना चाहती है।

मेरा मानना है कि जो भी लोग इस देश की

मलबे से आई फुसफुसाहट ने बचाई छह महीने के मासूम की जान; बेटे के जन्मदिन पर काल के मुंह से बाहर आई मां

पेरेरा, एजेंसी। कोलंबिया में सोमवार को आए 7.4 तीव्रता के भीषण भूकंप के तीसरे दिन एक चमत्कारी घटना सामने आई है। कैली शहर के ला टोरेस डेल लिमोनार आवासीय परिसर में ढही पांच मंजिला इमारत के मलबे के ढेर से छह महीने के मासूम बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मलबे के भीतर से आई बेहद धीमी फुसफुसाहट ने जान बचाई।

सोमवार को आए इस शक्तिशाली भूकंप के बाद जब ब्रायन ओसोरियो जुलुगा अपने ऑफिस से बाइक पर सवाल होकर घर लौट रहे थे तो वो रास्ते में मलबे में तब्दील हो चुकी इमारत देखकर रुक गए। गैस लीक की चेतावनी के बावजूद वह मलबे के पास पहुंचे और लोगों से खामोश रहने के लिए कहा। तभी मलबे के नीचे से एक शख्स की क्षीण आवाज गूंजी। हां! मैं यहां हूं। मेरे साथ एक बच्चा है।

इसके बाद ब्रायन और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों ने अपने हाथों से मलबा हटाना शुरू किया। रास्ते में एक भारी कंक्रीट का स्लैब रुकावट बना, जिसे सबने मिलकर एक साथ उठाया। जैसे ही मलबा हटा, बच्चे की सांसें सामान्य होने लगीं। एक पुलिसकर्मी की मदद से बच्चे को तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। आधे दबे हुए उस व्यक्ति को भी सुरक्षित बचा लिया गया। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस विनाशकारी भूकंप में अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में तब्दील हुई इस इमारत के पास लोगों का यह साझा प्रयास इंसानियत की मिसाल बन गया।

वहीं, रियोसुसियो शहर के रहने वाले जूलियो सीजर लार्गो की 32 वर्षीय बेटी डेनियला चमत्कारिक रूप से बच गईं। घटना के दिन उनके बेटे का 12वां जन्मदिन था और परिवार जश्न की तैयारी कर रहा था। डेनियला परेरा शहर में एक चार मंजिला इमारत के ढहने से मलबे में फंस गई थीं और 38 घंटे तक दबी रहीं। रेस्क्यू टीम ने 10 घंटे के कड़े संघर्ष के बाद उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल ले जाते समय लोगों ने तालियां बजाकर खुशी मनाई। पिता ने इसे अपनी बेटी के दोबारा जन्म जैसा बताया है।

पश्चिम एशिया में फिर बिगड़ेंगे हालात, लाल सागर में हूती लड़ाकों ने सऊदी जहाजों को बनाया निशाना

रियाद, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को सऊदी जहाजों को निशाना बनाया। जिससे पश्चिम एशिया के हालात फिर से बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। हूती विद्रोहियों ने बुधवार को लाल सागर में एक सैन्य परिवहन पोत पर हमला किया और सऊदी समर्थित ठिकानों पर भी हमले किए। हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि 'विद्रोही समूह ने मोचा और मारिब क्षेत्रों में सऊदी अरब के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। इस दौरान हथियार डिपो और कमान केंद्रों को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया। हमले सटीक थे और इनमें सऊदी नागरिकों

समेत दर्जनों लोग हताहत हुए।' हूती लड़ाकों ने कहा है कि वे आगे भी सऊदी अरब की सैन्य टुकड़ियों को निशाना बनाना जारी रखेंगे। सऊदी अरब तनाव बढ़ाकर हमारे देश पर कब्जा करना चाहता है। इससे पहले भी हूति विद्रोहियों ने बाब अल मंदेब जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक पोत पर मिसाइल हमला किया था। जिसमें कम से कम छह लोग मारे गए थे। यमन सरकार ने इस हमले के पीछे हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया था। इस बीच यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रपति नेतृत्व परिषद के अध्यक्ष रशाद अल अलीमी ने कहा है कि सरकार हूती विद्रोहियों की कार्रवाई का जवाब देगी। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि वे समूह से लड़ाई खत्म करने, हथियार डालने और देश की राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने का आह्वान भी करते हैं। यमन का युद्ध फिर भड़कने के कगार पर है। हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का एलान कर दिया है। वहीं सऊदी अरब ने भी बीते दिनों यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए थे। हूती विद्रोही ईरान समर्थित हैं और उनका सऊदी के साथ विवाद है। ताजा विवाद बीती 13 जुलाई को तब भड़का, जब कुछ हूती नेता ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में शामिल होकर ईरान से यमन लौट रहे थे। लेकिन यमन की सऊदी समर्थित

पाकिस्तान फिर बेनकाब, पूर्व मंत्री ने खुद को बताया हाफिज सईद का गुलाम; भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में सत्ता और आतंकवाद का गठजोड़ कितना गहरा है, ये एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के करीबी रहे और उनकी सरकार के मंत्री रहे शेख रशीद ने अब खुद को खूंखार आतंकी हाफिज सईद का नौकर बता दिया

है। शेख रशीद न सिर्फ इस्लामाबाद में लश्कर ए तैयबा के कार्यक्रम में शामिल हुआ, बल्कि उसने खुद को हाफिज सईद का समर्थक भी बताया। इस दौरान मंच पर लश्कर के कई खूंखार आतंकी भी मौजूद रहे, जिनमें लश्कर का वरिष्ठ कमांडर शेख याकूब और संधू शामिल रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शेख रशीद ने कहा, मैं हाफिज सईद साहब का गुलाम हूं। रशीद ने ये भी बताया कि एक बार उसके फोन में हाफिज सईद का नंबर मिला था, जिसके चलते उसे अमेरिका से बाहर कर दिया गया था। इसके साथ ही शेख रशीद ने मंच से भारत को धमकियां भी दी। गीदड़ भभकी दिखाते हुए शेख रशीद ने कहा कि अगर भारत ने पाकिस्तान की तरफ देखा तो वहां कोई चिड़िया नहीं चहचहाएगी और न ही मंदिर में घंटियां बजेगी और भारत में ऐसा कोई काम नहीं होगा, जो पाकिस्तान के खिलाफ हो। शेख रशीद पाकिस्तान की इमरान खान सरकार में 2020 से 2022 तक गृह मंत्री रहा। वह अवामी मुस्लिम लीग पार्टी का संस्थापक नेता भी है। शेख रशीद इससे पहले भी अपने भारत विरोधी बयानों को लेकर चर्चा में रहा है। 2019 में भी शेख रशीद ने भारत के खिलाफ बेहद उग्र बयान दिए थे और युद्ध और परमाणु हथियारों की बात की थी। हाफिज सईद आंतकी संगठन लश्कर एक तैयबा का प्रमुख है और भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है। हाफिज सईद ही 26/11 के मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है। साथ ही पुलवामा में हुए हमले का मास्टरमाइंड भी उसे ही माना जाता है। हाफिज सईद जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकी समूहों को फंडिंग करता है।

ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे भारतीयों को बड़ा झटका, ईबी-2 भारत का कोटा अस्थायी रूप से क्यों बंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों और उच्च कुशल कामगारों के लिए बड़ा झटका है। ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष खत्म होने के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इससे अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। लंबित आवेदनों पर कागजी काम जारी रहेगा, लेकिन क्या नए वित्त वर्ष में भारतीयों को फिर राहत मिलेगी?

अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय आईटी पेशेवरों और दूसरे उच्च कुशल कामगारों के लिए परेशानी बढ़ गई है। इनमें एच-1बी वीजा पर अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने ईबी-2 भारत श्रेणी का ग्रीन कार्ड कोटा अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह रोक 30 सितंबर को खत्म हो रहे मौजूदा वित्त वर्ष के कारण लगी है। इसका सीधा असर उन भारतीय आवेदकों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में स्थायी निवास की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ईबी-2 भारत का ग्रीन कार्ड कोटा क्यों हुआ बंद?

ईबी-2 श्रेणी में एडवांस्ड डिग्री रखने वाले या असाधारण योग्यता वाले पेशेवर शामिल होते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा वित्त वर्ष का कोटा खत्म होने की वजह से ईबी-2 भारत के लिए नए आप्रवासी वीजा नंबर फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। इसका मतलब है कि भारतीय आवेदकों के लिए अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया रुक गई है। भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बड़ी संख्या में कुशल भारतीय कर्मचारी एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया में हैं।

भारतीय आवेदकों को पहले कैसे मिल जाती थी राहत?

भारतीय आवेदकों को पहले दूसरे देशों के इस्तेमाल नहीं हुए वीजा नंबरों से कुछ राहत मिल जाती थी। अमेरिकी आव्रजन कानून फर्म डब्ल्यूआर इमिग्रेशन के अनुसार, दूसरे देशों के बचे हुए वीजा नंबर छनकर ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणी में पहुंच जाते थे। इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्धता कुछ बेहतर हो जाती थी। लेकिन अब यह व्यवस्था पहले की तरह राहत नहीं दे रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे भारतीय आवेदकों के लिए उपलब्ध जगह और सीमित हो रही है।

क्या लंबित आवेदनों पर भी पूरी तरह रोक लग गई है: फिलहाल ऐसा नहीं है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा यानी यूएससीआईएस में पहले से लंबित आवेदनों की कागजी प्रक्रिया जारी रह सकती है। लेकिन इन आवेदनों को अंतिम मंजूरी देने के लिए वीजा नंबर उपलब्ध होना जरूरी है। मौजूदा कोटा खत्म होने के कारण अंतिम वीजा नंबर अभी आवंटित नहीं किया जा सकता। नया कोटा जारी होने के बाद ही इन मामलों में अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

इस रोक के बाद भारतीय आवेदकों की चिंता इसलिए बढ़ी है क्योंकि विशेषज्ञों ने आगामी वित्त वर्ष में भी ईबी-2 और ईबी-3 भारत श्रेणियों में सीमित उपलब्धता की चेतावनी दी है। इसका मतलब है कि ग्रीन कार्ड के लिए इंतजार कर रहे भारतीय उच्च कुशल कामगारों को आगे भी लंबी प्रतीक्षा का सामना करना पड़ सकता है। खासकर उन लोगों के लिए यह स्थिति महत्वपूर्ण है, जो एच-1बी वीजा पर अमेरिका में रहकर स्थायी निवास की प्रक्रिया पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं।

तपती गर्मी से राहत का जापानी जुगाड़

एसी जैकेट से यूवी छाते तक ये तकनीकें कैसे बदलेंगी गर्मी से बचने का तरीका

टोक्यो, एजेंसी। पूर्वी एशिया में गर्मी बढ़ने के साथ जापान में लोग इससे बचने के लिए तकनीक और पारंपरिक उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम पंखे से लेकर खास तरह की जैकेट और ठंडे बूथ तक बाजार में मौजूद हैं। पंखे वाली जैकेट शरीर के आसपास हवा पहुंचाकर पसीना जल्दी सुखाती है, जबकि कुछ छोटे पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह के जरिए ठंडक पैदा करती है। तेज धूप से बचने के लिए यूवी रोधी छाते और पंखे वाली सौर टोपियां भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं। एसी जैकेट में छोटे पंखे लगाए जाते हैं। ये पंखे बाहर की हवा को जैकेट के अंदर खींचते हैं और शरीर के आसपास हवा का प्रवाह बनाए रखते हैं। इससे पसीना तेजी से सूखता है और शरीर का तापमान बढ़ने से रोकने में मदद मिलती है। गर्मी में बाहर काम करने वाले लोगों के लिए ऐसी जैकेट राहत का साधन बन रही हैं। इसका उद्देश्य कमरे की तरह पूरे शरीर को ठंडा करना नहीं, बल्कि शरीर के आसपास लगातार हवा पहुंचाकर गर्मी का असर कम करना है। जापान में गर्मी से बचने के लिए तकनीक आधारित दूसरे विकल्प भी इस्तेमाल हो रहे हैं। छोटे सेमीकंडक्टर पंखों में लगी विशेष धातु की प्लेट विद्युत प्रवाह से ठंडक पैदा करती है। इससे केवल हवा चलाने के बजाय ठंडक का एहसास भी कराया जाता है। इसके अलावा इंसान के आकार के रेफ्रिजरेटेड बूथ भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। इन्हें निर्माण स्थलों और राहत केंद्रों में लगाया जा रहा है, ताकि तेज गर्मी के बीच लोग कुछ समय ठंडे वातावरण में रह सकें। धूप में सिर को ठंडा रखने के लिए पंखे वाली सौर टोपियों का चलन भी बढ़ रहा है। इन टोपियों में पंखे लगाए जाते हैं।

बचपन में अलग हुईं, फिर दोस्ती हुई और 40 साल पता खुला राज, डीएनए रिपोर्ट ने बदली दोनों की जिंदगी

संयुक्त राष्ट, एजेंसी। भारत में शिशु अवस्था में अलग-अलग अनाथालयों में छोड़ी गईं दो बच्चियां करीब 40 साल तक अपनी-अपनी जिंदगी जीती रहीं। दोनों को नीदरलैंड के अलग-अलग परिवारों ने गोद लिया और दोनों की परवरिश एक-दूसरे से थोड़ी दूरी पर हुई। उन्हें पता ही नहीं था कि उनके जीवन में एक ऐसी बहन भी है, जिससे उनकी मुलाकात किशोरावस्था में हो चुकी है। वर्षों बाद डीएनए जांच ने उनकी पुरानी दोस्ती के पीछे छिपा रिश्ता सामने ला दिया। कहानी में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि मीना और मीनल पहली बार किशोरावस्था में 1996 में एक गोद लिए गए बच्चों की सभा में मिली थीं। उस समय दोनों करीब 100 मील की दूरी पर रहती थीं। पहली मुलाकात में ही दोनों के बीच असामान्य रूप से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। दोस्तों ने भी दोनों के चेहरे और शक्ल-सूरत में समानता देखी। दोनों ने एक-दूसरे के पते लिए और मजाक में पत्रों में एक-दूसरे को 'बहन' कहकर बुलाने लगीं। इसके बाद करीब 15 साल तक दोनों का संपर्क नहीं रहा। अप्रैल में मीनल ने माईहेरिटेज डीएनए जांच कराई।

फोन पर जब जांच का नतीजा आया तो उसमें मीना का नाम बहन के रूप में दिखाई दिया। डीएनए में 100 फीसदी का दुर्लभ मिलान सामने आया। मीनल ने बताया कि वह उस समय अपने घर के सोफे पर बैठी थीं, जब फोन पर नतीजे का संदेश आया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि जिस लड़की से वह किशोरावस्था में मिली थीं, वही उनकी सगी बहन है।

बचपन में दोनों को यह जानकारी नहीं थी कि उनकी कोई बहन है। मीनल ने बताया कि वह अपने डच माता-पिता और भाई-बहनों के साथ प्यार से पली-बढ़ीं, लेकिन उनके भीतर एक गहरी अकेलेपन की भावना भी थी। दूसरी ओर, मीना भी लंबे समय से अपने भीतर एक खालीपन महसूस करती थीं। जब डीएनए जांच से रिश्ता सामने आया तो उन्हें लगा जैसे जिंदगी का कोई खोया हुआ हिस्सा वापस मिल गया हो। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद मीनल को पहले यह समझ नहीं आया कि मीना वही लड़की है, जिससे वह करीब 30 साल पहले मिली थीं। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर मीना को खोजा और उसकी तस्वीरें देखीं। तस्वीरों को देखने के बाद उन्हें यकीन हो गया कि डीएनए रिपोर्ट में जिस बहन की बात सामने आई है, वह वही पुरानी दोस्त है। मीनल ने कहा कि वे बहन बनने से पहले दोस्त थीं और असल में वे पूरी जिंदगी बहनें ही थीं, बस उन्हें इसका पता नहीं था। रिश्ता सामने आने के बाद दोनों बहनों ने नीदरलैंड में भावुक मुलाकात की। इस दौरान आंसू, गले मिलना और हंसी एक साथ दिखाई दी।

नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के नंबर 1 लेफ्ट-आर्म बॉलर

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। इसके पहले दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 198 रन पर ही आउट हो गई, इसके बाद जब बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरू हुई तो मिचेल स्टार्क ने ही पहला विकेट लिया। इस विकेट को लेने के साथ ही मिचेल स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बाएं हाथ के गेंदबाज बन गए। मजे की बात ये है कि उन्होंने ये कीर्तिमान इंटरनेशनल लेफ्ट हैंडर्स डे पर बनाया है।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए पहले दिन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी, लेकिन टीब्रेक के कुछ ही देर बाद पूरी टीम केवल 198 रन बनाकर आउट हो गई। स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन बाकी किसी भी बल्लेबाज का उन्हें साथ नहीं मिला। यही कारण रहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार बांग्लादेश के खिलाफ 200 से कम के स्कोर पर आउट हो गई।

इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज सादमान इस्लाम और तंजीद हसन तमीम ने टीम को सधी हुई शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन पारी के नौवें ओवर में मिचल स्टार्क ने दूसरी ही बॉल पर सादमान इस्माल को आउट कर दिया। उनका कैच नाथन लॉयन ने लपका। वे 30 बॉल पर 20 रन बना सके। इसमें दो चौके शामिल रहे। इस विकेट के साथ ही मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 434 विकेट पूरे कर लिए।

अवैध खनन मामला

फिफ्टी जड़ स्टीव स्मिथ पहुंचे लारा और स्टीव वॉ के बराबर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर बांग्लादेश की टीम टेस्ट मैच खेल रही है। दोनों टीमों के बीच डार्विन में 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का 13 अगस्त से आगाज हो चुका है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम का आगाज बेहद खराब रहा।

दरअसल, 38वें ओवर में तैजुल इस्लाम गेंदबाजी करने आए। स्मिथ ने तैजुल का छक्के से स्वागत किया। इस छक्के की मदद से स्मिथ का निजी स्कोर 42 रन पहुंच गया। इसके साथ ही स्टार ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में महान एलन बॉर्डर को पछाड़ दिया। स्मिथ अब इंटरनेशनल क्रिकेट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं, एलन बॉर्डर 5वें पायदान पर खिसक गए हैं। स्मिथ से आगे अब रिकी पोंटिंग, डेविड वॉर्नर और स्टीव वॉ हैं। बता दें, स्टीव स्मिथ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 361 मैचों की 430 पारियों में 17700+ रन हो गए हैं। इसमें 49 शतक और 85 अर्धशतक शामिल हैं। डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट से पहले स्टीव स्मिथ के खाते 17656 इंटरनेशनल रन दर्ज थे। उन्हें एलन बॉर्डर को पछाड़ने के लिए सिर्फ 42 रनों की दरकार थी। डार्विन टेस्ट के पहले दिन जब स्मिथ 2 रन के निजी स्कोर पर थे, तो आउट होने से बाल-बाल बचे। उनका कैच ड्रॉप हुआ। इसके बाद स्मिथ ने लगातार रन बनाते हुए न केवल एलन बॉर्डर को पछाड़ा, बल्कि मुश्किल में घिरी ऑस्ट्रेलियाई पारी के दौरान शानदार अर्धशतक भी जड़ा। स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 45वां अर्धशतक है।

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ईशान किशन टॉप पर

नई दिल्ली। टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल जोड़कर साल 2026 में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो इशान किशन टॉप पर काबिज हैं। जबकि भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने भी मात्र 6 टी20 इंटरनेशनल खेलकर ही टॉप 15 की इस लिस्ट में जगह बना ली है।

दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस लिस्ट का हिस्सा हैं। रोहित ने इस साल 9 वनडे इंटरनेशनल खेले हैं तो विराट ने 6 एकदिवसीय मुकाबलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इतना ही नहीं संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा भी इस लिस्ट में मौजूद हैं। सैमसन ने इस साल भारत के लिए 14 मुकाबलों में 400 रन बनाए हैं। जबकि अभिषेक के नाम 23 पारियों में 514 रन दर्ज हैं। भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान और टी20 के कप्तान श्रेयस अय्यर इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा चौथे पर हैं। इशान और गिल के अलावा अय्यर और अभिषेक ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस साल अब तक 500 रनों का आंकड़ा पार किया है। खास बात यह है कि पांचवें स्थान पर शिवम दुबे इस लिस्ट में मौजूद हैं।

संविधान में संशोधन के साथ 10 दिसंबर तक होंगे आईओए चुनाव; ओलंपिक की मेजबानी को रखा गया ध्यान में

देश में खेलों को चलाने वाली शीर्ष संस्था भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में चुनावी गहमा-गहमी शुरू हो गई है। भारत की 2036 के ओलंपिक की बोली में कोई अड़चन नहीं आए, इसके लिए आईओए के चुनाव इस वर्ष 10 दिसंबर तक कराने की तैयारी कर ली गई है। चुनाव के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के अनुसार संविधान में संशोधन कराना जरूरी है। आईओए ने इसके लिए 19 अगस्त को आपातकालीन कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है जिसमें आईओए के संविधान में संशोधन किया जाएगा, साथ ही संस्था के चुनाव 10 दिसंबर या उससे पहले कराने की घोषणा की जाएगी। बैठक में चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) का भी चयन कर लिया जाएगा। आरओ की ओर से आईओए की चुनावी प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आईओसी को नहीं होने देना है नाराज

खेल मंत्रालय की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के समक्ष बोली लगाई जा चुकी है। मेजबानी की आगे की प्रक्रिया में आईओए की भूमिका काफी अहम रहने वाली है। ऐसे में आईओए के चुनाव में देरी आईओसी को नाराज कर सकती है। यही कारण है कि खेल मंत्रालय यह बिल्कुल नहीं चाहता है कि आईओए के चुनाव में देरी हो। हालांकि सूत्र बताते हैं कि आईओए सदस्य चुनाव 10 दिसंबर के बाद चाहते हैं, लेकिन आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने 19 अगस्त को आपातकालीन बैठक का नोटिस निकाल दिया है।

सरकार का समर्थन आएगा काम

बैठक का नोटिस निकलते ही आईओए में चुनावी हलचल शुरू हो गई है। देखने वाली बात यह होगी अध्यक्ष पीटी उषा को चुनौती देने के लिए कौन सामने आता है। 2022 में अध्यक्ष बनीं उषा को अपनी कार्यकारिणी से समर्थन नहीं मिला है। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार भी जिसे सरकार का समर्थन हासिल होगा वही अगला आईओए अध्यक्ष होगा। हालांकि आईओए चुनाव से पहले एथलीट कमीशन और योग्य खिलाड़ियों (एसओएम) का फिर से गठन करना होगा।

पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं

क्या उम्र के कारण रोहित-विराट को विश्वकप से बाहर कर देना चाहिए? हरभजन ने मेसी का दिया उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे भविष्य को लेकर बहस लगातार जारी है। दोनों की उम्र 30 के पार हो चुकी है और 2027 वनडे विश्व कप के समय रोहित 40 तथा कोहली 39 वर्ष के होंगे। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दोनों दिग्गज दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में खेलेंगे। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बहस में उम्र के बजाय प्रदर्शन को पैमाना बनाने की बात कही है। हरभजन ने मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'जो भी खिलाड़ी हो, मेरा मानना है कि पैमाना प्रदर्शन होना चाहिए, उम्र नहीं। अगर रोहित और विराट रन बना रहे हैं तो हमें उनकी उम्र क्यों देखनी चाहिए?' उन्होंने कहा कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में रोहित और कोहली पर युवा खिलाड़ियों की तुलना में कहीं ज्यादा उम्मीदों का दबाव होगा। हालांकि, दोनों ने जिस तरह का आत्मविश्वास और दृढ़ता दिखाई है, उसके आधार पर हरभजन को भरोसा है कि वे अभी भी बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं।हरभजन ने रोहित और कोहली के समर्थन में फुटबॉल सुपरस्टार लियोनल मेसी का उदाहरण दिया। उनका कहना है कि अगर 39 साल की उम्र में मेसी विश्व कप जैसे बड़े मंच पर अपनी टीम को आगे ले जा सकते हैं तो रोहित और कोहली के लिए भी ऐसा करना संभव है। हरभजन ने कहा, 'अगर लियोनल मेसी ऐसा कर सकते हैं तो विराट कोहली और रोहित शर्मा क्यों नहीं कर सकते?' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के लिए उम्र से ज्यादा उनकी फिटनेस, प्रदर्शन और टीम को योगदान देने की क्षमता मायने रखती है। यदि दोनों दिग्गज विश्व कप तक खुद को फिट रखते हैं और टीम के लिए रन बनाते हैं, तो उन्हें उम्र के आधार पर बाहर करने का कोई मतलब नहीं है।

वैभव को बताया 'यूनीक' खिलाड़ी

हरभजन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में दुनिया के शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ जिस तरह वैभव आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं, वह उन्होंने पहले नहीं देखा। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी कमाल के खिलाड़ी हैं। वह एक अलग तरह के और बेहद अनोखे खिलाड़ी हैं। मैंने इससे पहले ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा, जो 14-15 साल की उम्र में दुनिया पर इस तरह हावी हो सके। जब दुनिया के शीर्ष गेंदबाज उन्हें गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो वे वास्तव में यह सोच रहे होते हैं कि उन्हें गेंद कहां डालनी है। यह अपने आप में बहुत बड़ी बात है।' हरभजन ने कहा कि वैभव की उम्र को देखकर उन्हें सामान्य युवा खिलाड़ी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वैभव यह संदेश दे रहे हैं कि 15 साल का बच्चा भी ऐसा कर सकता है। उसे बच्चा मत समझिए। एक बच्चा वह कर सकता है जो बड़े लोग नहीं कर सकते।'

शुभमन गिल की कप्तानी से प्रभावित

हरभजन ने भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने इंग्लैंड दौरे में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी को उनकी नेतृत्व क्षमता का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, 'उनकी कप्तानी की असली मजबूती इंग्लैंड में दिखाई दी। वह सिर्फ एक छोटा उदाहरण था कि वह क्या कर सकते हैं। एक लीडर, कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने इंग्लैंड में किसी भी अन्य खिलाड़ी से ज्यादा रन बनाए। जिस तरह उनकी टीम ने वहां जीत हासिल की और टीम की मानसिकता जैसी थी, उसी वजह से मैं उन्हें बहुत ऊंचा आंकता हूं।' हरभजन ने मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी और पूरी टीम के रवैये की भी तारीफ की। उन्होंने गिल को शानदार क्रिकेट दिमाग वाला खिलाड़ी और अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके पास बहुत अच्छा क्रिकेट दिमाग है। वह एक शीर्ष क्रिकेटर हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक अच्छे इंसान हैं।'

अटल ने 143 तो जादरान ने खेली 107 रन की पारी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने 5 मैचों की वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 9 विकेट पर 343 रन बनाए और आयरलैंड को जीत के लिए 344 रन का लक्ष्य दिया। अफगानिस्तान को इस बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सेदीकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान की शतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। इस मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

अटल ने खेली 143 रन की पारी तो जादरान ने बनाए 107 रन- इस मैच में अफगानिस्तान के लिए पारी की शुरुआत करने रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ इब्राहिम जादरान आए थे, लेकिन गुरबाज का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंदों पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद तीसरे नंबर पर खेलने के लिए सेदीकुल्लाह अटल क्रीज पर आए और फिर जादरान और अटल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 220 गेंदों पर 231 रन की शानदार साझेदारी कर डाली व टीम को बेहद मजबूत स्थिति में ला दिया। जादरान और अटल के बीच ये साझेदारी तब टूटी जब जादरान 107 रन बनाकर आउट हो गए।

पिता को खोने के चार दिन बाद फुटबॉल के मैदान पर लौटे मेसी

मियामी। पिता के निधन के बाद अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनल मेसी मैदान पर वापसी कर चुके हैं। मेसी के लिए बुधवार की रात सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी वापसी थी। अपने पिता जॉर्ज मेसी के निधन के महज चार दिन बाद अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी ने एक बार फिर फुटबॉल के मैदान पर कदम रखा। इंटर मियामी की ओर से लीग्स कप के अहम मुकाबले में मेसी लियोन के खिलाफ खेलने उतरे।

जॉर्ज मेसी का आठ अगस्त को अर्जेंटीना के रोसारियो में 68 वर्ष की उम्र में निधन हुआ था। उनके निधन के बाद मेसी अपने गृहनगर गए और अंतिम संस्कार में शामिल हुए। इंटर मियामी ने भी अपने कप्तान को इस मुश्किल समय में फुटबॉल से दूर रहने का समय दिया था। ऐसे में माना जा रहा था कि मेसी की वापसी में कुछ और वक्त लग सकता है, लेकिन उन्होंने बुधवार को अचानक मैदान पर लौटकर सभी को भावुक कर दिया।

पहले बेंच पर बैठे, दूसरे हाफ में उतरे

लियोन के खिलाफ मुकाबले के लिए मेसी को शुरुआती प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। हालांकि, मैच के दूसरे हाफ की शुरुआत में ही उन्हें मैदान पर उतार दिया गया। मेसी की वापसी ऐसे समय हुई जब इंटर मियामी के लिए मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण था। टीम अपने पिछले लीग्स कप मैच में मेसी की गैरमौजूदगी में मॉन्टेरे के खिलाफ 1-2 से हार गई थी। इसके बाद लियोन के खिलाफ जीत उसके लिए जरूरी थी। मेसी के मैदान पर आने से टीम को उम्मीद जगी, लेकिन उनका लौटना भी इंटर मियामी को हार से नहीं बचा सका। लियोन ने मुकाबला 3-2 से अपने नाम कर लिया।

पिता की याद में लिखी थी भावुक पोस्ट

मेसी की मैदान पर वापसी इसलिए भी खास रही क्योंकि पिता के निधन के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर बेहद भावुक संदेश साझा किया था। उन्होंने जॉर्ज को सिर्फ अपना पिता ही नहीं, बल्कि दोस्त और प्रतिनिधि बताया था। जॉर्ज मेसी ने बचपन से ही उनके करियर को संभाला और लंबे समय तक उनके एजेंट भी रहे। मेसी ने अपनी भावुक पोस्ट में लिखा था, 'पापा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि आप चले गए हैं। यह बात मेरे दिल में उतरी नहीं है, या यूं कहूं कि मैं इसे स्वीकार नहीं करना चाहता। यह सोचना बहुत मुश्किल है कि अब मैं आपको दोबारा नहीं देखूंगा और हम बात नहीं करेंगे।' उन्होंने यह भी बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वह 2026 विश्व कप में खेलें। मेसी ने लिखा कि टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले जॉर्ज की हालत बिगड़ गई थी, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उनके पिता ठीक होकर विश्व कप के फाइनल में उन्हें खेलते हुए देखने पहुंच पाएंगे।

डूरंड कप: मोहम्मडन एससी को हराकर इंडियन आर्मी क्वार्टर फाइनल में, शफील पीपी का निर्णायक गोल

कोलकाता। इंडियन आर्मी फुटबॉल टीम ने 135वें डूरंड कप के ग्रुप बी के आखिरी मुकाबले में मोहम्मडन एससी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले गए मुकाबले में सेना की टीम ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। 90वें मिनट के बाद शफील पीपी के निर्णायक गोल ने उसे रोमांचक जीत दिलाई। मोहम्मडन ने 34वें मिनट में ललथांकिमा के शानदार गोल से बढ़त बनाई। बाएं छोर से गेंद लेकर अंदर आए ललथांकिमा ने बेहतरीन अंदाज में दाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को गोल के ऊपरी बाएं कोने में पहुंचाया। मध्यांतर तक मोहम्मडन 1-0 से आगे रहा।

दूसरे हाफ में इंडियन आर्मी ने आक्रामक रुख अपनाया। 59वें मिनट में पी. क्रिस्टोफर कामेई के दूर से लगाए तेज शॉट ने मोहम्मडन के डिफेंडर पुखरामबम दिनेश मेइतेई से लगकर दिशा बदली, गेंद पोस्ट से टकराई और गोल में चली गई। इससे सेना की टीम 1-1 से बराबरी पर पहुंच गई। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए जोर लगाया। 81वें मिनट में मोहम्मडन के महाराबम मैक्सियन के पास बढ़त लेने का मौका आया, लेकिन सेना के गोलकीपर और कप्तान भाबिंद्र मल्ला ठाकुरी ने आगे बढ़कर खतरा टाल दिया।इंजरी टाइम के पहले मिनट में शफील पीपी ने दूर से जोरदार शॉट लगाया। गेंद हल्की सी दिशा बदलते हुए गोल में चली गई और इंडियन आर्मी ने 2-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद मोहम्मडन बराबरी नहीं कर सका। इस जीत के साथ इंडियन आर्मी ने ग्रुप बी में तीन मैचों से नौ अंक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा: कपिल

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के

लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, ''असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।''जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

कपिल देव ने कहा, ''भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।''कपिल देव ने कहा, ''हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।